E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -11 अंक -97 | प्रयागराज, मंगलवार 24 जून, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान के 6 एयरपोर्ट पर इजराइली हमला दावा- 15 फाइटर जेट-हेलिकॉप्टर तबाह किए

नयी दिल्ली। इजराइली सेना ने ईरान के छह एयरपोर्ट पर हवाई

हमला किया है। इनमें मशहद, तेहरान, हमादान, देजफुल, शाहिद बख्तरी और तबरीज के एयरपोर्ट जंग में एंट्री की। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान थे। इस ऑपरेशन में 7 बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स ने हिस्सा लिया था, जिन्होंने ईरान के फोर्डो और नतांज न्यूक्लियर ने लोगों से सतर्क रहने के लिए कहा है। आईडीएफ ने बताया कि इस समय वायुसेना ईरानी मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर रही है और जहां जरूरी हो, जवाबी कार्रवाई भी कर रही है।अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर सीधे हमले के बाद रूस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। रूस की सुरक्षा परिषद के डिप्टी चेयरमैन और पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने अमेरिका को चेताते हुए कहा है कि अब कई देश ईरान को सीधे अपने न्यूक्लियर वॉरहेड (परमाणु हथियार) देने को तैयार हैं। मेदवेदेव ने एक्स पर लिखा कि अमेरिकी हमले नाकाम साबित हुए हैं और ईरान का न्यूक्लियर ड्रोन हर्मीस मॉडल का था। पिछले हफ्ते भी इस्फहान में इजराइल एक हर्मीस

900 यूएवी मार गिराया गया था।ईरान ने अपने न्यूक्लियर ठिकानों पर हवाई हमलों के लिए अमेरिका को जवाब देने की चेतावनी दी है। ईरानी सेना के नए चीफ मेजर जनरल अमीर हातामी

ईरान बोला- गैम्बलर ट्रम्प ने जंग शुरू की, खत्म हम करेंगे

को निशाना बनाया है। सेना ने बयान जारी कर बताया कि उसने ड्रोन हमलों के जरिए ईरान के 15 सैन्य विमान और हेलिकॉप्टर नष्ट कर दिए हैं।इन हमलों में हवाई पट्टियों, अंडरग्राउंड बंकरों, एक ईंधन भरने वाले विमान और ईरान के एफ-14, एफ-5 और एएच-1 जैसे लड़ाकू विमानों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। दूसरी तरफ ईरान ने भी इजराइल के एक हर्मीस ड्रोन को मार गिराया है। इससे पहले सुबह इजराइली एयरफोर्स ने रविवार देर रात ईरान के शाहरुद में बैलिस्टिक मिसाइल का इंजन बनाने वाली फैक्ट्री पर बमबारी की। यह जगह इजराइल से करीब 2000 किलोमीटर दूर है। इस हमले में इंजन बनाने वाली कई मशीनें और जरूरी इक्विपमेंट तबाह हो

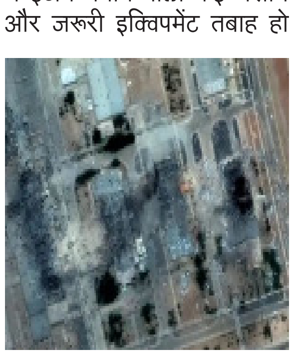

गए। इसके अलावा इजराइल ने तेहरान, केरमानशाह और हमादान में भी एयर स्ट्राइक की।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान में तख्तापलट के मुद्दे पर बात की। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा- अगर मौजूदा ईरानी सरकार 'ईरान को फिर से महान' नहीं बना सकती, तो सत्ता परिवर्तन क्यों नहीं होना चाहिए? मेक ईरान ग्रेट अगेन।अमेरिका ने कल ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला करके ठिकानों पर 13,608 किलो वजनी बंकर बस्टर बम गिराए। ईरान की तस्नीम समाचार एजेंसी ने ईरानी मीडिया इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प के हवाले से बताया कि इजराइल पर ताजा हमले में अब तक 5 शहरों को टारगेट किया गया है। इनमें सफेद, तेल अवीव, अश्कलोन, अशदोद और बेइसन शामिल हैं। आईआरजीसी के मुताबिक, इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम को भेदने के लिए इन शहरों पर सॉलिड और लिक्विड फ्यूल मिसाइलों की मदद से मिसाइल और ड्रोन हमला किया गया था।ईरान ने इजराइल पर अपने ताजा हमले में करीब 15 मिसाइलें दागी हैं। इजराइल डिफेंस फोर्स ने बताया कि सभी मिसाइल हमले करीब 40 मिनट के दौरान हुए। यह 13 से अब तक युद्ध में ईरान के सबसे लंबे मिसाइल हमलों में से एक था। हालांकि, इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं आई है।ईरान ने इजराइल पर सोमवार दोपहर मिसाइल अटैक किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिणी इजराइल के अशदोद इलाके में बैलिस्टिक मिसाइल से हमला हुआ है। रेस्क्यू टीम इस इलाके में काम कर रही है।ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची आज मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ मुलाकात करेंगे। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने इसकी पुष्टि की है। इजराइल-ईरान संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच सीनियर लेवल पर यह पहली बातचीत होगी।ईरान ने इजराइल के उत्तरी हिस्से की तरफ कई मिसाइलें दागी हैं। इन इलाकों में सायरन बजना शुरू हो गए हैं। सुरक्षा एजेंसियों इन्फ्रास्ट्रक्चर सुरक्षित है। मेदवेदेव ने कहा कि अब हम खुलकर कह सकते हैं कि यह हमला ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने के बजाय उसे तेज करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका की सैन्य और कूटनीतिक रणनीति उलटी पड़ गई

है और इससे ईरान की सत्ता और मजबूत हुई है। बता दें कि यूक्रेन से जारी जंग में ईरान ने बड़े स्तर पर रूस को ड्रोन, मिसाइल व अन्य हथियारों से मदद की थी।इजराइली सेना ने ईरान के छह एयरपोर्ट को निशाना बनाया है। इजराइली सेना ने बयान जारी कर बताया कि उसने ड्रोन हमलों के जरिए ईरान के 15 सैन्य विमान और हेलिकॉप्टर नष्ट कर दिए हैं। इन हमलों में हवाई पट्टियों, अंडरग्राउंड बंकरों, एक ईंधन भरने वाले विमान और ईरान के एफ-14, एफ-5 और एएच-1 जैसे लड़ाकू विमानों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है।ईरान ने अपने पश्चिमी इलाके में इजराइल के एक हर्मीस ड्रोन को मार गिराया है। इजराइली सेना ने भी इसकी पुष्टि की है। एक बयान जारी कर आईडीएफ ने बताया कि आज सुबह ईरान के पश्चिमी इलाके खुर्रमाबाद में एक ड्रोन मारा गया है। ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि यह ने कहा है कि हर बार जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपराध किया है, उसे मुंहतोड़ जवाब मिला है और इस बार भी वही होगा।इजराइली सेना ने बताया कि उसके लड़ाकू विमानों ने ईरान के करमानशाह प्रांत में सैन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं। सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हम इस समय करमानशाह क्षेत्र में ईरानी सैन्य ढांचे पर हमले कर रहे हैं।ईरान ने मोहम्मद अमीन शायस्तेह नाम के एक व्यक्ति को फांसी दे दी है। उसे इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद के साथ सहयोग करने के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई थी। यह जानकारी ईरान की समाचार एजेंसी तस्नीम ने दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, शायस्तेह को 2023 के आखिर में गिरफ्तार किया गया था। तस्नीम की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि शायस्तेह ईरान की सुरक्षा के खिलाफ ऑनलाइन जासूसी और साइबर गतिविधियों में शामिल था।ईरान पर हमले के लिए भारतीय एयरस्पेस के इस्तेमाल का दावा फर्जी है। प्रेस इंफोर्मेशन ब्यूरो ने फेक्ट चेक कर सोशल मीडिया पर हो रहे ऐसे तमाम दावों को फर्जी बताया है।नॉर्थ कोरिया ने सोमवार को ईरान पर अमेरिकी हवाई हमलों की निंदा की है। नॉर्थ कोरियाई विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा 'अमेरिका और इजराइल जानबूझकर मिडिल-ईस्ट में तनाव भड़का रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस गंभीर स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।' मंत्रालय ने मांग करते हुए कहा कि अमेरिका और इजराइल की इस सैन्य आक्रामकता की कड़ी निंदा की जानी चाहिए और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

मोबाइल पर बोली मेरा कोई नहीं और कूद गई,नाविकों ने बचाई जान, परिवार बोला- बेटी बीमार चल रही थी

प्रयागराज। नए यमुना ब्रिज

से यमुना में छलांग लगाने वाली दसवीं की छात्रा सलोनी पुत्री गुलशन शनिवार को नैनी के अरैल अपनी मौसी सविता के घर घूमने आई हुई थी। वह छत पर फोन पर किसी से बात कर रही थी। उस दौरान उसका फोन पर ही झगड़ा हुआ और वह मौसी को बिना बताए घर से निकल आई। वह नए पुल पर पहुंची और थोड़ी देर तक टहलती रही। कुछ लोगों ने शक होने पर उससे पूछा कि कहा कि रहने वाली हो। छात्रा ने कहा मेरा कोई नहीं है और पुल से नदी में छलांग लगा दी। छात्रा के पुल से कूदते ही नीचे थे नाविकों ने तत्काल पानी में कूदकर उसे बाहर निकला और 112 को सूचना कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घरवालों को सूचना दी। जिसके बाद घरवाले अरैल पहुंच गए। उधर छात्रा की मौसी और अन्य रिश्तेदार भी पहुंच गए। पुलिस ने छात्रा को एम्बुलेंस से सीएचसी चाका पहुंचाया जहां अब वह सुरक्षित है। मां सुमन ने बताया कि कुछ दिनों से वह बीमार चल रही है। वह अपनी मौसी के घर घूमने आई थी। अचानक से कब पुल पर पहुंची किसी को नहीं पता। मौसी सविता ने बताया कि रात में सभी लोग खाना खाने के लिए बुला रहे थे। रात में खाना खाने के बाद सभी लोग सो गए थे। दोपहर बाद वह छत पर किसी से फोन ओर बात कर रही थी। बात करते हुए कब घर से निकल गई किसी को कोई जानकारी नहीं। कुछ देर के बाद जब घर में नहीं दिखी तो खोजबीन की गई। जिसके बाद सूचना मिली कि पुल से कूद गई है।

नैनी सब्जी मंडी में बदहाली,200 दुकानें सड़क पर, लग रहा जाम वाहन खड़े करने पर चालान

प्रयागराज। प्रयागराज की नैनी में नगर निगम की व्यवस्था बेपटरी हो चुकी है। सब्जीमंडी में लगने वाली दुकानें आधी सड़क पर आ चुकी है। ऐसे में सब्जी मंडी चौराहे नहीं की है। जिसके कारण सब्जी मंडी के बाहर रोज भीड़ जमा होती है।मंडी के बाहर दुकानों के लगने से गंदगी और कीचड़ भी फैल रहा है। जिसके कारण लोग पटरी को

पर पूरे दिन जाम की समस्या के लोगों को जूझना पड़ रहा है। वही मंडी के बाहर खड़े वाहनों का पुलिस चालान भी काट रही है। लेकिन नगर निगम अपनी व्यवस्था को नहीं सुधार रही है। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।नैनी सब्जी मंडी में लगभग एक हजार पांच सौ से अधिक दुकानें अंडे एलाट है। जबकि करीब दो सौ दुकानें सब्जी और फल की मंडी के बाहर पटरी पर लग रही है। इन दुकानों को व्यवस्थित करने के लिए नगर निगम और मंडी परिषद ने कोई समुचित व्यवस्था छोड़कर सड़को पर अपने वाहन को खड़ा करते है। मंडी में आने वाले लोगों ने बताया कि सब्जी के अंदर जगह कम है। लोग अपनी दुकानें बाहर लगाते हैं।इससे खरीददारी करने आने वाले लोगों को अपने वहन सड़कों पर खड़े करने पड़ते है। इस दौरान सड़क पर काफी भीड़ होती है और रास्ता जाम हो जाता है। जिसके बाद वाहनों को हटाना मुश्किल होता है। वही चौराहे पर खड़े होने पाले सिपाही वाहनों का चालान काटना शुरू कर देते है।

खामेनेई को अपनी हत्या की आशंका, 3 उत्तराधिकारी चुने बेटा मोजतबा शामिल नहीं; ईरान में अंदरखाने क्या चल रहा है

नयी दिल्ली। 22 जून की सुबह

4:30 बजे। अमेरिका ने ईरान के नतांज, फोर्डो और इस्फहान परमाणु ठिकानों पर ˝2 बमवर्षक विमानों और टॉमहॉक मिसाइलों से भारी बमबारी की। ईरानी ऑफिसर्स का कहना है कि ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की जान को भी खतरा है। उन्होंने अपनी मौत के बाद संभावित उत्तराधिकारियों की लिस्ट भी तैयार कर ली है, इसमें उनके बेटे मोजतबा का नाम नहीं है।इजराइल के इश नेतन्याहू और अमेरिकी प्रेसिडेंट ट्रम्प कई बार कह चुके हैं कि खामेनेई की हत्या का ऑप्शन खुला हुआ है। 19 जून को इजराइल के बीर्शेबा शहर के सोरोका मेडिकल सेंटर पर ईरान ने मिसाइल अटैक किया था। इसके बाद इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा, 'खामेनेई जैसे तानाशाह को जीने का हक नहीं है। उन्होंने हमेशा अपने एजेंटों के जरिए इजराइल को खत्म करना चाहा है।' नेतन्याहू ने भी कहा, 'ईरान में अब कोई भी सुरक्षित नहीं है। सारे ऑप्शन खुले हुए हैं। प्रेस में इस बारे में बात न करना ही बेहतर है।' इससे पहले 17 जून को ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा- 'हम जानते हैं कि कथित सुप्रीम लीडर कहां छिपा है, वह एक आसान शिकार है, लेकिन हम अभी उसे मारेंगे नहीं।' ट्रम्प ने दूसरी पोस्ट में ईरान से बिना शर्त सरेंडर करने को कहा था। इसके जवाब में खामेनेई ने एक वीडियो जारी करके कहा कि ईरान सरेंडर नहीं करेगा। उल्टा अगर अमेरिका जंग में शामिल हुआ तो इसका अंजाम बुरा होगा।आम तौर पर खामेनेई ईरान की राजधानी तेहरान के एक हाई सिक्योरिटी कैंपस में रहते थे। इसे 'बेत-रहबरी' यानी सर्वोच्च लीडर का घर कहा जाता है। वे बहुत कम ही बिल्डिंग से बाहर निकलते थे। 15 जून को इजराइल ने अपनी सीमा से 2,300 किमी दूर पूर्वी ईरान के मशहद एयरपोर्ट को निशाना बनाया। इसे खामेनेई की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक अब उन्हें तेहरान शहर से 343 किमी दूर लाविजान इलाके में बने बंकर में शिफ्ट कर दिया गया है। अप्रैल और अक्टूबर 2024 में जब ईरान ने इजराइल पर एयरस्ट्राइक की थी, तब भी खामेनेई यहीं छिपे थे।अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स की एक खबर के मुताबिक, इजराइल और अब अमेरिका की तरफ से बढ़ते हमले के बीच खामेनेई भी आगे का वॉर प्लान बनाने में जुटे हैं। इस प्लान को जानने वाले तीन ऑफिसर्स ने अखबार को बताया

कि खामेनेई की लोकेशन पता न चले, इसलिए वह किसी भी तरीके के इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन जैसे टेलीफोन या मैसेजिंग का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। उनका भरोसे का एक व्यक्ति बाकी नेताओं और ऑफिसर्स तक उनके मैसेज पहुंचाता है। खामेनेई ने ईरान की सेना की कमान संभालने के लिए ऑफिसर्स की एक पूरी चेन तैयार की है, ताकि अगर किसी ऑफिसर की मौत हो तो फौरन लिस्ट में से कोई दूसरा उसकी जगह ले सके।इसके अलावा खामेनेई ने तीन मौलवियों को भी चुना है। अगर उन्हें कुछ हो जाता है तो इनमें से कोई एक उनकी जगह लेगा। ऑफिसर्स के मुताबिक खामेनेई को पता है कि इजराइल या अमेरिका उनकी हत्या की कोशिश कर सकते हैं। इसे वह अपने लिए शहादत मानेंगे। खामेनेई ने एक्सपर्ट्स की असेंबली यानी मौलवियों की सभा को निर्देश दिया है कि जो तीन नाम उन्होंने चुने हैं, उनमें से किसी एक को जल्दी से जल्दी उनका वारिस चुना जाए। अधिकारियों के मुताबिक, 'आम तौर पर खामेनेई का वारिस चुनने में कई महीने का समय लगता है, लेकिन जंग के हालात में खामेनेई चाहते हैं कि बिना किसी अव्यवस्था के जल्दी से जल्दी ये प्रक्रिया पूरी हो, ताकि उनकी विरासत बनी रह सके।' ईरान में सर्वोच्च लीडर चुने जाने की प्रक्रिया ऐसी है दुनिया में

दो ही देश हैं, जहां थियोक्रेसी यानी सर्वोच्च धार्मिक नेता और संस्था का शासन है- ईरान और वेटिकन सिटी। जिस तरह वेटिकन सिटी में पोप का पद सबसे ताकतवर होता है, उसी तरह ईरान में 'रहबर' देश के सुप्रीम लीडर होते हैं। 'रहबर' फारसी भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ होता है- मार्गदर्शक या रास्ता दिखाने वाला। ईरान की शासन व्यवस्था वेटिकन से भी जटिल है। यहां एक तरफ रहबर का सरकार पर कंट्रोल है, तो दूसरी तरफ जनता की चुनी सरकार भी है। खामेनेई 36 साल से ईरान के रहबर हैं।'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' के सदस्यों को ईरान की आम जनता वोटिंग के जरिए चुनती है, लेकिन इसके उम्मीदवार गार्डियन काउंसिल ही तय करती है।

4 राज्यों में 5 विधानसभा उपचुनाव नतीजे:गुजरात के विसावदर में 'आप',कडी में भाजपा जीती,लुधियाना में आप और केरल में कांग्रेस विजयी,बंगाल में टीएमसी आगे

नयी दिल्ली। चार राज्यों की 5 विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव का रिजल्ट आ चुका है। गुजरात की कडी सीट से भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र चावड़ा जीते। उन्होंने कांग्रेस के रमेश चावड़ा को हराया। विसावदर पर 'आप' के गोपाल इटालिया जीते। भाजपा के कीर्ति पटेल को दूसरे नंबर पर रहे।केरल में यूडीएफ उम्मीदवार कांग्रेस के आर्यदन शौकत को जीत मिली। उन्होंने सीपीआईएम के एम.स्वराज को हराया। पंजाब की लुधियाना वेस्ट आप के खाते में आई, यहां संजीव अरोड़ा जीते। कांग्रेस के भारत भूषण आसु दूसरे नंबर पर रहे। पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट पर टीएमसी प्रत्याशी अलिफा अहमद जीतीं। उन्होंने भाजपा के आशीष घोष को हराया। इन सभी पांचों सीटों पर 19 जून को वोटिंग हुई थी।पंजाब की लुधियाना वेस्ट आम आदमी पार्टी (आप) के पास थी। लुधियाना वेस्ट से आप ने राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को कैंडिडेट बनाया है। अरोड़ा विधायक बनते हैं तो उन्हें राज्यसभा सीट छोड़नी होगी, जिससे यह सीट खाली हो जाएगी। कयास लगाए जा रहे हैं

कि आप अरविंद केजरीवाल को पंजाब से राज्यसभा भेज सकती है।गुजरात की कडी सीट पर भाजपा के राजेंद्रकुमार (राजूभाई) दानेश्वर चावडा 39452 वोटों से जीत गए हैं। उन्होंने कांग्रेस कैंडिडेट रमेशभाई चावड़ा को हराया।पंजाब की लुधियाना वेस्ट सीट पर आप कैंडिडेट संजीव अरोड़ा 13 राउंड की वोटिंग तक 10 हजार वोटों से आगे हैं। आखिरी राउंड की काउंटिंग जारी है।गुजरातः यहां भाजपा की सरकार है। भूपेंद्र पटेल सीएम हैं। कुल विधानसभा सीटें 182 हैं। भाजपा के पास 161 विधायक हैं, कांग्रेस के पास 12 और आप के पास चार हैं। जबकि एक सीट समाजवादी पार्टी और दो निर्दलीय के पास है। पश्चिम बंगालः राज्य में तृणमूल कांग्रेस की सरकार है। ममता बनर्जी सीएम हैं। कुल विधानसभा की 294 सीटें हैं। टीएमसी के पास 215 विधायक हैं। भाजपा के पास 77 सीटें हैं। कांग्रेस का कोई भी विधायक नहीं है।पंजाबः यहां आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार है। भगवंत मान सीएम हैं। कुल विधानसभा सीटें 117 हैं। आप के पास 91 सीटें हैं। कांग्रेस के पास 18 सीट, शिरोमणि अकाली दल के पास 3 सीट, बीएसपी के पास 1 और बीजेपी के पास 2 सीटे हैं। एक विधायक निर्दलीय है। केरलः यहां लेफ्ट डेमोक्रेटिक फंट की सरकार है। पिनाराई विजयन सीएम हैं। कुल विधानसभा सीटें 140 हैं। एलडीएफ के पास 98 सीटें हैं। यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के पास 41 सीटें हैं।केरल की नीलांबुर सीट पर कांग्रेस कैंडिडेट आर्यदान शौकत जीते हैं। उन्होंने सीपीआई (एम) उम्मीदवार एम. स्वराज को 11077 वोटों से हराया। जीत के बाद कार्यकर्ताओं के साथ जश्न मनाया।गुजरात की विसावदर सीट पर आप कैंडिडेट गोपाल इटालिया ने 17554 वोटों से जीत हासिल की है। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार कीर्ति पटेल को हराया।केरल के नीलांबुर में कांग्रेस कार्यकर्ता काउंटिंग सेंटर के बाहर जश्न मना रहे हैं। यहां कांग्रेस कैंडिडेट आर्यदान शौकत 11077 वोटों से जीत गए हैं।गुजरात की विसावदर सीट पर आप आगे निकली, 12 राउंड की काउंटिंग का बाद विसावदर सीट पर आप उम्मीदवार गोपाल इटालिया 7232 वोटों से आगे चल रहे हैं। शुरुआत में सीट पर भाजपा कैंडिडेट कीर्ति पटेल ने बढ़त बनाई थी। खबर लिखे जाने तक।

विवाहिता की मौत,फांसी के फंदे पर लटकी मिली महिला, परिजनों ने पति पर लगाया हत्या का आरोप

प्रयागराज। मेजा रामनगर में एक विवाहिता की संदिग्ध मौत का मामला सामने की सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने पति पर हत्या का

आया है। 24 वर्षीय आंचल शर्मा का शव घर के अंदर दरवाजे के ऊपर रोशनदान में साड़ी के फंदे से लटका मिला। मृतका के पति गोपाल शर्मा पेशे से ड्राइवर हैं। दोनों ने दो साल पहले प्रेम विवाह किया था। आंचल राजापुर प्रयागराज की रहने वाली थी। सुबह जब आंचल देर तक नहीं उठी, तो परिजनों ने कमरे में आवाज लगाई। कोई जवाब नहीं मिलने पर खिड़की से देखा तो वह फंदे से लटकी मिली।घटना आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सिरसा चौकी प्रभारी अनिल कुमार पांडेय ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गोपाल को हिरासत में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। जांच में सामने आया कि यह गोपाल की दूसरी शादी थी। उनकी पहली पत्नी प्रताड़ना के कारण 15 वर्षीय बेटे के साथ मुंबई में रहती हैं। पुलिस मायके पक्ष की शिकायत पर मामले की जांच कर रही है।

प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर बढ़ा

प्रयागराज। पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार हो रही बारिश का

असर अब संगम क्षेत्र में भी दिखने लगा है। प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। हालात अभी पूरी तरह नियंत्रण में हैं, लेकिन प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है। सोमवार सुबह 8 बजे तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 75.89 मीटर, वहीं छतनाग में 71.07 मीटर दर्ज किया गया है। इसी तरह यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 71.84 मीटर पहुंच चुका है।बीते 24 घंटों के दौरान फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 6 सेंटीमीटर, छतनाग में 17 सेंटीमीटर, जबकि नैनी में यमुना का जलस्तर 27 सेंटीमीटर बढ़ा है।हालांकि गंगा और यमुना दोनों नदियां अभी डेंजर लेवल से काफी नीचे बह रही हैं। प्रयागराज में बाढ़ का खतरा तब बनता है जब जलस्तर 84.734 मीटर को पार कर जाए। फिलहाल इस स्तर से दोनों नदियां काफी नीचे हैं, फिर भी एहतियातन प्रशासन पूरी तैयारी के साथ मुस्तैद है।विभाग के जन सूचना अधिकारी डी एन शुक्ला ने बताया कि बाढ़ नियंत्रण कक्ष से 15 जून से 24 घंटे जलस्तर की निगरानी की जा रही है। इसके लिए कर्मचारियों की रोस्टर के अनुसार ड्यूटी लगा दी गई है। सुलूज़ गेटों की ग्रीसिंग करा दी गई है। बक्सी बांध, एसटीपी रिंग, नागवासुकी, बंधे पर कई जगह बालू की खाली और भरी बोरिया रखवाई गई है। इस तरह से लगातार विभाग की तरफ से निचले इलाकों में चेकिंग अभियान चलाए जा रहे। इसके साथ ही तटीय और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट जारी कर दिया गया है। प्रशासन ने जिले में स्थापित बाढ़ चौकियों को सक्रिय कर दिया है।

प्रयागराज में लूटपाट करने वाले 6 बदमाश गिरफ्तार,6 मोटरसाइकिल और 5 फोन बरामद

प्रयागराज पुलिस वाहन चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

किया है। पकड़े गए बदमाश चोरी की बाइक से लूट और छिनैती भी करते थे। पुलिस ने बदमाशों को पकड़ उनकी निशानदेही पर चोरी की 6 बाइकें और पांच महंगे मोबाइल बरामद किया है। पूछताछ में बदमाशों ने कबूल किया कि वह तीन साल से बाइकों की चोरी कर उन्हें सस्ते दामों में बेच रहे थे। यूपी के कई जिलों के साथ ही एमपी के रीवां समेत अन्य जिलों में चोरी की गाड़ियां बेची हैं।प्रयागराज शहर और यमुनापार इलाके में हाल के दिनों में गाड़ियों की चोरी वारदातें बढ़ी हैं। एसपीपी कौंधियारा विवेक यादव के मुताबिक, घूरपुर पुलिस टीम ने मुखबिर के जरिये चोरी की बाइक खरीदने को जाल बिछाया। इसके बाद बच्चा नामक युवक को पकड़ा गया। पूछताछ में वह टूट गया और उसने चोरी की एक बाइक अपने रिश्तेदार के घर से बरामद कराई। फिर साथियों के नाम सामने आ गए। एक एक कर पुलिस ने पांच बदमाशों को पकड़ लिया। निशानदेही पर बाइकें और मोबाइल बरामद हुए। चोरी के कई और सामान के बारे में पता चला है।एसपीपी के मुताबिक, पकड़े युवक पढ़े लिखे नहीं हैं। वह अपना खर्च चलाने के लिए चोरियां और छिनैती करते थे। पकड़े गए बदमाशों की पहचान बच्चा पुत्र भीम निवासी ग्राम सेमरा कलबना थाना घूरपुर, मम्मा पुत्र बीरू निवासी घूरपुर, राज पुत्र सुनील निवासी सेमरा कलबना, रोशन लाल पुत्र केश कुमार निवासी घूरपुर और आर्यन पुत्र विजय निवासी कलबना है

यूपी के 42 शहरों में बारिश,प्रयागराज में मौसम दिलकश, आगरा में मगरमच्छ दौड़ा,बिजनौर में हाईवे डूबा, बिजली से 6 मौत; कल 19 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

प्रयागराज। यूपी में मानसून

जमकर बरस रहा है। लखनऊ समेत 42 शहरों में रविवार को कहीं तेज तो कहीं रुक-रुक बारिश होती रही। बिजनौर में इतनी बारिश हुई कि हाईवे डूब गया। गलियों में नदी जैसा बहाव रहा। बच्चे नहाते नजर आए। मंडी में सब्जियां बह गईं।मुजफ्फरनगर में घर के बाहर खेल रहा मासूम नाले में बह गया। यहां बारिश से घुटनों तक पानी भर गया। झांसी में एक घंटे की बारिश में सड़कों पर 2 फीट तक पानी भर गया। पुनावली चैकडेम ओवरफ्लो हो गया। यहां रक्सा गांव में सुनहरे रंग के 100-150 मेंढक नजर आए। स्थानीय मान्यता है कि सुनहरे रंग के मेंढक दिखते हैं तो अच्छी बारिश होती है। प्रयागराज में गर्मी का सितम झेलने के बाद अब मौसम खुशनुमा। आगरा में चंबल नदी से मगरमच्छ निकलकर गांव पहुंच गया। ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ी तो सहम गए। वन विभाग सूचना को दी। वन विभाग ने मगरमच्छ को पकड़कर चंबल नदी में छोड़ा। पीलीभीत में पुल का एक हिस्सा नहर में समा गया। आसपास के लोगों की सूचना पर सिंचाई विभाग की टीम मौके पर पहुंची। राहत-बचाव शुरू किया।चित्रकूट में बरदहा नदी के पानी में कच्ची सड़क बह गई, जिससे कई गांवों का ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क टूट गया। हरदोई में बारिश के पानी में डूबने से 3 बच्चों की मौत हो गई। वहीं, बिजली गिरने से बलिया में ज्वेलर समेत 3, देवरिया-बलिया और मुरादाबाद में एक-एक की मौत हुई।मौसम विभाग के मुताबिक, 24 घंटे में प्रदेश 5 मिमी औसत बारिश दर्ज की गई। यह औसत 3.9 मिमी के अनुमान से 29 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, 1 जून से अब तक प्रदेश में 55.6 मिमी बारिश हो चुकी, जो कि सामान्य 49.6 मिमी से 12 प्रतिशत अधिक है।सोमवार को 19 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। इनमें बलिया, देवरिया,

गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत शामिल हैं।

अवैध खनन पर प्रयागराज पुलिस का एक्शन,गंगानगर में 9 लोग गिरफ्तार, 2 जेसीबी और 7 ट्रैक्टर जब्त

प्रयागराज। प्रयागराज के

गंगानगर क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन के विरुद्ध चल रहे 'ऑपरेशन मिट्टी' में पुलिस ने कार्रवाई की है। सराय इनायत थाना पुलिस ने छापेमारी कर 9 लोगों को मिट्टी खनन करते हुए गिरफ्तार किया है।पुलिस ने मौके से 2 जेसीबी मशीन और 7 ट्रैक्टर जब्त किए हैं। आरोपी बिना अनुमति मिट्टी का खनन कर रहे थे। इससे पर्यावरण को नुकसान के साथ सरकारी राजस्व की हानि हो रही थी।एडीसीपी पुष्कर वर्मा ने कहा कि 'ऑपरेशन मिट्टी' आगे भी जारी रहेगा। अवैध खनन में शामिल लोगों पर कार्रवाई होगी। स्थानीय प्रशासन ने जनता से ऐसे मामलों की सूचना देने को कहा है।पिछले 15 दिनों में पुलिस ने इस अभियान के तहत 24 लोगों को जेल भेजा है। इस दौरान 10 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व वसूल किया गया है।

कुएं से पानी भरने को लेकर हुई मारपीट में हत्या:प्रयागराज में तीन आरोपी गिरफ्तार, धारदार हथियार से किया था हमला

प्रयागराज के थाना बारा क्षेत्र

के सीधटिकट ग्रामसभा में कुएं से पानी भरने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की जान चली गई। घटना 18 जून 2025 की शाम की है।कुएं से पानी निकालने को लेकर धीरेन्द्र प्रसाद की कहासुनी हुई। इस दौरान दोनों पक्षों के परिवार वाले मौके पर पहुंच गए। विवाद बढ़ने पर मारपीट शुरू हो गई। मारपीट में धीरेन्द्र प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए।घायल धीरेन्द्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अगले दिन राजेन्द्र प्रसाद यादव ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया कि आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला किया। धीरेन्द्र के चिल्लाने की आवाज सुनकर जब परिवार के लोग पहुंचे, तो उन पर भी हमला किया गया।इस मामले में मुलायम सिंह यादव समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान धीरेन्द्र प्रसाद की मौत हो गई। पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मुलायम सिंह यादव, मिथलेश यादव और लालू यादव को गिरफ्तार कर लिया।

एसआरएन अस्पताल में फटा फायर सेफ्टी पाइप,पानी सड़क पर भरा, मरीजों और तीमारदारों को आने-जाने में दिक्कत

प्रयागराज। प्रयागराज मंडल के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल

स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में सोमवार की सुबह करीब साढ़े 12 बजे नई बिल्डिंग के बाहर लगे फायर सेफ्टी पाइप अचानक फट गई और उससे तेज पानी बहने लगा। देखते ही देखते अस्पताल परिसर में बनी सड़क पानी से भर गई। इससे वहां से गुजरने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी मुसीबत उठानी पड़ी।अस्पताल की दीवार से सटी पाइप के फटने और तेज रफ्तार से पानी बहने की सूचना देने के बाद भी करीब एक घंटे तक वहां कोई पहुंच नहीं सका। इसके कारण मरीजों को सड़क पर लगे पानी से ही होकर गुजरना पड़ा। स्ट्रेचर से लेकर पैदल मरीज को हो रही दिक्कत के बारे में अस्पताल प्रशासन की तरफ से कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक पानी उसी प्रकार सड़क पर बहता रहा।एसआरएन अस्पताल में प्रयागराज के साथ ही आस पास के कई जिलों से मरीज इलाज कराने के लिए पहुंचते हैं। इसमें कौशांबी, मिर्जापुर, भदोही, प्रतापगढ़ के साथ ही मध्य प्रदेश के रीवा जिले से भी मरीज यहां आते हैं। अस्पताल में प्रतिदिन करीब 1800 मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में मरीज भर्ती हैं, जिनका अलग-अलग वार्ड में इलाज चल रहा है।

प्रयागराज मे 7.5 डिग्री गिरा तापमान का पारा:तीन दिन में 40 मिमी बारिश से तापमान 7.5 डिग्री गिरा, अगले 48 घंटे में और बारिश की संभावना

प्रयागराज। प्रयागराज में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया

है। पिछले तीन दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश से शहर का मौसम सुहाना हो गया है। सोमवार दोपहर के बाद शहर के कई हिस्सों में झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, 22 से 24 जून के बीच प्रयागराज में करीब 40 मिमी बारिश दर्ज की गई। यह इस सीजन की सबसे प्रभावी बारिश है। बारिश के कारण शहर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री से घटकर 32.5 डिग्री सेल्सियस हो गया। न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों में भी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। दोपहर बाद से देर रात तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मंगलवार और बुधवार को भी शहर में बादल छाए रहेंगे। खरीफ फसलों की बुआई की तैयारी कर रहे किसानों के लिए यह बारिश फायदेमंद है। खेतों में नमी बढ़ने लगी है। जल स्रोतों का स्तर भी सुधर रहा है। बारिश से शहर की कुछ निचली बस्तियों में जलभराव हुआ है। सड़कों पर कीचड़ और जाम की समस्या बनी। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में और बारिश की संभावना है।

प्रयागराज में दहेज की बलि चढ़ी विवाहिता:मां ने दर्ज कराई रिपोर्ट पति समेत 4 लोगों पर हत्या का केस, 10 लाख मांगने का आरोप

प्रयागराज के हंडिया तहसील क्षेत्र से एक बार फिर

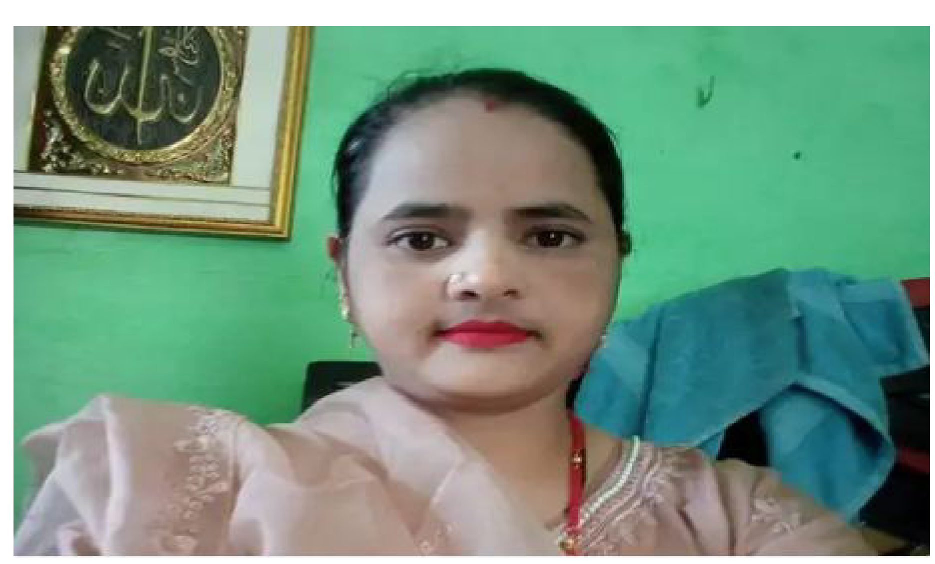

दहेज के लालच में विवाहिता की जान जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आमपुर गांव की रहने वाली रेहाना बेगम का शव 21 जून की रात उसके ससुराल मर्रो गांव स्थित घर में कमरे के अंदर फंदे से लटका मिला। घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। मृतका की मां अकदून निशा ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी बेटी की शादी कुछ वर्ष पूर्व मोहम्मद इमरान पुत्र मोहम्मद शौकत अली से हुई थी। शादी के बाद से ही रेहाना को दहेज को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि इमरान व उसके परिवार वाले लगातार 10 लाख रुपये की अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहे थे। जब यह मांग पूरी नहीं की गई, तो रेहाना के साथ मानसिक और शारीरिक अत्याचार बढ़ा दिए गए।अकदून निशा ने साफ तौर पर कहा कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या है। उनका दावा है कि उनकी बेटी की पहले गला दबाकर हत्या की गई और फिर उसे फंदे से लटका कर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई। सूचना मिलने पर मायके पक्ष के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थानीय पुलिस को सूचना दी।पीड़िता की मां की शिकायत पर हंडिया पुलिस ने पति मोहम्मद इमरान, ससुर मोहम्मद शौकत अली, सास अजमुन निशा और रिश्तेदार रियाज अहमद के खिलाफ हत्या और दहेज प्रताड़ना की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में दहेज प्रताड़ना के संकेत मिले हैं और आरोपियों की भूमिका की गहराई से जांच की जा रही है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

प्रयागराज में 50 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार:प्रतापगढ़ में छिपा था महमूद खान,13 संगीन मामलों में था वांछित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने शनिवार को प्रतापगढ़ जिले से 50 हजार के

इनामी बदमाश महमूद खान को गिरफ्तार किया। रानीगंज थाना क्षेत्र के जौनपुर-प्रतापगढ़ रोड पर दांदूपुर तिराहे से पकड़े गए महमूद पर कई जिलों में 13 संगीन मुकदमे दर्ज हैं। श्रावस्ती जिले के हरदत्त नगर गिरन्ट थाना क्षेत्र का रहने वाला महमूद लंबे समय से फरार चल रहा था। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि वह रानीगंज क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहा है। पुलिस उपाधीक्षक शैलेश प्रताप सिंह के निर्देशन में निरीक्षक जय प्रकाश राय की टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में महमूद ने बताया कि उसका एक संगठित गिरोह है। यह गिरोह ट्रक लूट, वाहन चोरी और डकैती की वारदातों को अंजाम देता है। उसने फरवरी 2024 में एनटीपीसी बारा के पास ट्रक लूट की घटना को भी स्वीकार किया। महमूद के खिलाफ लूट, डकैती, धोखाधड़ी, हत्या की कोशिश और एससी/एसटी एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। वह पहले प्रयागराज के शंकरगढ़ जेल में भी रह चुका है। जेल से छूटने के बाद वह अपनी दूसरी पत्नी के साथ दमन दीव में छिपकर रह रहा था। फिलहाल अभियुक्त को थाना फतनपुर, प्रतापगढ़ में भेजा गया है। स्थानीय पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। एसटीएफ की इस कार्रवाई को प्रदेश में अपराध नियंत्रण की दिशा में सफलता माना जा रहा है।

15 लाख युवाओं का शिक्षक बनने का सपना अधूरा:8 साल से तैयारी कर रहे टेट-सीटेट पास, फिर भी नौकरी नहीं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में 15

लाख युवा शिक्षक भर्ती का इंतजार कर रहे हैं। कई आंदोलन और आश्वासनों के बाद भी वैकेंसी नहीं निकली है। प्रयागराज में रह रहे शुभम की कहानी इन लाखों युवाओं की व्यथा बयां करती है।शुभम पिछले 8 सालों से शिक्षक बनने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने डीएलएड किया है। दो बार यूपी टेट और चार बार सीटेट परीक्षा पास की है। परिवार की उम्मीदों और खुद से संघर्ष के बीच सरकार की तरफ से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल रहा है।1010 के कमरे में रहने वाले शुभम अब मानसिक और शारीरिक थकान महसूस कर रहे हैं। समाज के तानों का सामना भी करना पड़ रहा है। गांव जाने पर पड़ोसियों की नजरों से बचना पड़ता है। 30 साल की उम्र में भी लोग पूछते हैं कि अभी तक पढ़ाई ही कर रहे हो।शुभम जैसे लाखों युवाओं की सरकार से एक ही अपील है। वैकेंसी चाहे 500 हो या एक लाख, कुछ तो निकाली जाए। उनकी मेहनत और माता-पिता की उम्मीदों का सम्मान किया जाए।

प्रयागराज में डिजिटल लाइब्रेरी में मासिक शुल्क लगाने का विरोध:छात्रों ने नगर निगम में की नारेबाजी अधिकारियों के आश्वासन पर माने

प्रयागराज। प्रयागराज में सरकार की तरफ से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई। जिसमें प्रतियोगी छात्रों को तैयारी कर सके।हर प्रतियोगी इस प्रकार से इतना शुल्क नहीं दे सकता है। निगम प्रशासन को भी इस बारे में सोचना चाहिए। वहीं निगम के बाहर

करने की व्यवस्था की गई थी। तत्कालीन नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने इसके लिए इंसेटिव लिया था।इसके बाद राजकीय इंटर कॉलेज के पास एक हॉल में प्रतियोगी छात्रों की तैयारी के लिए डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई थी। जो प्रतियोगियों के लिए निशुल्क रखा गया था।लेकिन, अब नगर निगम उस पर शुल्क लगाने की तैयारी में जुट गया था। इसके लिए निगम की तरफ से नोटिस भी चस्पा कर दी गई है।जिसके विरोध में सोमवार को बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्र-छात्राएं नगर निगम कार्यालय पहुंचे और गेट पर जमकर प्रदर्शन किया।नगर निगम मुख्यालय विरोध करने पहुंचे प्रतियोगियों ने कहा कि अगर सरकार ने गरीब वर्ग से आने वाले प्रतियोगियों को आगे बढ़ाने के लिए निशुल्क डिजिटल लाइब्रेरी की शुरुआत की है, तो नगर निगम स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत 4 घंटे लाइब्रेरी के प्रयोग करने पर पांच सौ रुपए प्रतिमाह शुल्क लेने की व्यवस्था क्यों बना रहा है।जबकि लाइब्रेरी में गरीब वर्ग के ही प्रतियोगी सबसे अधिक आते हैं। अगर निगम पर लाइब्रेरी चलाने का खर्च आ रहा है तो उसके लिए वह सरकार से बजट मांगे। जिससे गरीब वर्ग का प्रतियोगी भी परीक्षाओं की तैयारी प्रतियोगी छात्र-छात्राओं ने हाथों में तख्ती लेकर प्रदर्शन किया। हालांकि मौके पर मौजूद निगम के सुरक्षा कर्मियों और पुलिस कर्मियों ने किसी प्रकार समझाकर उनको शांत कराया।प्रयागराज नगर निगम पर प्रदर्शन करने पहुंचे प्रतियोगियों ने बताया कि पुस्तकालय प्रतियोगियों के लिए एक मंदिर है। ऐसे में अगर वहां पर शुल्क लगा दिया जाएगा तो प्रतियोगी कहां जाएंगे।पुस्तकालय में आने वाले अधिकतर प्रतियोगी गरीब वर्ग से आते है। ऐसे में उनके पास इतना पैसा नहीं होता कि वह लाइब्रेरी का इतना शुल्क जमा कर सकें। योगी सरकार की तरफ से जब इतना इंसेटिव लिया गया है, तो निगम की तरफ से शुल्क क्यों लगाया जा रहा है। प्रतियोगियों ने बताया कि अचानक नगर आयुक्त लाइब्रेरी पहुंचे और शुल्क लगाने का पंपलेट लगवा दिया।नगर आयुक्त से मिलकर अपनी मांगों को रखने पहुंचे प्रतियोगियों ने निगम के बाहर प्रदर्शन किया। इसके बाद निगम के अधिकारी बाहर आए और प्रतियोगियों से बात करते हुए उनको भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों पर विचार किया जाएगा। जिससे उनको किसी प्रकार की दिक्कत ना हो सके।

प्रयागराज में बैंककर्मी पर जानलेवा हमला:नैनी में जाम हटाने के विवाद में दबंगों ने लोहे की रॉड से पीटा, हालत गंभीर

प्रयागराज।नैनी अरैल मोड़ के पास एक्सिस बैंक के कर्मचारी सुदीप मिश्रा

पर कुछ लोगों ने लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। यह घटना बीते 20 जून को हयात हॉस्पिटल के सामने हुई। सुदीप सिविल लाइंस स्थित बैंक से ड्यूटी के बाद घर लौट रहे थे।तभी अरैल मोड़ के पास जाम हटाने को लेकर कुछ युवकों से विवाद हो गया। उस दौरान हमलावरों ने लोहे की रॉड और लाठी-डंडों से सुदीप मिश्रा पर हमला किया। उन्हें सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। घटना के दौरान मौके से हमलावर भाग निकले।सुदीप निश्रा नैनी के काजीपुर मोहल्ले में रहते है। 20 जून को वह मिर्जापुर ऑफिस के काम से गए हुए थे। वहां से वह बालसन चौराहे पर पहुंचे और कुछ देर के बाद देर शाम स्कूटी से वापस घर नैनी लौट रहे थे। वह अरैल मोड हयात हास्पिटल के पास पहुंचे तो वहां पर जाम लगा हुआ था।उस दौरान उनकी स्कूटी में एक कार चालक ने पीछे से टक्कर मार दी। हालांकि उस समय विवाद होते होते रह गया। तभी बाइक सवार आधा दर्जन युवक पहुंचे और जाम हटाने को लेकर गाली गलौच करने लगे। मना करते ही बाइक पर रहे दो युवकों ने लोहे की रॉड से सिर पर वार करते हुए पीटना शुरू कर दिया। जमीन पर गिरते ही सभी मौके से भाग निकले।सुदीप ने बताया कि उसी जाम में फंसे मेरे दो साथी अंबुज और साहिल की निगाह मुझ पर पड़ी तो वह तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से उपचार कराकर नैनी थाने ले गए। थाने पर तहरीर देने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।पीड़ित सुदीप ने बताया कि हमला करने वाले दो युवकों की पहचान की गई। चौकी प्रभारी ने मौके पर जाकर अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज को भी देखा है। हमलावरों की पहचान होने के बाद भी अभी तक गिरफ्तारी नहीं की गई है। हमलावरों में जगराम निवासी लोकपुर और दूसरा सौरभ पुट रामबाबू निवासी कैलाश चक्की का है।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया गया जिला कारागार का निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा जिला कारागार, रायबरेली का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव द्वारा जिला कारागार की बैरकों, पाकशाला व लीगल ऐड क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। सचिव द्वारा दौरान निरीक्षण बन्दियों से उनका हालचाल जाना गया। इसके अतिरिक्त बैरक में बन्दियों टिकटों की जांच की गयी, जिसमें अधिवक्ता के नाम का उल्लेख होना आवश्यक है। अधिवक्ता की उपलब्धता के संबंध में पूछतांछ की गयी। बंदियों के मुकदमे में जमानत, गवाही व आरोप के संबंध में भी पूछतांछ की गयी तथा बैरकों में प्रथमदृष्टया बीमार बंदियों के स्वास्थ्य के संबंध में उनको जिला कारागार के चिकित्सक द्वारा उचित उपचार देने के संदर्भ में दिशा-निर्देश जारी किये गये तथा जिन बंदियों की जमानत जिला न्यायालय से खारिज हो चुकी है। वे बंदी जो निःशुल्क सुविधा प्राप्त करना चाहते हैं तो उनको माननीय उच्च न्यायालय, विधिक सेवायें उप समिति, लखनऊ के माध्यम से जमानत उच्च न्यायालय में दाखिल करने के लिए भी निर्देशित किया गया। इसी प्रकार नववयस्क बैरक का निरीक्षण किया गया तथा जिन बंदियों की पेशी की तिथि प्राप्त नहीं हो रही थी उनके संबंध में जिला कारागार एवं लीगल एड डिफेन्स काउन्सिंल को उनके मुकदमें की अद्यतन स्थिति से अवगत कराने के लिए भी निर्देश जारी किये गये। निरीक्षण उपरांत बन्दियों के विधिक अधिकार विषय़ पर विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर में जिला कारागार में निरुद्ध बन्दियों की शिक्षा एवं व्यवसाय के प्रशिक्षण के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। जिससे अधिक से अधिक बन्दी लाभान्वित हो सके। दौरान निरीक्षण जेलर हिमांशु रौतेला, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिंल राजकुमार सिंह, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिंल जय सिंह यादव, जेल चिकित्सक डा0 सुनील अग्रवाल, उपकारापाल धर्मपाल सिंह व सुमैया परवीन उपस्थित रही।

मातृभूमि सेवा मिशन ने रायबरेली में योग जनचेतना का बना सशक्त आयोजन,मातृभूमि सेवा मिशन का पांच दिवसीय संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। योग के प्रचार-प्रसार और इसके प्रति समाज में

जागरूकता लाने हेतु मातृभूमि सेवा मिशन इकाई, धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र हरियाणा की अध्यात्म प्रेरित संस्था की रायबरेली इकाई द्वारा बीते तीन वर्षों से शहर के राणा बेनी माधव बख्श सिंह पार्क में निःशुल्क योग प्रशिक्षण शिविर संचालित किया जा रहा है। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में संस्था के संयोजक समाजसेवी प्रदीप पांडेय द्वारा 18 से 22 जून तक पांच दिवसीय योग एवं स्वास्थ्य संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और समाजसेवियों की भागीदारी सराहनीय रही। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि शुभारंभ से समापन तक प्रतिदिन पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और योग एवं स्वास्थ्य के प्रति अपने विचार व्यक्त किए।शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा और विशिष्ट अतिथि अध्यात्म गुरु व कथा वाचक गोविंद भाई उपस्थित रहे। समापन सत्र में मुख्य अतिथि जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंह और विशिष्ट अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट राम औतार मौजूद रहे।मुख्य अतिथि सौम्यशील सिंह ने कहा कि' योग आत्मशक्ति का जागरण है। यह केवल शारीरिक कसरत नहीं, बल्कि मानसिक शांति, अनुशासन और आत्मिक संतुलन की साधना है। समाज में योग के प्रचार से स्वस्थ और संतुलित जीवन को बढ़ावा मिलता है।विशिष्ट अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट रामऔतार ने कहा कि ' योग मानव जीवन की संपूर्ण चिकित्सा है। यह तन, मन और आत्मा तीनों को सशक्त करता है। यदि हर नागरिक योग को अपनाए तो न केवल स्वयं, बल्कि पूरा समाज स्वस्थ और जागरूक बन सकता है।'इस आयोजन को योग साधकों ने अत्यंत प्रेरणादायक बताया। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बड़ी संख्या में नागरिकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर इसे ऐतिहासिक रूप दिया। डीपीआरओ सौम्यशील सिंह ने स्वयं योग करते हुए उपस्थित साधकों को अभ्यास कराया। जिला अध्यक्ष योगाचार्य बृजमोहन और योग प्रशिक्षिका सोनम गुप्ता ने नियमित योगाभ्यास करवाकर सहभागियों को लाभान्वित किया। समापन अवसर पर संयोजक प्रदीप पांडेय की ओर से सभी मुख्य अतिथियों और साधकों को माला पहनाकर, प्रतीक चिन्ह और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में डॉ. चंपा श्रीवास्तव, वरिष्ठ भाजपा नेता रवींद्र कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं पेंशनर्स संगठन अध्यक्ष अनूप मिश्रा, राजेंद्र अवस्थी, इंजीनियर अंकुर गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार केशवानंद शुक्ल, रितेश श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिवक्ता अजय पाल चौहान, योग शिक्षक आर. के., विवेक सिंह, विशेष सिंह समेत बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।मातृभूमि सेवा मिशन परिवार से पूजा मौर्या, मोहिनी, तनु, माया, गीता, लता, सचिन अग्रहरि, संकठा प्रसाद अग्रहरी, कल्लू अग्रहरि, देवता, राम मूर्ति सिंह, अनिका गुप्ता आदि ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह आयोजन योग के सामाजिक, मानसिक और आध्यात्मिक प्रभावों को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में एक प्रेरणास्पद पहल के रूप में दर्ज हो गया है। योग दिवस एवं स्वास्थ्य संवाद कार्यक्रम का संचालन भगवत प्रताप सिंह ने किया।

छात्र वृति योजनाअंतर्गत आनलाईन आवेदन शुरू अलग अलग तारीख पर होगा आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त माध्यमिक एवं उच्चत्तर माध्यमिक के प्रधानाचार्य एवं छात्रवृत्ति नोडल तथा अध्ययनरत् छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अल्पसंख्यक वर्ग,अनुसूचित जनजाति एवं जनजाति,सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग के पूर्वदशम तथा दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत (कक्षा 09-12)के छात्र-छात्राए www.scholarship.up.gov.in पर आनलाईन आवेदन करेंगें तथा उक्त योजनान्तर्गत कक्षाओं में छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के भुगतान हेतु एक ही समय-सारणी का शासनादेश निर्गत किया गया है। अतः निर्गत समय-सारणी के अनुसार शिक्षण संस्थाओं द्वारा मास्टर डाटा में सम्मिलित होने के लिये दिनांक-01.07.2025 से 30.10.2025 तक ऑनलाईन आवेदन किया जाना है तथा अल्पसंख्यक वर्ग, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्र/छात्राओं द्वारा ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन दिनांक-02.07.2025 से 30.10.2025 तक किया जाना है। नियमावली में समस्त हितधारकों द्वारा उपरोक्त समय सारिणी में उल्लिखित व्यवस्थाओं के साथ-साथ निर्धारित समयावधि में निम्नानुसार कार्यवाही की जायेगीः- 1- कक्षा 10 में अध्ययनरत नवीनीकरण के छात्रों हेतु संस्था स्तर से केवल कक्षा 10 में प्रवेश की तिथि तथा कक्षा 09 का परीक्षाफल अंकित करते हुये आवेदन आनलाइन अग्रसारण किया जायेगा। 2- कक्षा 12 में अध्ययनरत नवीनीकरण के छात्रों हेतु संस्था स्तर से केवल कक्षा 12 में प्रवेश की तिथि तथा गत कक्षा 11 का परीक्षाफल अंकित करते हुये आवेदन आनलाइन अग्रसारण किया जायेगा।

यूपी बिहार बार्डर पर बना स्वागत के स्लोगन टूट के बिखरा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

खलियारी (सोनभद्र) यूपी बिहार के बार्डर पर लोक निर्माण विभाग के द्वारा कुछ वर्ष पुर्व में बनवाया गया स्वागत द्वार एक वर्ष बीतते ही स्वागत द्वार के स्लोगन के कुछ शब्द टूट कर बिखर कर मजा किया स्लोगन बन गया है।यूपी बिहार बार्डर पर स्थित मांची थाना क्षेत्र के उजरिया गांव के पास लोक निर्माण विभाग द्वारा लाखों कि लागत से प्रवेश द्वार का निमार्ण कराया गया है प्रवेश द्वार पर स्वागत और धन्यवाद का स्लोगन की लिखावट स्टीत से किया गया था लेकिन प्रवेश द्वार पर लिखा स्लोगन के कई शब्द हवा के छोके से उखड़ गये है जिसके कारण स्वागत और धन्यवाद स्लोगन को लोग पढ़ पढकर मजाक उड़ा रहे। इसपर विभाग के किसी भी अधिकारीयों का ध्यान नहीं पड़ रहा क्षेत्रीय लोगों ने लोक निर्माण विभाग से शिकायत किया गया लेकिन किसी भी अधिकारी ने इसकी जांच करा कर प्रवेश द्वार में लिखे स्वागत और धन्यवाद स्लोगन को शुध्द कराऐ जाने कि कोशिश नहीं किया जिसके वजह से यूपी और बिहार के आने जाने वाले लोगों में यह चर्चा का विषय बना रहता है कि क्या इस बाड़ पर बना स्वागत द्वार पर किसी का ध्यान नहीं पड़ रहा जिससे कि इसको सही करा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री माटीकला ग्रामोद्योग रोजगार योजना के लाभ के लिये करें सम्पर्क

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली।जिला ग्रामोद्योग

अधिकारी संतोष कुमार गौतम ने बताया है कि प्रजापति समाज (मिट्टी का काम करने वाले) की आर्थिक स्थिति सुदृढ करने के लिए राज्य सरकार द्वारा राजस्व विभाग से मिट्टी निकालने हेतु प्राप्त पट्टा धारकों/परम्परागत कारीगरों (कुम्हारों) को आसान किस्तों में बैंकों के माध्यम से ऋण भी उपलब्ध कराया जायेगा। प्लास्टिक और थर्माकोल से बने पात्रो मे खाद्य वस्तुओं का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। तथा पर्यावरण के लिए भी नुकसान दायक है। जिसके लिए उ0प्र0 सरकार भी प्लास्टिक का चलन रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके स्थान पर मिट्टी के बर्तनो को बढ़ावा देने से प्रदूषण में कमी के साथ ही कुम्हारी कला से जुडे परिवारो की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। खादी ग्रामोद्योग विभाग से माटीकला बोर्ड की ओर से शुरू की गयी मुख्यमंत्री माटीकला ग्रामोद्योग रोजगार योजना के तहत विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तन बनाने और बेचने का कार्य करने हेतु मु0 10.00 लाख रुपये तक का ऋण बैंक द्वारा दिलाया जाएगा। इसमें लाभार्थी को 5 प्रतिशत अंशदान स्वयं लगाना होगा तथा प्रोजेक्ट पर 95 प्रतिशत तक की धनराशि ऋण के रूप में बैंकों द्वारा स्वीकृत होगी। जिसमे कार्यशील पूंजी को छोड़कर शेष पूंजीगत ऋण धनराशि पर 25 प्रतिशत तक की धनराशि लाभार्थियों को मार्जिन मनी के रूप में अनुदान स्वरूप प्राप्त होगी। यह धनराशि तीन वर्ष बाद ऋण खाते मे कार्य करने की दशा में समायोजित होगी। इच्छुक अभ्यर्थी महिला/पुरुष अपने निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, फोटो, शैक्षिक योग्यता आदि प्रपत्रों के साथ अपना आवेदन जिला ग्रामोद्योग कार्यालय पुरानी तहसील रायबरेली में कर सकते है। अधिक जानकारी हेतु जिला ग्रामोद्योग अधिकारी के मो0-7408410810 एवं आनंद कुमार के मो0-8318013131 पर सम्पर्क कर सकते है।

प्राथमिक विद्यालय बंद करने का निर्णय से गरीब,मजदूर के बच्चे होंगे शिक्षा से वंचित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी एवं प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ पांडेय के निर्देश पर सोनभद्र के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता के नेतृत्व में छात्र नेताओं ने जिलाधिकारी सोनभद्र को महामहिम राष्ट्रपति के नामित ज्ञापन दिया ,कलेक्ट्रेट पर ज्ञापन अपर जिला अधिकारी रमेश यादव द्वारा लिया गया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 5000 प्राथमिक विद्यालय बंद करने के निर्देश का प्रभाव प्रदेश के गरीब, दलित, किसान ,मजदूर ,असहाय परिवारों के बच्चों पर सीधा पड़ेगा, जहाँ एक ओर इन परिवार के लोगों का जीकोपार्जन इस महंगाई में मुश्किल हुआ है वही चल रहे विद्यालयों के बंद होने का प्रभाव से उनके बच्चे भी शिक्षा से वंचित रह जाएंगे ।

डलमऊ समाधान दिवस में आईं 89शिकायते, 11 का हुआ निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर डलमऊ में तहसील

दिवस का आयोजन हुआ।जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के सामने राजस्व,सड़क, सुरक्षा, स्वास्थ्य, राशन और पेंशन आदि से संबंधित शिकायतें आईं। जिसके निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया की समय से समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए। उनके सामने कुल 89 शिकायतें आई, जिनमें से 11 का तत्काल निस्तारण करा दिया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर यशवीर सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ नवीन चंद्रा, उप जिलाधिकारी अहमद फरीद खान, सीओ डलमऊ अरुण, तहसीलदार उमेश चंद्र सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

व्यक्तित्व एवं कृतिव पर एक संगोष्ठि का आयोजन

सोनभद्र। अखण्ड भारत के प्रणेता जनसंघ के संस्थापक डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पुण्यतिथि को बलिदान दिवस

के रूप में मनाया। तथा भाजपा जिला कार्यालय पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतिव पर एक संगोष्ठि का आयोजन किया गया। संगोष्ठि में बतौर मुख्यअतिथि भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह जी मौजूद रही। मुख्यअतिथि दर्शना सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल , जिला प्रभारी अनिल सिंह, राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड़, विधायक भूपेश चौबे, पूर्व सांसद रामशकल व नरेन्द्र कुशवाहा ने डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धान्जलि अर्पित की। तथा उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने पं0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए श्रद्धासुमन अर्पित की। संगोष्ठि की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल संचालन जिला महामंत्री कृष्णमुरारी गुप्ता ने किया। संगोष्ठि को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक बहुआयामी व्यक्तित्व के स्वामी ही नहीं, एक महान शिक्षाविद्, देशभक्त, राजनेता, सांसद, अदम्य साहस के धनी और सहृदय और मानवतावादी थे। भारत के राष्ट्रवादी महापुरूष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों में संपूर्ण भारत दिखता था। वे सम्पूर्ण भारत को एक रूप मानते थे। डॉ. मुखर्जी इस धारणा के प्रबल समर्थक थे कि सांस्कृतिक दृष्टि से हम सब एक हैं। इसलिए धर्म के आधार पर वे विभाजन के कट्टर विरोधी थे। वे मानते थे कि विभाजन संबंधी उत्पन्न हुई परिस्थिति ऐतिहासिक और सामाजिक कारणों से थी। वे मानते थे कि आधारभूत सत्य यह है कि हम सब एक हैं। हममें कोई अंतर नहीं है। हम सब एक ही रक्त के हैं। एक ही भाषा, एक ही संस्कृति और एक ही हमारी विरासत है। परन्तु उनके इन विचारों को अन्य राजनैतिक दल के तत्कालीन नेताओं ने अन्यथा रूप से प्रचारित-प्रसारित किया। इसके बावजूद लोगों के दिलों में उनके प्रति अथाह प्यार और समर्थन बढ़ता गया। संगोष्ठि को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने अल्प आयु में ही बहुत बड़ी राजनैतिक ऊँचाइयों को पा लिया था। भविष्य का भारत उनकी ओर एक आशा भरी दृष्टि से देख रहा था। उस समय लोग यह अनुभव कर रहे थे कि भारत एक संकटपूर्ण स्थिति से गुजर रहा है। उन्होंने अपनी दृढ़ संकल्पशक्ति के साथ भारत के विभाजन की पूर्व स्थितियों का डटकर सामना किया। देशभर में विप्लव, दंगा-फंसाद, साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए भाषाई, दलीय आधार पर बलवे की घटनाओं से पूरा देश आक्रान्त था। उधर इन विषम परिस्थितियों में भी डटकर, सीना तानकर 'एकला चलो' के सिद्धान्त का पालन करते हुए डॉ मुखर्जी अखण्ड राष्ट्रवाद का पावन नारा लेकर महासमर में संघर्ष करते रहे। अगस्त, 1946 में मुस्लिम लीग ने जंग की राह पकड़ ली और कलकत्ता में भयंकर बर्बरतापूर्वक अमानवीय मारकाट की गई। उस समय कांग्रेस का नेतृत्ववृंद सामूहिक रूप से आतंकित था। मुस्लिम लीग की हर मांग को पूरा कर उससे छुटकारा पाना चाहता था। लोग आशंकित और भयभीत थे। किन्तु डॉ श्यामाप्रसाद उस माहौल में चट्टान की तरह अडिग डटे रहे। वे अकेले एक मात्र ऐसे नेता थे, जिन्होंने अपने पुरूषार्थ से देश हित की वाणी को मुखर किया, और मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति का विरोध किया। संगोष्ठि को संबोधित करते हुए समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड ने कहा कि जनसंघ की स्थापना ब्रिटिश सरकार की भारत विभाजन की गुप्त योजना और षडयंत्र को एक दल विशेष के नेताओं ने अखण्ड भारत संबंधी अपने वादों को ताक पर रखकर विभाजन स्वीकार कर लिया। तब डॉ मुखर्जी ने बंगाल और पंजाब के विभाजन की मांग उठाकर प्रस्तावित पाकिस्तान का विभाजन कराया और आधा बंगाल और आधा पंजाब खंडित भारत के लिए बचा लिया। गांधी जी और सरदार पटेल के अनुरोध पर वे खंडित भारत के पहले मंत्रिमण्डल में शामिल हुए, और उन्हें उद्योग जैसे महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई। संविधान सभा और प्रांतीय संसद के सदस्य और केंद्रीय मंत्री के नाते उन्होंने शीघ्र ही अपना विशिष्ट स्थान बना लिया। किन्तु उनके राष्ट्रवादी चिंतन के साथ-साथ अन्य नेताओं से मतभेद बने रहे। उन्होंने राष्ट्रीय हितों की प्रतिबद्धता को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानने के कारण उन्होंने मंत्रिमण्डल से त्यागपत्र दे दिया। संगोष्ठि को संबोधित करते हुए सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि डॉ मुखर्जी नेता प्रतिपक्ष के सदस्य के रूप में अपनी भूमिका निर्वहन को चुनौती के रूप में स्वीकार किया, और शीघ्र ही अन्य राष्ट्रवादी दलों और तत्वों को मिलाकर एक नई पार्टी बनाई जो कि विरोधी पक्ष में सबसे बडा दल था। उन्हें पं. जवाहरलाल नेहरू का सशक्त विकल्प माने जाने लगा। अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ का उद्भव हुआ। जिसके संस्थापक अध्यक्ष, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी रहे। संसद में उन्होंने सदैव राष्ट्रीय एकता की स्थापना को प्रथम लक्ष्य रखा। संसद में दिए अपने भाषण में उन्होंने पुरजोर शब्दों में कहा था कि राष्ट्रीय एकता की शिला पर ही भविष्य की नींव रखी जा सकती है। देश के राष्ट्रीय जीवन में इन तत्वों को स्थान देकर ही एकता स्थापित करनी चाहिए। संगोष्ठि की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने कहा कि श्यामाप्रसाद मुखर्जी अपने 52 वर्ष के जीवनकाल में और उसमें से भी 14 वर्ष के राजनीतिक जीवनकाल में वे स्वतंत्र भारत के प्रथम सरकार में कैबिनेट मंत्री के पद पर पहुंचे। ज्ञातव्य है कि इस मंत्रीमण्डल में उन्हीं लोगों को लिया गया, जिन्होंने आजादी दिलवाने में प्रमुख भूमिका निभाई और उस समय देश को बचाने के लिये विचार और भावनाओं में जिनके साथ पूरा देश खड़ा था। ऐसे लोगों को प्रमुख जिम्मेदारियां दी गई। डॉ. मुखर्जी के देशभक्ति पूर्ण विचारों से सहमत होकर उन्हें देश के प्रथम राजनीतिक नायकों की श्रृखंला में शामिल किया, लेकिन बाद में पाकिस्तान में हुए हिन्दुओं के नरसंहार के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नेहरू से मतभेद हो गये और उन्होंने केन्द्रीय मंत्रीमण्डल से अपना त्याग पत्र सौंपकर हिन्दूहितों की रक्षार्थ सम्पूर्ण सुख सुविधाओं का परित्याग कर और इस बीड़ा को पूरा करने में पूरे प्राण-पण से जुट गये।

जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा-06 में प्रवेश हेतु करें आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। जवाहर नवोदय विद्यालय रायबरेली के प्रभारी-प्राचार्य एन.डी. रस्तोगी ने बताया है कि जवाहर नवोदय विद्यालय रायबरेली में सत्र 2026-27 में कक्षा-06 में प्रवेश हेतु आनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2025 निर्धारित है। उन्होंने बताया कि केवल वही अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में प्रतिभाग कर पायेंगे जो ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करेंगे। अधिक जानकारी हेतु नवोदय विद्यालय समिति की अधिकारिक वेबसाइट डाउनलोड का अवलोकन कर सकते है। आवेदन की जानकारी हेतु इन नम्बरों 8318660476, 9653059158, 9415524308 पर भी संपर्क कर सकते है।

भूमि की सार्वजनिक नीलामी 04 व 07 जुलाई को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/

उपजिलाधिकारी सदर रायबरेली प्रफुल्ल कुमार शर्मा ने सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय देय के बकायेदार मिथलेश कुमारी सिंह पत्नी गणेश सिंह निवासी ग्राम शिवलहा मजरे कृष्णपुर ताला परगना व तहसील सदर जिला रायबरेली की भूमि की सार्वजनिक नीलामी 04 जुलाई 2025 को एवं गणेश सिंह पुत्र छत्रपाल सिंह निवासी कल्यानपुर रैली परगना व तहसील सदर जिला रायबरेली की भूमि की सार्वजनिक नीलामी 07 जुलाई 2025 समय प्रातः 10:00 बजे तहसील परिसर स्थित नायब तहसीलदार पश्चिमी/नीलाम अधिकारी कक्ष में प्रस्तावित है। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय, स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में प्रतिभाग कर सकते है। नीलामी सम्बन्धी शर्तें संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ओ लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए 14 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी

ने बताया है कि पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए 'ओ' लेबल एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना ऑनलाइन संचालित है। निदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में उक्त योजना के संचालन हेतु समय सारणी प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया है कि योजनान्तर्गत भारत सरकार की अधिकृत संस्था 'नीलिट' से मान्यता प्राप्त एवं निदेशालय द्वारा चयनित 'ओ' लेवल/सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान कराने वाली संस्थाओ के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों जिनके माता-पिता/अभिभावक की वार्षिक आय रू0 1.00 लाख तक है, द्वारा पिछ्ड़ा वर्ग कल्याण विभाग,उत्तर प्रदेश, की बेवसाइट backwardwelfareup.gov.in पर दिये गये लिंक एवं obecomputertraining.upsdc.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन 14 जुलाई, 2025 तक किया जा सकता है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए अभ्यार्थी की न्यूनतम शैक्षिक अर्हता इण्टरमीडिएट निर्धारित है। प्रशिक्षणार्थी की आयु 35 वर्ष से अधिक न हो तथा वह किसी शिक्षण संस्थान से छात्रवृत्ति न प्राप्त कर रहा हो। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन के उपरान्त आवेदन की प्रति का प्रिंट आउट प्राप्त कर समस्त अभिलेखों / विवरणों को संलग्न करते हुए उसकी हार्डकापी 02 प्रतियो में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, विकास भवन रायबरेली के कार्यालय में दिनांक 14 जुलाई, 2025 के सायं 05:00 बजे तक उपलब्ध कराये जाने पर ही आवेदन मान्य किया जायेगा। तत्पश्चात जनपद स्तरीय चयन समिति द्वारा चयन की कार्यवाही की जायेगी। विस्तृत दिशा-निर्देश/ समय-सारणी उक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है।

जिलाधिकारी के आदेश पर मात्र चार घंटे में मिला पट्टा आवंटन प्रमाण पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। डलमऊ में आयोजित

संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने तहसील दिवस में आई दो महिला फरियादियो की समस्या को सुनकर मात्र चार घंटे में उनको आवासीय पट्टे का आवंटन उपजिलाधिकारी फरीद अहमद खान से करवाया।वृद्ध महिला रामकली पत्नी स्व. चौबेलाल निवासी थुलरई व निराश्रित महिला मंजू पत्नी कमलेश निवासी नरेंद्रपुर ,आज के दिन दोनों बेसहारा निराश्रित महिला समाधान दिवस में जिलाधिकारी के सामने अपनी समस्या लेकर आईं। फरियादियों की समस्या को सुनकर जिलाधिकारी के आदेश के बाद मात्र चार घंटे में पट्टा आवंटन प्रमाणपत्र उपजिलाधिकारी व तहसीलदार ने दिया।आवासीय पट्टा प्राप्त होने के बाद दोनों निराश्रित महिलाओं ने जिलाधिकारी के शतायु होने की कामना की।

संस्था द्वारा स्कूली बच्चों में किया गया वस्त्र कॉपी पेंसिल व मिष्ठान का वितरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र/रेणुकूट। स्थानिय क्षेत्र में कार्य कर रही परोपकार सेवा समर्पण समिति रेणुकूट सोनभद्र द्वारा कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट ट्रेनिंग के अंतर्गत लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब से आए हुए छात्र शाद्वल यादव ने परोपकार सेवा समर्पण समिति के सदस्यों के साथ सोनभद्र के आदिवासी बाहुल्य ग्राम सभा कटौंधी के लोगों से मिलकर यथासंभव सहायता का आश्वासन दिया तथा लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। परोपकार सेवा समर्पण समिति द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक कार्यों में से मुख्य कार्य सोनभद्र के प्रत्येक ग्राम सभा के आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को पठन-पाठन का सामग्री वितरित करने की कड़ी में ग्राम सभा कटौंधी के बच्चों को प्राथमिक विद्यालय बिच्छी दण्डी स्कूल पर बुलाकर शिक्षा के प्रति जागरूक किया तथा नियमित स्कूल आने हेतु प्रेरित करने के लिए बच्चों को टी-शर्ट, कॉपी, पेंसिल, समोसा, चॉकलेट, बिस्कुट तथा गिफ्ट आइटम वितरित किया। इस कार्यक्रम में श्री हेमंत लोढ़ा जी द्वारा बच्चों के मनोबल बढ़ाने हेतु कई कार्यक्रम करवा कर उनको पुरस्कृत किया गया इस कार्यक्रम में परोपकार सेवा समर्पण समिति के संस्थापक अध्यक्ष राजकुमार यादव के साथ सचिव महेंद्रनाथ आर्य संरक्षक कल्पना शुक्ला , आनंद शुक्ला, सत्यनारायण अनूप चौबे, ममता, श्रद्धा ,कीर्ति, युक्ता ,धनपति ,अदिति, सृष्टि, आदि सदस्यों के साथ पूर्व ग्राम प्रधान लक्ष्मण प्रसाद जी उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की हुई हत्या परिजनों का आरोप
विजयगढ़ किले का मामला खून से लथपथ मिला अधेड़ का शव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र के विजयगढ़ किले पर रविवार की सुबह मजार के समीप 55 वर्षीय अधेड़ का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप परिजनों ने एप्लीकेशन देकर जताई हत्या की आशंका मौके पर फारी पुलिस फॉर्स मौजूद एक युवक को गिरफ्तार कर जांच में जुटी पुलिस।जानकारी के अनुसार विजयगढ़ किले पर 55 वर्षीय इब्राहीम के शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया वहीं मौके पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से की पूछताछ एक युवक को किया गिरफ्तार। बता दें कि मजार पर रहते हुए झाड़ पुक करते का मामला इब्राहीम की कही हत्या की वजह तो नहीं।वही परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, पुलिस जांच में जुटी।क्षेत्राधिकार सदर रणधीर मिश्रा ने बताया कि परिजनों ने हत्या किया शंका जताई है जिस पर पुलिस चार्ज प्रदान कर रही है वहीं झाड़ के चलते कुछ विवाद सामने आया था जिस पर एक युवक को गिरफ्तार कर मामले में जांच पड़ताल पूछताछ की जा रही है पीएम रिपोर्ट आने के बाद मामले का खुलासा हो जाएगा संबंधित थाना प्रभारी को मामले में मामला पंजीकृत करते हुए अग्रिम कार्रवाई करने के लिए दिशा निर्देशित किया गया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

पार्टी कार्यालय के उद्घाटन के बाद केन्द्रीय मंत्री जयंत सिंह ने सुनी जनसमस्याएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। केन्द्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह के उद्घाटन करने पहुंचे जहां पहले से उपस्थित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पुनः मंत्री का स्वागत किया और माननीय मंत्री ने पार्टी प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित कराने की मांग किया। पार्टी कार्यालय पर माननीय मंत्री ने रालोद कार्यकर्ताओं एवं किसानों

प्रथम सोनभद्र आगमन पर सोमवार को राष्ट्रीय लोक दल सोनभद्र के जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सोनभद्र की सीमा में जगह-जगह कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर किया अपने नेता का स्वागत। बता दें कि भारत सरकार में कौशल विकास और उद्यमिता एवं शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री चौधरी जयंत सिंह का दो दिवसीय भ्रमण एवं विभागीय समीक्षा का कार्यक्रम सोनभद्र में निर्धारित होने के बाद से ही रालोद जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में अपने नेता के स्वागत की तैयारी को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा था। सोमवार को शाम जैसे ही मंत्री चौधरी जयंत सिंह का काफिला सोनभद्र पहुंचा हिदूआरी तिराहे पर कार्यकर्ताओं ने फूलमाला से उनका भव्य स्वागत किया उसके बाद माननीय मंत्री का काफिला सीधा नगर पालिका परिषद रावट्र्सगंज में स्थित सिंचाई डाक बंगले में स्थापित भारत रत्न चौधरी चरणसिंह की प्रतिमा के पास रुका। जहां मंत्री ने अपने दादा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा को माल्यार्पण एवं नमन किया। सिंचाई डाक बंगले से माननीय मंत्री सीधे राष्ट्रीय लोक दल सोनभद्र के नव श्रृजित जिला कार्यालय का कार्यालय का फीता काट कर कार्यालय का उद्घाटन करते हुए उपस्थित कार्यकर्ताओं से जनपद में विकास का हाल जाना। माननीय मंत्री के आगमन को लेकर उत्साहित कार्यकताओं ने लोकदल जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में मंत्री को ज्ञापन सौंपा और जनपद की समस्याओं से अवगत कराते हुए ज्ञापन के माध्यम से किसानों के हित में जसौली सिंचाई परियोजना को मंजूरी दिलाते हुए कार्य शुरू कराने की मांग की और जनपद की जर्जर हो चुकी नहरों के मरम्मत का मुद्दा भी उठाया। ज्ञापन के माध्यम से जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी जिला मुख्यालय पर राजकीय महाविद्यालय नहीं होने की बात बताकर जिला मुख्यालय पर राजकीय महाविद्यालय की मांग करते हुए जनपद में दर्जनों कल कारखाने स्थापित होने के बाद भी स्थानीय युवाओं को कंपनियों में रोजगार नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए मंत्री जयंत सिंह से जनपद के युवाओं को स्थानीय कंपनियों में रोजगार की सहभागिता सुनिश्चित कराने की मांग किया।पूर्वांचल नव निर्माण मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरीश पाण्डेय ने भी मंत्री चौधरी जयंत सिंह को गुलदस्ता देकर स्वागत करते हुए सोनभद्र में आईटीआई कालेज एवं कौशल को संबोधित करते हुए भरोसा दिलाया कि जनपद सोनभद्र की जनसमस्याओं को दिल्ली में उठाने का काम किया जाता रहेगा। कहा राष्ट्रीय लोक दल किसानों एवं कामगारों की पार्टी है। पार्टी कार्यालय पर पत्रकार वार्ता करते हुए मंत्री का काफिला सर्किट हाउस लोढ़ी के लिए रवाना हो गया जहां रात्रि विश्राम करते हुए 24 जून को जिला प्रशासन के साथ विभागीय समीक्षा एवं कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान माननीय मंत्री जी के साथ लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे, प्रदेश अध्यक्ष लोकदल रामाशीष राय, प्रदेश अध्यक्ष युवा रविन्द्र सिंह पटेल, व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल के अलावा सोनभद्र से पूर्वांचल नव निर्माण मंच के राष्ट्रीय महासचिव सुर्य प्रकाश चौबे, युवा लोक दल के प्रदेश सचिव विवेक चतुर्वेदी, सुमित मिश्रा, राष्ट्रीय लोक दल महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शांति वर्मा, विकास पाण्डेय, पवन शुक्ला ,अनिल प्रताप सिंह, प्रशांत विष्णु प्रताप सिंह , सूरज चौबे , सचिन गुप्ता रामसेवक सिंह पटेल ,भोला बाबा ओमप्रकाश भारती , डॉ विजय पटेल , , विरेन्द्र मिश्रा, सुशील पटेल, शुभम् तिवारी, शिवम् त्रिपाठी सहित सैकड़ों की संख्या में राष्ट्रीय लोक दल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा किसान उपस्थित थे

संगठन के रीढ़ हैं योग साधक/कार्यकर्ता उनका सम्मान जरूरीः बृजमोहन

रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में योग साधकों को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। पतंजलि योग पीठ हरिद्वार के स्वामी बाबा रामदेव जी व आचार्य बालकृष्ण जी के दिशा निर्देशन पर जनपद सोनभद्र में 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बहुत ही भव्य व दिव्य रूप से मनाया गया। योग साधकों/कार्यकर्ताओं के उत्साहवर्धन के लिए पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी व भारत स्वाभिमान जिला महामंत्री सुनील कुमार चौबे तथा मुख्यालय के सभी कुशल मार्गदर्शक, संयोजक , संरक्षकों के कुशल नेतृत्व में योग साधक/कार्यकर्ता सम्मान समारोह रविवार को सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में रखा गया। मुख्य अतिथि युवा भारत राज्य प्रभारी भ्राता बृजमोहन ने कहा कि कार्यकर्ता किसी भी संगठन की रीढ़ होते हैं, इसलिए कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाना निहायत जरूरी है । इसके लिए समय-समय पर कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह का आयोजन होना चाहिए। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी से आए विशिष्ट अतिथि अवधेश योगी ने कहा कि निरोग रहने के लिए योग जरूरी है। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से प्रारंभ हुई, दीप प्रज्वलन में मुख्य अतिथि

व विशिष्ट अतिथि के साथ कुशल मार्गदर्शक रमेश राम पाठक,नगर संयोजक दिनेश लाल श्रीवास्तव, विमला इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य शिव नारायण लाल श्रीवास्तव, तहसील प्रभारी दिलीप कुमार सिंह, प्रमुख योग शिक्षक ओम प्रकाश यादव, सुनील कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ योग साधक चन्द्र बहादुर सिंह,सोशल मीडिया राज्य प्रभारी बहन पल्लवी जी,गोपाल दास केसरी ,हरिप्रसाद यादव, बलदाऊ श्रीवास्तव ,विमल कुमार सिंह ,पन्नालाल सोनी, भारत स्वाभिमान कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह, पतंजलि योग समिति जिला महामंत्री ,विनोद कुमार शर्मा, हेमंत कुमार, उमेश तिवारी, अनिल शर्मा मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने वरिष्ठ पत्रकार राजेश कुमार पाठक को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा पतंजलि योग परिवार सोनभद्र के सभी तहसीलों से आए पदाधिकारीयों तथा प्रत्येक योग कक्षाओं से नियमित योग साधकों का सम्मान किया गया।कार्यक्रम में पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी, किसान सेवा समिति जिला प्रभारी अरुण कुमार यादव , युवा भारत जिला प्रभारी मयंक दुबे , दुद्धी तहसील से सीताराम मौर्य, बलराम मौर्य, मिथिलेश कुमार ,गुप्तेश्वर, सावित्री बहन, पूर्णिमा, रितु, नागेंद्र नाथ चौबे , वरिष्ठ अधिवक्ता देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव, रामसेवक पांडेय , हरिनारायण मिश्रा,लक्ष्मी नारायण पांडेय , अभियोजन अधिकारी शशांक शेखर कात्यायन,धनंजय कुमार मिश्रा, अखिलेश कुमार सिंह, सुरेंद्र कुमार जायसवाल, दयानंद मौर्य, सावित्री बहन, रूप नारायण सिंह, राजू प्रसाद सोनी, प्रेम प्रकाश शुक्ला समेत काफी संख्या में योग साधकों का अंगवस्त्र देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम कुशल संचालन सुनील कुमार श्रीवास्तव तथा पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी अरुण कुमार यादव द्वारा किया गया। पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी त्रिपाठी ने कहा कि कार्यक्रम बीच-बीच में होते रहने से कार्यकर्ताओं का उत्साह बना रहता है।

गुप्तकाशी विकास परिषद ने कॉलेज परिसर में किए पौधरोपण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। पूज्य मिथिलेशनंदिनीशरण महाराज के जन्मदिवस पर गुप्तकाशी विकास परिषद ने विंध्य लॉ कॉलेज के प्रांगण में किया वृक्षारोपण संपन्न करते हुए। गुप्तकाशी विकास परिषद संरक्षक मंडल के सदस्य राष्ट्रीय साहित्यकार पारस नाथ मिश्र ने कहा कि संपूर्ण शास्त्र विशारद,अखंड ज्ञान एवं परम भक्ति युक्त गाम्भीर्य,सुवीर्य,माधुर्य,धैर्य तथा सौशिल्य एवं पराक्रम के प्राणवान विग्रह जिनकी वाणी में निरंतर वीणापाणी का निवास है ऐसे मनीषातनय भगवत स्वरूप परम पूज्य आचार्य मिथिलेशनंदनी शरण महाराज के प्राकटय दिवस पर सुरतरू तुल्य वृक्षों का रोपण इस विश्वास के साथ करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि ये वृक्ष और इनसे उत्पन्न मधुर फल पर्यावरणीय प्रदूषण के शमन के साथ ही लोकमंगल सहित विराट मानवता का कल्याण स्वामी जी की भाँति ही करते रहेंगे। गुप्तकाशी विकास परिषद के अध्यक्ष पंडित आलोक कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि पूज्य आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण महराज सहज भाव के विचारक हैं।आज जब उनका मान संपूर्ण विश्व में है, तब भी उनको कोई अभिमान,अहंकार नहीं है हर हाल में उसकी वाणी मधुर, व्यवहार संयमशील और चरित्र प्रभावशाली है। संत शब्द का अर्थ पूज्य गुरु जी में स्पष्ट दिखता है,उनका सभी के प्रति निरपेक्ष और समान भाव रहता है, उनकी नजर में हर व्यक्ति में भगवान वास करते है. उन्होंने अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया है। पूज्य गुरुदेव भगवान को सभी वेद, शास्त्र,पुराण,नितिया,उपनिषद आदि ऐसे कंठस्थ हैं जैसे मानो उनकी जिहवा पर साक्षात मां सरस्वती विराजमान हों। परिषद के संरक्षक मंडल सदस्य,भोजपुरी राष्ट्रीय कवि जगदीश पंथी ने कहा कि यह शुभ दिन हमें जीवन भर आनंदित करता रहे और पूज्य महाराज का स्नेह अनवरत बना रहे।परिषद के संरक्षक मंडल सदस्य बृजेश कुमार शुक्ला ने स्वस्ति वाचन करते हुए तीनों भुवनो के सभी इष्ट देवी देवताओं से यह कामना किया कि पूज्यपाद गुरु जी के संपूर्ण जीवन में सुख शांति और समृद्धि यश कीर्ति प्रदान करते रहें. परिषद की संरक्षक मंडल सदस्या,विंध्य लॉ कॉलेज की प्रबंधिका डॉ अंजली विक्रम सिंह ने कहा कि यह सोनभद्र का सौभाग्य रहा है कि पूज्य महाराज का आगमन सोन धरा पर दो-दो बार हो चुका है और यहां के गांव ग्रामीण परिवेश पर ध्यान आकृष्ट करते हुए आम जनमानस के बीच में मार्गदर्शन दिया है. आज हम सब धन्य है कि पूज्य महाराज जी का जन्मदिवस मना रहे हैं परिषद के संरक्षक सदस्य अरुणेश कुमार पांडे, डॉ अजय कुमार सिंह ने कहा कि यह वृक्ष पूज्य गुरुदेव के स्मृति में लगाए गए हैं जो आने वाली हमारी पीढ़ी के थाती के रूप में सुरक्षित और संरक्षित रहेंगे। परिषद के संरक्षक सदस्य अशोक कुमार तिवारी, साहित्यकार अरुण कुमार तिवारी ने कहा कि संपूर्ण चराचर जगत अपने आप को अत्यधिक धन्य धन्य समझता है क्योंकि आज पूज्य महाराज जैसा सभी दैवी गुणो से संपन्न भगवत कृपा रूपी प्रभु स्वयं विराजमान है।परिषद के वरिष्ठ

सचिव व सोनभद्र बार एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष सुरेश पाठक ने कहा कि हम आने वाले समय में पूज्य गुरुदेव के संरक्षण में संपूर्ण जनपद में प्रकृति युक्त संस्कृति के संरक्षण हेतु कार्य करने वाले हैं। परिषद के सचिव व ओबरा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अध्यक्ष कुंवर चतुर्वेदी ने कहा कि हम युवा पीढ़ी अपने आप अत्यधिक सौभाग्यशाली समझते हैं क्योंकि आज हम सब का नेतृत्व करने के लिए पूज्य मिथिलेशनंदनी शरण महाराज जैसा भगवत कृपा रूपी साक्षात प्रभु स्वयं है।कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार पारसनाथ मिश्र, राष्ट्रीय भोजपुरी कवि जगदीश पंथी, विंध्य लॉ कॉलेज के प्रबंधक डाद अजय सिंह,डाद अंजली विक्रम सिंह, गुप्त काशी विकास परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार चतुर्वेदी, संस्कृत के प्रकांड विद्वान बृजेश कुमार शुक्ला, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संपर्क प्रमुख अरुणेश पांडे, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व संगठन मंत्री अशोक तिवारी,ओबरा स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अध्यक्ष कुंवर चतुर्वेदी, वरिष्ठ कवि अरुण कुमार तिवारी, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री धर्मेश पांडे, सोनभद्र वार एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष सुरेश पाठक, विंध्य लॉ कॉलेज के प्रवक्ता डादआनंद श्रीवास्तव, डादमनीष कुमार यादव,प्रेमनाथ मिश्र,ओम प्रकाश,विनोद चौरसिया, राम मूरत उपस्थित रहे।

ताजियादार एसोसिएशन अहले सुन्नत वल जमात की बैठक संपन्न

सोनभद्र। ताजियादार एसोसिएशन अहले सुन्नत वल जमात की एक आवश्यक बैठक 22 जून दिन रविवार को 1 बजे दिन रिजवी कटरा मेन रोड रावटसगंज सोनभद्र में आगामी मोहर्रम पर्व को परम्परागत तरीके से सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए संपन्न की गई। इस बैठक की सदारत ताजियादार एसोसिएशन अहले सुन्नत वल जमात के सदर रोशन खान की सदारत में हुई। बैठक का मुख्य एजेंडा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मोहर्रम के पर्व को परंपरागत तरीके से मनाए जाने के लिए मोहर्रम के चांद की 6 तारीख को टैक्सी स्टैंड से निकलने वाला अली असगर का झूला, चांद की 7 तारीख को कर्बला से मिट्टी लाने का कार्यक्रम, चांद की 8 तारीख को रिजवी कटरा से निकलने वाला दुलदुल जुलूस तथा चांद की 9 तारीख को सभी इमाम चौकों पर परंपरागत तरीके से ताजिया बैठने व आशुरा के दिन ताजिया भ्रमण कर दफनाने के कार्यक्रम पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से यह तय हुआ कि सरकार की गाइड लाइन के अनुसार इस वर्ष भी मोहर्रम का पर्व परम्परागत तरीके से मनाया जाएगा। सभी ताजियादारों ने सर्व सम्मति से प्रशासन व खासकर पुलिस प्रशासन से मांग की कि इस बार मोहर्रम के त्यौहार के मद्देनजर सभी धार्मिक स्थलों की कड़ी निगरानी कराई जाए ताकि कोई भी असामाजिक तत्व मोहर्रम के त्यौहार में किसी भी प्रकार का ख़लल न पैदा कर सके। इस बैठक में नायब सदर अशरफ अली, सेक्रेटरी एम ए सिद्दीकी एड0, हिदायत उल्ला खान, कलाम, मो0 फिरोज, शेरू खां, अब्बास रिजवी, कलीम, मो0 जाफर हुसैन, आशिफ, बब्लू, वारिस खां, मुश्ताक शाह, राजू खां, जाफर शाह, मो अकील, इसहाक, मुन्ना खलीफा, मोबिन खलीफा, एकबाल बेग, दानिश, अखलाक अहमद आदि ताजियादार, ढोल व अखाड़ा कमेटी के लोग भी उपस्थित रहे।

'पूज्य मिथिलेशनंदिनीशरण जी महाराज के जन्मदिवस पर गुप्तकाशी विकास परिषद ने विंध्य लॉ कॉलेज के प्रांगण में किया वृक्षारोपण'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। पूज्य मिथिलेशनंदिनीशरण जी महाराज के जन्मदिवस पर गुप्तकाशी विकास परिषद ने विंध्य लॉ कॉलेज के प्रांगण में किया वृक्षारोपण संपन्न करते हुए। गुप्तकाशी विकास परिषद संरक्षक मंडल के सदस्य राष्ट्रीय साहित्यकार पारस नाथ मिश्र ने कहा कि संपूर्ण शास्त्र विशारद,अखंड ज्ञान एवं परम भक्ति युक्त गाम्भीर्य,सुवीर्य,माधुर्य,धैर्य तथा सौशिल्य एवं पराक्रम के प्राणवान विग्रह जिनकी वाणी में निरंतर वीणापाणी का निवास है ऐसे मनीषातनय भगवत स्वरूप परम पूज्य आचार्य श्री मिथिलेशनंदनी शरण जी महाराज के प्राकटय दिवस पर सुरतरू तुल्य वृक्षों का रोपण इस विश्वास के साथ करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि ये वृक्ष और इनसे उत्पन्न मधुर फल पर्यावरणीय प्रदूषण के शमन के साथ ही लोकमंगल सहित विराट मानवता का कल्याण स्वामी जी की भाँति ही करते रहेंगे। गुप्तकाशी विकास परिषद के अध्यक्ष पंडित आलोक कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि पूज्य आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण जी महराज सहज भाव के विचारक हैं।आज जब उनका मान संपूर्ण विश्व में है, तब भी उनको कोई अभिमान,अहंकार नहीं है हर हाल में उसकी वाणी मधुर, व्यवहार संयमशील और चरित्र प्रभावशाली है। संत शब्द का अर्थ पूज्य गुरु जी में स्पष्ट दिखता है,उनका सभी के प्रति निरपेक्ष और समान भाव रहता है, उनकी नजर में हर व्यक्ति में भगवान वास करते है. उन्होंने अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया है। पूज्य गुरुदेव भगवान को सभी वेद, शास्त्र,पुराण,नितिया,उपनिषद आदि ऐसे कंठस्थ हैं जैसे मानो उनकी जिहवा पर साक्षात मां सरस्वती विराजमान हों। परिषद के संरक्षक मंडल सदस्य,भोजपुरी राष्ट्रीय कवि जगदीश पंथी ने कहा कि यह शुभ दिन हमें जीवन भर आनंदित करता रहे और पूज्य महाराज जी का स्नेह अनवरत बना रहे। परिषद के संरक्षक मंडल सदस्य बृजेश कुमार शुक्ला ने स्वस्ति वाचन करते हुए तीनों भुवनो के सभी इष्ट देवी देवताओं से यह कामना किया कि पूज्यपाद गुरु जी के संपूर्ण जीवन में सुख शांति और समृद्धि यश कीर्ति प्रदान करते रहें. परिषद की संरक्षक मंडल सदस्या,विंध्य लॉ कॉलेज की प्रबंधिका श्रीमती डॉ अंजली विक्रम सिंह ने कहा कि यह सोनभद्र का सौभाग्य रहा है कि पूज्य महाराज जी का आगमन सोन धरा पर दो-दो बार हो चुका है और यहां के गांव ग्रामीण परिवेश पर ध्यान आकृष्ट करते हुए आम जनमानस के बीच में मार्गदर्शन दिया है. आज हम सब धन्य है कि पूज्य महाराज जी का जन्मदिवस मना रहे हैं परिषद के संरक्षक सदस्य अरुणेश कुमार पांडे, डॉ अजय कुमार सिंह ने कहा कि यह वृक्ष पूज्य गुरुदेव के स्मृति में लगाए गए हैं जो आने वाली हमारी पीढ़ी के थाती के रूप में सुरक्षित और संरक्षित रहेंगे। परिषद के संरक्षक सदस्य अशोक कुमार तिवारी, साहित्यकार अरुण कुमार तिवारी ने कहा कि संपूर्ण चराचर जगत अपने आप को अत्यधिक धन्य धन्य समझता है क्योंकि आज पूज्य महाराज जी जैसा सभी दैवी गुणो से संपन्न भगवत कृपा रूपी प्रभु स्वयं विराजमान है।परिषद के वरिष्ठ सचिव व सोनभद्र बार एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष सुरेश पाठक ने कहा कि हम आने वाले समय में पूज्य गुरुदेव के संरक्षण में संपूर्ण जनपद में प्रकृति युक्त संस्कृति के संरक्षण हेतु कार्य करने वाले हैं। परिषद के सचिव व ओबरा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अध्यक्ष कुंवर चतुर्वेदी ने कहा कि हम युवा पीढ़ी अपने आप अत्यधिक सौभाग्यशाली समझते हैं क्योंकि आज हम सब का नेतृत्व करने के लिए पूज्य मिथिलेशनंदनी शरण जी महाराज जैसा भगवत कृपा रूपी साक्षात प्रभु स्वयं है।

नगर के नाली निर्माण में हुई लापरवाही से हो रहा जल जमाव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र । उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र का प्रतिनिधिमंडल नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद से मिलकर नगर में हो रहे नाली निर्माण के संबंध में ज्ञापन प्रेषित किया वक्ताओं ने कहा कि नगर में बरसात के दिनों में नाली निर्माण का कार्य होने से जगह-जगह कीचड़, जल भराव, दुकानों के बाहर कचरा होने से व्यापारियों को अत्यंत कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है जबकि इस संबंध में नगर विकास मंत्री ए. के. शर्मा का स्पष्ट आदेश है कि 30 मई 2025 तक नाली निर्माण सफाई, जल भराव एवं अन्य नगर की सुविधाओं को दुरुस्त कर लिया जाए बावजूद इसके बरसात में नाली निर्माण का कार्य किया जाना आश्चर्यजनक एवं संदेहास्पद है संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि नगर इन दिनों कई समस्याओं से जूझ रहा है नगर के कई क्षेत्रों में धर्मशाला चौराहा, बढ़ौली चौराहा, उत्तर मुहाल ,नई बस्ती इमरती कॉलोनी आदि इलाकों में बारिश का पानी भर जा रहा है जिसके कारण एक ओर जहां व्यापारियों को अत्यंत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है वहीं दूसरी ओर पैदल चलने वाले राहगीर दुर्व्यवस्था के कारण सिस्टम को कोस रहे हैं उन्होंने कहा कि 36 करोड़ 7 लाख में लगभग 13.7 किलोमीटर नाली का निर्माण कराया जा रहा है जो नगर के लिए सफेद हाथी साबित हो रहा है नगर के कई स्थानों पर सड़क से ऊंची नाली होने के कारण बारिश का पानी कहां जाएगा इसका निकास संभव नहीं हो पा रहा ह।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद सोनभद्र के समस्त थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत आज दिनांक 23.06.2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम व महिला पुलिस कर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री

उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

अंपायर ने बॉल नहीं बदली तो पंत भड़केःबुमराह एसईएनए देशों में 150 विकेट लेने वाले पहले एशियन बॉलर; ब्रूक को 3 जीवनदान, शतक चूके; मोमेंट्स-फैक्ट्स

नयी दिल्ली। हेडिंग्ले टेस्ट के

तीसरे दिन भारत ने 96 रन की बढ़त हासिल कर ली है। रविवार को इंग्लैंड की पहली पारी 465 रन पर ऑलआउट हुई। भारत को इस आधार पर 6 रन की बढ़त मिली। अंपायर ने बॉल नहीं बदली तो पंत ने गुस्से में बॉल दूसरी तरफ फेंकी। बुमराह एसईएनए (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में 150 विकेट लेने वाले पहले एशियन बॉलर बने। उन्होंने विदेश में सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने के मामले में कपिल देव की भी बराबरी की। हैरी ब्रूक को 3 जीवनदान मिले, इसके बाद भी वे 99 रन पर आउट हो गए।भारतीय टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में 150 कैच पूरे किए। अब उनके 44 टेस्ट में 151 कैच और 15 स्टंपिंग हो गई हैं। जसप्रीत बुमराह एसईएनए देशों (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में टेस्ट क्रिकेट में 150 विकेट लेने वाले पहले एशियन गेंदबाज बने। बुमराह के बाद इस सूची में वसीम अकरम 146 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। अनिल कुंबले ने 141, इशांत शर्मा ने 130, और मुथैया मुरलीधरन ने 125 विकेट लिए हैं। इसके अलावा मोहम्मद शमी के नाम 123, जहीर खान के 119, कपिल देव के 117 और वकार यूनिस के 113 विकेट हैं।जसप्रीत बुमराह ऐसे इंडियन पेसर बन गए हैं जिन्होंने विदेश में 12 बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। उन्होंने इस मामले में कपिल देव की बराबरी की। कपिल ने विदेशी पिचों पर खेले 66 टेस्ट मैचों में 12 बार 5 विकेट लिए। बुमराह ने अपने करियर में 14वीं और विदेशी धरती पर 12वीं बार 5 विकेट झटके।पूर्व इंग्लैंड क्रिकेटर डेविड 'सिड' लॉरेंस को श्रद्धांजलि देने के लिए भारत और इंग्लैंड की टीमें काली पट्टी पहनकर खेलने उतरीं। डेविड का कल निधन हो गया। तीसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले उनके सम्मान में श्रद्धांजलि दी गई। लॉरेंस को 2024 में श्ङ (मोटर न्यूरॉन डिजीज) बीमारी हुई थी।इंग्लिश पारी का 61वां ओवर मोहम्मद सिराज डालने आए। ओवर की तीसरी बॉल की बाद बुमराह ने बॉल को लेकर अंपायर से शिकायत की। अंपायर से गेंद को बॉल चेकर (गेज) में डालकर जांचने को कहा। हालांकि, गेंद पास हो गई। इसके बाद ओवर की पांचवीं बॉल पर हैरी ब्रूक ने आगे निकलकर चौका लगा दिया। इसके बाद पंत ने भी गेंद को लेकर दूसरे अंपायर से शिकायत की। गेंद एक बार फिर गेज टेस्ट में पास हो गई, लेकिन पंत इससे नाराज दिखे। उन्होंने गुस्से में गेंद को दूर फेंक दिया। गेज टेस्ट में बॉल की साइज नापी जाती है।69वें ओवर में जैमी स्मिथ अंए लेकर आउट होने से बच गए। शार्दूल ठाकुर के ओवर की चौथी स्मिथ के पैड पर लगी। अपील पर फील्ड अंपायर ने उन्हें आउट भी दे दिया, लेकिन जैमी ने अंए की मांग की। रिप्ले से पता चला कि बॉल लेग स्टंप से बाहर जा रही थी। 72वें ओवर की पहली बॉल पर हैरी ब्रूक को जीवनदान मिला। जडेजा की टर्निंग बॉल पर ब्रूक ने डिफेंस किया। यहां उनके बैट का

किनारा लगा लेकिन पंत ने कैच ड्रॉप कर दिया। गेंद बल्ले के किनारे और ग्लव के बीच से तेजी से निकली। पंत ने विकेट के पास खड़े होकर शानदार प्रयास किया, लेकिन यह एक मुश्किल मौका था। हैरी ने इसी ओवर की आखिरी बॉल पर सिंगल लेकर अपनी हाफ सेंचुरी पूरी की।80वें ओवर की तीसरी बॉल पर जैमी स्मिथ 40 रन बनाकर आउट हुए। डीप मिडविकेट पर जडेजा और साई सुदर्शन ने मिलकर उनका कैच पकड़ा। प्रसिद्ध कृष्णा की बॉल ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट पिच की गई थी, स्मिथ ने पुल शॉट खेला, लेकिन टाइम नहीं कर पाए। गेंद गई डीप स्क्वेयर लेग की ओर, जहां जडेजा ने कैच पकड़ा, लेकिन उन्होंने देखा कि वो बाउंड्री के पास हैं। उन्होंने हवा में रहते हुए गेंद को साई सुदर्शन की ओर थ्रो कर दिया, जो पास ही में तैयार थे और उन्होंने कैच पूरा किया। जेमी स्मिथ तीन गेंद पहले आउट हुए जब नई गेंद लेने का मौका करीब था। इससे एक बॉल पहले भारत ने स्मिथ के लिए डीआरएस लिया था, जिसमें वे नॉट आउट रहे थे।85वें ओवर की आखिरी बॉल पर यशस्वी जायसवाल ने हैरी ब्रूक का कैच छोड़ दिया। बुमराह ने ऑफ स्टंप के बाहर बैक ऑफ लेंथ गेंद डाली, ब्रूक ने उसे सीधा चौथे स्लिप में जायसवाल की ओर खेला। ये एक आसान कैच था, जिसे आसानी से लपका जा सकता था, लेकिन जायसवाल ने मौका गंवा दिया। ब्रूक इस समय 82 रन पर बैटिंग कर रहे थे। इससे पहले ऋषभ पंत ने जडेजा की बॉल पर उनका कैच छोड़ा था। वहीं दूसरे दिन के आखिरी ओवर में जसप्रीत बुमराह की नो बॉल पर ब्रूक कैच हुए थे।95वें ओवर की पांचवीं बॉल पर सिराज ने फुल स्पीड में यॉर्कर डाली। कार्स ने शॉट खेला, लेकिन बोल्ड हो गए। कार्स 22 रन बनाकर आउट हुए।

गांगुली भारतीय टीम का कोच बनना चाहते हैंःबोले- पहले समय नहीं था अब तैयार हूं, राजनीति में नहीं जाएंगे

नयी दिल्ली। गांगुली ने मौजूदा कोच गौतम गंभीर की

खूब तारीफ की। गांगुली ने कहा- गौतम अच्छा काम कर रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से हारते हुए थोड़ी धीमी शुरुआत की, लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी के साथ उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। यह एक बड़ी सीरीज (इंग्लैंड के खिलाफ) होने जा रही है।गांगुली ने 1992 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे डेब्यू किया और 1996 में इंग्लैंड के लॉर्ड्स मैदान पर टेस्ट डेब्यू करते हुए 131 रन की शानदार पारी खेली। गांगुली ने अपने इंटरनेशनल करियर में 113 टेस्ट मैचों में 7,212 रन और 311 वनडे में 11,363 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट में 16 और वनडे में 22 शतक जड़े। उनका वनडे में बेस्ट स्कोर 183 रन रहा, जो उन्होंने 1999 वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खिलाफ बनाया था। वह साल 2000 में भारत के कप्तान बने। गांगुली की कप्तानी में भारत ने विदेशों में कई ऐतिहासिक टेस्ट मैच जीते और 2003 वर्ल्ड कप फाइनल तक का सफर तय किया। 2002 में लॉर्ड्स में नेटवेस्ट ट्रॉफी जीती। उन्होंने 2008 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।पूर्व भारतीय कप?तान सौरव गांगुली टीम इंडिया का कोच बनने के लिए तैयार हैं। उन्होंने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में यह इच्छा जाहिर की। उन्होंने राजनीति में आने से साफ इनकार कर दिया। इसके अलावा पूर्व बीसीसीआई अध?यक्ष ने गौतम गंभीर की कोचिंग पर भी बात की। भारतीय टीम इन दिनों इंग?लैंड दौरे पर है। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले ग्राउंड पर खेला जा रहा है। कोचिंग के सवाल पर गांगुली ने कहा- मैंने अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। मैं बंगाल क्रिकेट संघ का अध्यक्ष बना और फिर बीसीसीआई अध्यक्ष। मुझे कभी समय नहीं मिला, लेकिन देखते हैं फ्यूचर में क्या होता है। मैं अभी 50 साल का हूं और मौका मिलने पर भारतीय टीम का कोच बनने को तैयार हूं। देखते हैं भविष्य में क्या होता है। गांगुली ने 2000 से 2005 तक नेशनल टीम की कप्तानी की और बाद में 2019 से 2022 तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के 35वें अध्यक्ष के रूप में काम किया। इससे पहले, वे 2015 से 2019 तक बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे। वे 2021 में आईसीसी मेंस क्रिकेट कमेटी के अध्यक्ष बने थे। उन्हें अनिल कुंबले की जगह इस पद पर नियुक्त किया गया था। गांगुली कोच चुनने वाली समिति का भी हिस्सा थे। 2017 में रवि शास्त्री को मुख्य कोच चुनने वाली क्रिकेट सलाहकार समिति में गांगुली सदस्य थे, जिसमें सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण भी शामिल थे। गौतम गंभीर टीम इंडिया के मौजूदा हेड कोच फिलहाल गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच हैं। उन्होंने पिछले साल जुलाई में यह जिम्मेदारी संभाली थी। 42 साल के गंभीर ने द वॉल के नाम से मशहूर राहुल द्रविड़ की जगह ली थी। गंभीर का कार्यकाल जुलाई 2027 तक रहेगा।

मैनचेस्टर सिटी ने क्लब विश्व कप में अल ऐन को हराया, पचुका के खिलाफ 3-1 से जीता रियल मैड्रिड

नयी दिल्ली। इल्के गुंडोगन के दो गोल और

एरलिंग हालैंड के पेनल्टी पर किए गए गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने रविवार रात खेले गए मैच में अल ऐन को 6-0 से करारी शिकस्त देकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। इस सत्र में अपना अभियान पटरी पर लाने की कवायद में लगे मैनचेस्टर सिटी की तरफ से क्लाउडियो एचेवेरी, ऑस्कर बॉब और रेयान चेर्की ने भी गोल किए।मैनचेस्टर सिटी इस सत्र में इंग्लिश प्रीमियर लीग में तीसरे स्थान पर रहा था जबकि यूईएफए चैंपियंस लीग के नॉकआउट प्लेऑफ में रियल मैड्रिड से हार गया था। उसने क्लब विश्व कप के शुरुआती ग्रुप मैच में मोरक्को के विदाद पर 2-0 की जीत दर्ज करके अपने अभियान का शानदार आगाज किया था।रियल मैड्रिड ने अधिकतर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद जूड बेलिंगहैम और अर्डा गुलर के पहले हाफ में किये गये गोल की मदद से क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के मैच में पचुका को 3-1 से हरा दिया। रविवार रात को खेले गए मैच के सातवें मिनट में डिफेंडर राउल एसेनसियो को रेड कार्ड मिला, जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। इसके बाद रियाल मैड्रिड को शेष मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।इससे हालांकि कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि रियाल मैड्रिड ने मैक्सिको के क्लब पर शुरू से लेकर आखिर तक पूरा दबदबा बनाए रखा और ज़ाबी अलोंसो को इस स्पेनिश क्लब के कोच के रूप में पहली जीत दिलाई। रियाल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे बीमार होने के कारण क्लब विश्व कप के दोनों मैच नहीं खेल पाए। वह अस्पताल में भर्ती हैं जिसके कारण चार्लोट नहीं जा पाए, लेकिन टीम को उम्मीद है कि वह गुरुवार को साल्ज़बर्ग के खिलाफ़ होने वाले मैच तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे।

केएल राहुल की क्लासिक सेंचुरी, बेहतरीन बल्लेबाजी से अंग्रेजों की छाती पर किया तांडव

लीड्स। हेडिंग्ले टेस्ट मैच के चौथे दिन टीम इंडिया के ओपनर बल्लेबाज केएल राहुल ने शतक लगाकर कमाल कर दिया। राहुल का टेस्ट क्रिकेट में यह 9वां शतक है। राहुल ने अपना यह 9वां शतक 202 गेंद में पूरा किया। अपनी इस शतकीय पारी में उन्होंने 13 चौके लगाए। केएल राहुल की इस शतकीय पारी के बदौलत टीम इंडिया की लीड 200 रन के पार पहुंची। केएल राहुल ने भारत के लिए पहली पारी में भी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। हालांकि, पहली पारी में वह 42 रन ही बना पाए थे, लेकिन दूसरी पारी में वह नहीं चूके और सैकड़ा जड़ दिया।पहली पारी में केएल राहुल की दमदार बल्लेबाजी से ही भारतीय टीम 471 रन बनाने में सफल रही थी। राहुल ने पहले विकेट के लिए यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर 91 रनों की पार्टनरशिप की थी। इस ठोस शुरुआत के बाद यशस्वी ने इसका फायदा उठाया और इंग्लैंड की धरती पर अपने पहले टेस्ट में ही शतक ठोक कर इतिहास रच दिया।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम घोषितःनईम को करीब दो साल बाद मौका, पहला मुकाबला 2 जुलाई को

नयी दिल्ली। बांग्लादेश ने श्रीलंका के खिलाफ खेले जाने वाली

तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। इस स्क्वॉड में 16 प्लेयर्स को जगह दी गई है। इसमें कप्तानी की जिम्मेदारी मेहदी हसन मिराज को सौंपी गई है।तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान की चोट के बाद वापसी हुई है। इसके अलावा टी-20 कप्तान लिटन दास को टीम में शामिल किया गया है। वहीं, बाएं हाथ के ओपनर नईम शेख लगभग दो साल बाद वनडे टीम में लौटे हैं।बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मुकाबला ड्रॉ रहा था। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट मुकाबला 25 जुलाई को खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज के बाद दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज खेली जाएगी। पहला वनडे 2 जुलाई और दूसरा 5 जुलाई को कोलंबो में खेला जाएगा। तीसरा और आखिरी वनडे 8 जुलाई को पल्लेकेले में होगा।चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने वाली पिछली टीम से मुशफिकुर रहीम और महमूदुल्लाह ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, जबकि सौम्य सरकार और नसुम अहमद को बाहर रखा गया है। नईम शेख ने बांग्लादेश के लिए अपना आखिरी वनडे मैच साल 2023 में खेला था। उन्होंने अब तक 8 वनडे मुकाबले खेले हैं, जिसमें 95 रन बनाए। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के चीफ सेलेक्टर गाजी अशरफ हुसैन ने कहा कि मुझे लगता है कि उसने अपनी बल्लेबाजी के पैटर्न को बदल दिया है। आपको समझना होगा कि हमने पांच तेज गेंदबाजों को चुना है क्योंकि कई प्लेयर्स चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। मेहदी हसन मिराज (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, नईम शेख, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, लिटन दास, जेकर अली अनिक, शमीम हुसैन, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा।

ललित उपाध्याय ने इंटरनेशनल हॉकी से संन्यास लियाःमां से बोले- अब वाराणसी के लिए कुछ करूंगा, पिता बोले- हर फैसले से मैं खुश हैं

नयी दिल्ली। टोक्यो और

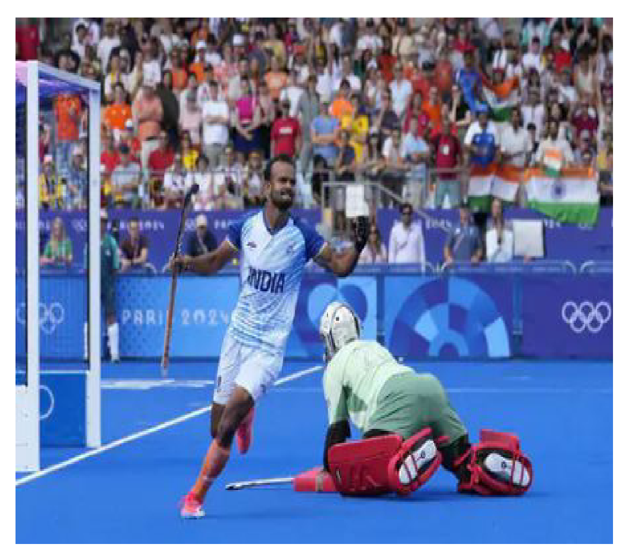

पेरिस ओलिंपिक में पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा रहे ललित उपाध्याय ने 22 जून को इंटरनेशनल हॉकी से संन्यास ले लिया। सोशल मीडिया एक्स पर अर्जुन अवार्डी ललित ने पोस्ट शेयर कर ये जानकारी दी। हालांकि, अभी वह घरेलू और लीग मैच खेलते रहेंगे। फिलहाल वे इन दिनों बेल्जियम में चल रही प्रो हॉकी लीग में व्यस्त हैं। ललित ने लिखा- आज मैं इंटरनेशनल हॉकी से संन्यास लेने की घोषणा करता हूं। यह एक कठिन पल है, लेकिन हर खिलाड़ी को एक दिन इसका सामना करना पड़ता है। देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और गर्व रहा है। आप सभी का दिल से धन्यवाद। ललित उपाध्याय के पिता सतीश उपाध्याय और मां रीता उपाध्याय से भास्कर रिपोर्टर ने संन्यास पर बात की। मां ने बताया- सुबह ललित से फोन पर बात की तो उन्होंने कहा कि अब वाराणसी के लिए भी कुछ करना है। इसलिए संन्यास लिया। वाराणसी में फिर हॉकी को टॉप पर ले जाना है।पिता सतीश ने कहा- 16 जून को लखनऊ आए थे और वहां पूरा परिवार गया था। वो 20 जून को वापस चले गए कैंप और हम लोग 21 को वाराणसी आ गए। वो इस वक्त बेल्जियम में टीम इंडिया के साथ हैं। आज नीदरलैंड रवाना होंगे। उन्होंने बताया कि पेपर से हमें सुबह पता चला कि बेटे ने संन्यास ले लिया है। हम उनके हर फैसले से खुश हैं। उन्होंने संघर्षों से यह मुकाम पाया है।ललित उपाध्याय भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने कई इंटरनेशनल हॉली में भारत का प्रतिनिधित्व किया। ओलिंपिक के दौरान टीम को जीत दिलाने में योगदान दिया। उनके संन्यास के साथ ही प्रशंसकों ने लिखा- भारतीय हॉकी के एक गौरवशाली अध्याय का अंत हो गया। साथियों ने ललित उपाध्याय के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।यादगार करियर के लिए ललित उपाध्याय ने अपने अब तक के सफर में कोच परमानंद के साथ ही हरिंदर, समीर, धनराज आदि को मार्गदर्शक बताया है। शुरुआती कोच परमानंद मिश्र को याद किया। कहा कि उन्होंने शुरुआती दिनों में हॉकी खेलने में मदद की और मुझे यहां तक पहुंचाया।

अल्काराज ने क्वींस क्लब चैंपियनशिप जीताःबोले- ग्रास पर शानदार महसूस कर रहा हूं; विंबलडन में लगातार तीसरा खिताब जीतने उतरेंगे

नयी दिल्ली। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने विंबलडन से 8 दिन पहले लंदन में ग्रास कोर्ट पर खेले

गए टेनिस टूर्नामेंट क्वींस क्लब चैंपियनशिप जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में चेक के जिरी लहेच्का को 7-5, 6-7, 6-2 से हराकर दूसरी बार यह खिताब जीता है।इसके साथ ही उनकी जीत का सिलसिला 18 मैचों तक पहुंच गया, जो उनके करियर का सबसे लंबा विजयी क्रम है। यह उनका चौथा ग्रास कोर्ट खिताब है। अब केवल सर्बिया के नोवाक जोकोविच ही उनसे ज्यादा ग्रास कोर्ट खिताब (आठ) जीतने वाले एक्टिव मेंस प्लेयर हैं।अल्काराज चार या उससे ज्यादा ग्रास कोर्ट खिताब जीतने वाले पांचवें सक्रिय पुरुष खिलाड़ी हैं। स्पेन के केवल तीन खिलाड़ियों राफेल नडाल, फेलिसियानो लोपेज और अल्काराज ने चार ग्रास कोर्ट खिताब जीते हैं। लेकिन अल्काराज ने यह उपलब्धि 22 साल की उम्र में हासिल की, जबकि नडाल 29 और लोपेज 37 साल के थे।जीत के बाद अल्काराज ने कहा कि मिट्टी के कोर्ट से ग्रास के कोर्ट पर आना आसान नहीं था। उन्होंने बताया, 'मिट्टी से ग्रास पर सिर्फ दो दिन की प्रैक्टिस के बाद आना मुश्किल था। मैं बिना किसी उम्मीद के यहां आया था। मेरा लक्ष्य सिर्फ दो-तीन मैच खेलकर ग्रास पर सहज होना था। लेकिन मैं जल्दी ही ग्रास पर ढल गया और मुझे इस पर गर्व है।'अल्काराज ने इससे पहले 8 जून को फ्रेंच ओपन के खेले गए फाइनल में इटली के जैनिक सिनर को हरा कर अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम जीता था। फ्रेंच ओपन क्ले कोर्ट (लाल मिट्टी) पर खेला जाता है। वहीं, स्पेनिश खिलाड़ी स्पेन में क्ले कोर्ट पर ही प्रैक्टिस करते हैं। अब अल्काराज विंबलडन में लगातार तीसरा खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। ओपन एरा में केवल तीन पुरुष खिलाड़ियों ब्योर्न बोर्ग, पीट सैम्प्रास और रोजर फेडरर ने कम से कम तीन बार लगातार विंबलडन खिताब जीता है।

सेशेल्स मुक्केबाजी टूर्नामेंट में भारत का शानदार प्रदर्शन, पदक तालिका में शीर्ष पर

नयी दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजों ने सेशेल्स नेशनल डे मुक्केबाजी टूर्नामेंट

में शानदार प्रदर्शन किया और तीन स्वर्ण सहित कुल सात पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। स्वर्ण पदक के अलावा भारतीय मुक्केबाजों ने तीन रजत और एक कांस्य पदक भी जीता और पैराडाइज एरेना में मॉरीशस से एक पदक अधिक हासिल किया।हिमांशु शर्मा (50 किग्रा) ने वॉकओवर के जरिए स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि आशीष मुदशानिया (55 किग्रा) ने फाइनल में 4-1 के खंडित फैसले से जीत दर्ज की। गौरव चौहान ने 90 किग्रा से अधिक वर्ग के तनावपूर्ण फाइनल में अपना धैर्य बनाए रखा। उन्होंने 3-2 से जीत हासिल की और देश के लिए तीसरा स्वर्ण पदक जीता।अनमोल (60 किग्रा), आदित्य यादव (65 किग्रा) और नीरज (75 किग्रा) तीनों को संघर्षपूर्ण फाइनल में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद समान 2-3 के खंडित फैसले से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए कार्तिक दलाल ने 70 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता।

विश्व चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन करने पर है नीरज चोपड़ा की नजर 90 मीटर थ्रो पर भी रखी राय

नयी दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा का कहना है कि उनकी नजरें टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन करने पर

टिकी हुई हैं। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप इस साल 13 से 21 सितंबर के बीच जापान की राजधानी में आयोजित की जाएगी। नीरज मंगलवार को गोल्डन स्पाइक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेंगे और उससे पहले वह काफी अच्छा महसूस कर रहे हैं।नीरज ने पिछले हफ्ते पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर के थ्रो के साथ जूलियन वेबर को हराकर जीत हासिल की थी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज ने कहा कि चेक गणराज्य के महान खिलाड़ी जान जेलेजनी का कोच के रूप में साथ और अपनी कड़ी मेहनत के दम पर उन्हें अच्छे परिणाम हासिल करने का पूरा भरोसा है। भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज नियमित रूप से 90 मीटर थ्रो करने का खुद पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाना चाहते हैं और इस सत्र के लिए उनका लक्ष्य टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल करना है।इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने दोहा में सत्र के शुरूआती डायमंड लीग प्रतियोगिता में अपने करियर में पहली बार 90 मीटर की दूरी पार की थी और वह अपनी प्रगति से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसे बेहतरीन खिलाड़ी और कोच के साथ काम करके वाकई बहुत खुश हूं। तकनीक में थोड़ा और सुधार करने के बाद मैं इस साल पहले ही 90 मीटर फेंक चुका हूं। देखते हैं कि मैं अगली बार कब यह दूरी फिर से हासिल करूंगा लेकिन मैं तैयार हूं। हाल ही में हमने चेक गणराज्य में अच्छा अभ्यास किया इसलिए मैं ओस्ट्रावा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को लेकर आश्वस्त हूं। इस सत्र का मुख्य लक्ष्य निश्चित रूप से टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप है।नीरज मंगलवार को होने वाली का प्रतियोगिता को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, जब मैं छोटा था तो मैंने उसैन बोल्ट जैसे एथलीटों को प्रतिस्पर्धा करते हुए बहुत सारे वीडियो और तस्वीरें देखी थीं। मैं पिछले साल यहां आया था, लेकिन चोट के कारण प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया था। अब मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं, लेकिन मैं 90 मीटर के लिए खुद पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाना चाहता हूं पर मैं इसके लिए अपनी तरफ से पूरे प्रयास करूंगा।

इस बारिश कर्मचारी रेन डांस से बचें

इस रविवार नासिक जाते वक्त जब मैं समुद्र तल से 3000 फीट ऊंचाई पर स्थित इगतपुरी से गुजर रहा था तो बादल कार की खिड़की से भीतर आ रहे थे और मुझसे कह रहे थे कि कार से बाहर आओ, एक डांस हो जाए।मैं देख रहा था कि उस छोटे-से हिल स्टेशन पर उससे भी अधिक ज्यादा कारें थीं, जितनी मुम्बई से आते वक्त पूरे 110 किमी के रास्ते में देखी थीं। सभी बादलों का आनंद ले रहे थे। इसी सप्ताह डिप्टी कमिश्नर ने भी कहा कि वहां रोज 15 हजार कारें पहुंचीं, जबकि शिमला में महज 5000 कारों की पार्किंग है।ये बताता है कि कामकाजी वर्ग नियमित तौर पर ब्रेक लेना चाहता है, खासकर बारिश में, ताकि रिमझिम के बीच डांस कर सके। पर मौसम विभाग की चेतावनी ने मुझे कुछ भी ऐसा करने से रोका, क्योंकि उसने अगले सप्ताह में कई राज्यों में भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी दी है। 23 जून को मप्र के कुछ इलाकों में 24 घंटों में 200 मिमी. से अधिक बारिश का अनुमान है। इसी के साथ कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात में भी 27 जून तक भारी से अतिभारी बारिश संभावित है। चूंकि मुझे उसी शाम मुम्बई वापस आना था, इसलिए मैं बादलों को फ्लाइंग किस देते हुए गुजर गया। कई नए व पुराने सहकर्मी वीकेंड रेन डांस की फोटो पोस्ट कर रहे थे, जिन्हें देखकर मुझे ईर्ष्या होने लगी।चूंकि, कामकाजी वर्ग वीकेंड पर वहां से दूर था, इसलिए ये नहीं देख पाया कि उनके ऑफिस में कॉर्नर ऑफिस की लाइटें जली थीं। वहां टॉप लीडर्स मिले और इस पर सहमत हुए कि कम कर्मचारी का मतलब है अधिक तेजी से उन्नति। एचआर रिकॉर्ड्स बताते हैं कि बीते कुछ ही समय में अकेले अमेरिका में प्रत्येक पांच में से एक कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या में 3.5प्रतिशत की कमी की है। इसी मंगलवार अमेजन के चीफ एक्जिक्यूटिव एंडी जैसी ने कर्मचारियों को दिए नोट में लिखा 'वंस इन ए लाइफटाइम' एआई का उदय अगले कुछ वर्षों में कुछ नौकरियों की जरूरत खत्म कर देगा।इसी माह प्रोक्टर एंड गैंबल ने कहा, 'व्यापक भूमिकाएं व छोटी टीमें' बनाने के लिए वो 7000 नौकरियों या गैर विनिर्माण कार्यबल में 15प्रतिशत की कटौती करेगा। हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइजेज (एचपीई) की फाइनेंस चीफ मैरी मायर्स ने इस महीने कर्मियों की कटौती पर निवेशकों से चर्चा में कहा, 'जो जितना समतल होगा, वो उतना तेज होगा'। उन्होंने बताया कि एक दशक पहले से लेकर अब तक 59 हजार से भी कम कर्मचारियों के साथ ये एचपीई का सबसे छोटा आकार है।टेक निवेशक और अडोबी के पूर्व एग्जीक्यूटिव जेसन लेमकिन ने हाल ही एक वेंचर केपिटल पॉडकास्ट में कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र समेत 500 कर्मचारियों या इससे अधिक की जिन भी कंपनियों से मैंने ऑफ द रिकॉर्ड बात की, उन्होंने कहा कि 'मुझे अपनी टीम में 30 से 40प्रतिशत लोगों की जरूरत नहीं है'। हम आसानी से ये महसूस कर सकते हैं कि ब्रिकी और लाभ में बढ़ोतरी के बावजूद कार्यबल में कटौती हो रही है।ये साफ दिखाता है कि कॉरपोरेट जगत कर्मचारियों के मूल्यांकन के तरीके में मौलिक रूप से बदलाव कर रहा है। दूसरी ओर, बारिश आते ही हममें से अधिकतर ने ब्रेक ले लिया, क्योंकि इन दिनों हमारे पास कामकाज ज्यादा था, जिम्मेदारियां ज्यादा थीं और जॉब सिक्योरिटी व भविष्य की संभावनाओं पर डर सता रहा था। नौकरियों में आ रही इस कमी के चलते कर्मचारी तेजी से उस लाभ को खो रहे हैं, जिनका महामारी के दौरान आनंद लिया था, जब नौकरियां पर्याप्त संख्या में थीं और कंपनियां व्हाइट कॉलर प्रतिभाओं के लिए बोली लगा रही थीं।लेकिन जब एआई का दौर बढ़ रहा है और संस्थापकों व मालिकों की नई मानसिकता सामने आ रही है, जैसा हमने ऊपर पढ़ा, तो हमें हर कंपनी में घटती जा रही मैनपॉवर के बारे में जोर-जोर से बज रही चेतावनी की घंटी को अपने बहरे कानों से सुनना चाहिए। अपनी नौकरी पर तलवार चलने से बचने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।फंडा यह है कि इस बारिश में हर किसी को कंपनी के लीकेज देखने चाहिए, कौशल सुधारना चाहिए ताकि उन लीकेज को भरा जा सके। कंपनी की बिक्री और लाभ बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। मेरा मत है कि यदि हमारे हाथ में नौकरी रही तो डांस तो अगली बारिश में भी किया जा सकता है।

थोड़ा-सा 'अतिरिक्त' एक बड़ी रिलेशनशिप को बनाता है

लक्ष्मीनारायण को अरबी फ्राई पसंद है और मुथुरामन को पत्तागोभी, यह कहते हुए मेरी मां खूब सारा अरबी धोकर कुकर में डाल देतीं और आंच तेज कर देतीं ताकि यह सख्त सब्जी जल्दी पक जाए। इस बीच वे जल्दी से धुली हुई पत्तागोभी को काटकर अलग से पानी में उबाल लेतीं। अरबी के छिलके उतारने के लिए मेरी बहन की मदद लेने के बाद वे ताजा नारियल छीलना शुरू कर देतीं।वे मुझे अरबी को केरल वाले आलू के चिप्स की तरह काटने के लिए कहतीं। फिर ये दोनों सब्जियां दो अलग-अलग कढ़ाई में चली जातीं। उबली हुई पत्तागोभी को लाल सूखी मिर्च और ढेर सारी चना दाल (पहले से गरम पानी में भिगोई हुई) के साथ तड़का दिया जाता और कढ़ाई में डालने से पहले धीमी आंच पर पकाया जाता। अरबी पर सब तरफ से मसाला लगाने के बाद उन्हें बहुत कम तेल में मद्धम आंच पर भूना जाता। फिर कड़ाही में गोभी को चलाते हुए ऊपर से नारियल बुरककर डालते।लेकिन उस दिन ये दोनों सब्जियां हमारे खाने का हिस्सा नहीं होती थीं। यह सब इसलिए किया गया था, क्योंकि मेरे उपरोक्त दो दोस्त हमें बिना बताए भोजन के लिए चले आए थे। इस तरह से किसी के भी चले आने पर मां कभी मुंह नहीं बनातीं। वे घर आने वालों के चेहरों को पढ़कर बता देतीं कि उन्हें कितनी भूख लगी है और उनकी पसंद का खाना बनाने की कोशिश करतीं।वे हर किसी की पसंद को याद रखती थीं और उसी के अनुसार खाना बनाती थीं। बताने की जरूरत नहीं कि मेरे दोस्त उन सब्जियों को चाव से खाते, डकार लेते और चले जाते, और अगर मैं उनके हिस्से का खा लेता तो मुझसे झगड़ा करते।वैसे तो पूरा भोजन ही स्वादिष्ट होता था, लेकिन ये दोनों दोस्त अगले कुछ महीनों तक कॉलेज में अरबी और गोभी- इन दो 'अतिरिक्त' सब्जियों की तारीफ करते रहते, जब तक कि वे अगली बार मेरे घर नहीं आ जाते। मां की मृत्यु के 30 साल बाद भी उन्हें उन सब्जियों का स्वाद ठीक उसी तरह से याद है, जैसे उन्होंने उन्हें कल रात खाया हो।मुझे यह कहानी शनिवार को तब याद हो आई, जब मैं भिलाई में रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित एचआर कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहा था। 20 से अधिक एमएनसी के एचआर अधिकारी वहां गोलमेज सम्मेलन में शामिल हुए थे।मैंने अपना संबोधन यह कहते शुरू किया कि अपने बारे में कुछ बताइए। मुझे नहीं पता कि यह सवाल कितना पुराना है। लेकिन ये वो सवाल है, जो किसी भी कंपनी में ज्यादातर इच्छुक उम्मीदवारों की किस्मत तय करता है। यहां बैठे इन एचआर प्रमुखों से पूछिए। वे इस सवाल को बार-बार पूछने में कभी शर्म महसूस नहीं करते।ऐसा इसलिए, क्योंकि यह एक से दो मिनट की छोटी-सी अवधि उम्मीदवार के आत्मविश्वास, भाषा-शैली, हास्यबोध, सतर्कता, कहानी सुनाने की क्षमता और देहभाषा से परिचित कराती है। आप सभी को मेरी सलाह है कि इंटरव्यू खत्म होने तक रिज्यूमे में लिखी की गई जानकारी के अलावा भी अपने पास अपने बारे में कुछ 'अतिरिक्त' रखें।इसने मुझे एक फरसाण स्टोर की याद दिलाई, जिसके बुजुर्ग संस्थापक जब कैश काउंटर पर बैठते थे, तब उनकी बिक्री बहुत अच्छी चल रही थी और जब उनका एमबीए की पढ़ाई कर रहा बेटा उसी जगह पर बैठा, तो बिक्री में भारी गिरावट आई। वे हैरान थे कि ऐसा क्यों हो रहा है।अंत में पता चला कि ग्राहकों को यह बात बहुत अच्छी लगती थी कि बुजुर्ग प्लास्टिक बैग को सील करने से पहले फरसाण का एक 'अतिरिक्त' बड़ा टुकड़ा उसमें डाल देते थे, जबकि एमबीए की पढ़ाई कर रहा बेटा वजन के बराबर ही तौलता था। उस 'अतिरिक्त' से ही ग्राहकों और दुकान के बीच एक रिश्ता बन गया था। यह कुछ ऐसा ही था, जो अतीत के दिनों में दूधवाले किया करते थे।फंडा यह है कि आप युवाओं को ज्ञान, कहानियां, भोजन, साक्षात्कार के दौरान आत्म-गौरव से लेकर शुभकामनाएं तक कुछ भी दे सकते हैं, लेकिन दुनिया हमेशा उस 'अतिरिक्त' चीज की कद्र करती है, जो आप इस प्रक्रिया में देते हैं। और हां, आपकी मानवता की भी।

बीज पर काम करें, तो फल अपने आप आपको चौंका देंगे

नारायणा हेल्थ के चेयरमैन व कार्यकारी निदेशक डॉ. देवी प्रसाद शेट्टी ने काफी पहले एक कार्यक्रम में कहा था कि भारत पहला ऐसा देश बनने को तैयार है, जहां स्वास्थ्य देखभाल व पैसा अलग-अलग होगा और ये बदलाव अगले 5 से 10 वर्षों में ही हो जाएगा। इस दावे के समर्थन में डॉ. शेट्टी ने तीन बड़ी अर्थव्यवस्था- भारत, अमेरिका व चीन में मोतियाबिंद सर्जरी की तुलना की।उन्होंने कहा, 'अमेरिका में सालाना 35 लाख मोतियाबिंद सर्जरी होती हैं। आबादी के लिहाज से चीन को इसकी पांच गुना सर्जरी करनी चाहिए, पर वह सिर्फ 32 लाख ही करता है। जबकि भारत में 85 लाख सर्जरी सालाना होती हैं, जो अमेरिका, चीन और बहुत से यूरोपीय देशों को मिलाकर भी अधिक है।शेट्टी के अनुसार ये उन उद्यमी चिकित्सकों के कारण संभव हुआ, जिन्होंने स्वतंत्र क्लीनिक खोले। इससे सर्जरी का खर्च घटा। उन्होंने गर्व से कहा 'भारत अपने स्वास्थ्य देखभाल के ढांचे में बदलाव कर रहा है। जो हमने हासिल किया, वो कोई और देश नहीं कर सकता।'डॉ. शेट्टी ने पहले के एक इंटरव्यू में कहा था, 'निजी क्षेत्र में बहुत महंगी होती जा रही चिकित्सा शिक्षा के कारण हम आर्थिक तौर पर पिछड़े वर्गों में से बहुत से जादुई हाथ खोते जा रहे हैं।' उनका मतलब था कि भविष्य के ऐसे बहुत से प्रतिभावान डॉक्टर हैं, जो मेडिसिन में योगदान दे सकते हैं, पर महंगी पढ़ाई के कारण वे अवसर खो रहे हैं।डॉ. शेट्टी के वो दोनों कथन मुझे तब याद आए, जब मैंने हाल ही में सुना कि कैसे उत्तरप्रदेश के सर्वोदय स्कूल की 25 में से 12 छात्राओं ने नीट परीक्षा पास की है, जिसका परिणाम इसी सप्ताह जारी हुआ है। यहां उन छात्राओं की कहानी बताता हूं।प्रिंसी खेतिहर मजदूर की बेटी हैं, पूजा रंजन सोनभ्रद के किसान की बेटी हैं, वहीं कौशांबी की श्वेता, साइकिल का सीट कवर बेचने वाले परिवार में पली-बढ़ीं। उनका सपना सरकारी स्कूल से अधिक कुछ भी नहीं था और वे हॉस्पिटल बेड्स के बीच इधर-उधर भागती महिला डॉक्टर्स को दूर से देखकर सिर्फ अचरज करती थीं।एप्रन पहनकर गले में स्टेथोस्कोप लटकाए देखने की कल्पना मात्र से ही वह डर जाती थीं। पर अब ऐसा नहीं है। अपने स्कूल की नौ अन्य छात्राओं समेत इन तीनों ने इस वर्ष नीट परीक्षा पास कर ली है। यूपी के मिर्जापुर स्थित मरिहन में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सर्वोदय विद्यालय की 25 छात्राएं इस परीक्षा में शामिल हुई थीं, इनमें सभी अनुसूचित जाति, जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग से थीं और इनमें से आधी छात्राओं ने ये परीक्षा पास कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है।उन्होंने ये सब कैसे किया? आर्थिक तौर पर पिछड़े वर्ग के छठी से बारहवीं के बच्चों के लिए हॉस्टल सुविधा के साथ संचालित होने वाले सर्वोदय स्कूल में छात्राओं को मुफ्त आवासीय कोचिंग मिली। नियमित स्कूल के अलावा ये छात्राएं खासतौर पर नीट के लिए कोचिंग में भी शामिल होती थीं।वहां नीट-जेईई के लिए दाखिला लेने वाली 39 छात्राओं में से 25 ने परीक्षा दी और 12 उतीर्ण हुईं। इस सफलता से प्रेरित होकर समाज कल्याण विभाग के 'सेंटर फॉर एक्सीलेंस' को पूरे यूपी के अन्य सर्वोदय विद्यालयों में भी शुरू किया जा रहा है, यूपी में ऐसे स्कूलों की संख्या लगभग 100 है।मैं जयपुर के शेपिंग फ्यूचर नाम के एक संगठन के बारे में जानता हूं, जो आर्थिक तौर पर कमजोर ऐसे सैकड़ों बच्चों की सहायता करता है, बशर्ते वो बच्चे मेधावी हों और भविष्य के भारत की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेने की योग्यता रखते हों।इन युवा मेधावी दिमागों को जो चाहिए, वह है सीखने की तकनीक में जरा सा प्रोत्साहन और थोड़ी सी वित्तीय सहायता। और फिर, जैसा कि डॉ.शेट्टी ने कहा, भारत को विभिन्न क्षेत्रों में दुनिया के किसी भी देश को मात देने से कोई नहीं रोक सकता। यहां तक कि हम जैसे लोग भी अपने आसपास ऐसे प्रतिभाशाली दिमागों को पहचान सकते हैं।फंडा यह है कि यदि हम बीजों पर काम करें, मेरा मतलब कि आर्थिक रूप से सबसे ?निचले पायदान पर बैठे गरीब बच्चों पर, तो उनमें से उपजाऊ बीज रूपी बच्चे प्रकाश की ओर बढ़ेंगे और संबंधित क्षेत्र में मिसाल कायम करेंगे।

6 खतरे हैं, जिनसे लोकतंत्र का बचाव करना चाहिए

चुनावों का दौर आने वाला है। बिहार और झारखंड में इस वर्ष के अंत में चुनाव होने जा रहे हैं। उसके बाद असम, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और केरल में मई 2026 में चुनाव होंगे। आलोचक भले ही कहते हों कि हमारे यहां बहुत चुनाव होते हैं, लेकिन चुनावी-लोकतंत्र ही हमारी सबसे बड़ी ताकतों में से एक है।

चीन और पाकिस्तान के पास यह ताकत नहीं है, न ही यह सोवियत संघ के पास थी। जिन सर्वसत्तात्मक शासनों में कतई भी लचीलापन ना हो, वो बहुत अस्थायी होते हैं। मॉस्को में राजनयिक के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान मैंने सोवियत संघ का विघटन अपनी आंखों से देखा था। मुझे लगता है चीन भी ऐसे ही टाइम बम पर बैठा है। इसके विपरीत लोकतंत्र अधिक लचीले होते हैं, क्योंकि उनमें जनता की नाराजगी को बाहर निकालने के लिए चुनावों का सेफ्टी वॉल्व होता है।विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि लोकतंत्र सरकार का सबसे खराब रूप है, सिवाय उन सभी के जो उससे पहले आजमाए गए थे। यह सही हो सकता है, किंतु लोकतंत्र के संचालन के लिए सतत निगरानी बहुत जरूरी है ताकि उसके स्वरूप से अधिक उसकी आत्मा अक्षुण्ण रहे। ऐसे छह खतरे हैं, जिनसे लोकतंत्र का बचाव किया जाना चाहिए।पहला खतरा है, अधिनायकवाद। जब कोई लोकतांत्रिक सरकार आलोचना और असहमति के प्रति असहिष्णु हो जाए तो प्रजातंत्र को जीवित रखने वाला संवाद मर जाता है। अपनी सहूलियत के लिए अमानवीय कानून बनाकर उनका दुरुपयोग, बिना निर्धारित प्रक्रिया अपनाए बुलडोजर-न्याय आदि लोकतंत्र की आत्मा के लिए अभिशाप जैसे हैं।अरस्तू ने कहा था कि 'स्वतंत्रता ही लोकतंत्र का आधार है।' दूसरा खतरा है बढ़ता वंशवाद। आज हमारे ज्यादातर राजनीतिक दल पारिवारिक जागीरों जैसे हैं। वे लोकतंत्र के बजाय मध्ययुगीन सामंतवाद की याद दिलाते हैं। तीसरा खतरा- जिस पर बहुत-से राजनीतिक दल भी कुछ नहीं बोल पाते- वह है कोई भी अनुचित तरीका अपनाकर येन-केन-प्रकारेण सत्ता हासिल करना। आज राजनीति में धर्म, जाति, धुर-राष्ट्रवाद, संकीर्ण मुद्दे, बेनामी सम्पत्ति और बाहुबल आम बात है।चौथा खतरा बहुमत का गलत तरीके से उपयोग है, जिसमें केंद्र या राज्य सरकारें रचनात्मक-संवाद के स्थान पर आंकड़ों की ताकत के बल पर अपनी इच्छा थोप देती हैं। संविधान पेश करते हुए डॉ. आम्बेडकर ने इस आशंका के प्रति चेतावनी भी दी थी।उन्होंने कहा था कि भारत जैसे देश में लोकतंत्र के अधि?नायकवाद में बदलने का खतरा है। खासतौर पर जब किसी दल की बहुत बड़ी जीत हो तो इस खतरे के वास्तविकता में बदलने की संभावना बहुत ज्यादा है। पांचवां खतरा है केंद्र-राज्य संबंधों को अस्थिर करने की कोशिश।केंद्र में मजबूत सरकारों ने राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारों के कामकाज को बाधित करने के लिए संविधान की गलत व्याख्या की है। वास्तव में तो 'डबल इंजन सरकार' का जुमला ही अपने आप में इस बात का सबूत है कि 'सिंगल इंजन सरकारें'- जिन्हें केंद्र का सहयोग नहीं है- नुकसान में ही रहेंगी। यह सोच लोकतांत्रिक संघवाद के लिए खतरा है।अंतिम और शायद सबसे प्रमुख तौर पर लोकतंत्र तब खतरे में होता है, जब चुनी हुई सरकारें जनता से किए वादे पूरे नहीं करतीं और सियासी ताकत को निजी हित साधने के लिए काम में लेती हैं। कालिदास ने राजधर्म की व्याख्या करते हुए कहा था : 'प्रवर्त्ततां प्रकृतिहिताय' यानी जनता के कल्याण के लिए काम करना। चाणक्य ने कहा था कि 'राजा को अपनी पूरी शक्ति लोककल्याण में समर्पित कर देनी चाहिए।' महाभारत में भी दायित्व पूरे नहीं करने वाले राजा के खिलाफ विद्रोह को उचित बताया गया है।लेकिन क्या लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों में हमारे नए 'राजा' इन मान्यताओं और दायित्वों का पालन कर रहे हैं? बिहार में भाजपा और कांग्रेस की बैसाखियों पर बीते 30 वर्षों से लालू-नीतीश सामाजिक न्याय के नाम पर राज करते रहे हैं। लेकिन आज भी बिहार वहीं पर है, जहां पहले था।सरकारी आंकड़ों के अनुसार राज्य की एक-तिहाई आबादी गरीबी की रेखा से नीचे जीवनयापन करती है। बिहार में देश की सबसे कम प्रति व्यक्ति आय है। स्वास्थ्य और शिक्षा का ढांचा बिगड़ता जा रहा है। व्यापक भ्रष्टाचार और सर्वाधिक बेरोजगारी दर के कारण युवा पलायन कर रहे हैं। ऐसे हालात में मतदाताओं के कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उनके पास ताकत है कि लोकतंत्र के खतरों का सामना करें और उनके हित में काम नहीं करने वाली सरकारों को वोट के दम पर उखाड़ फेंकें।वास्तव में 'डबल इंजन सरकार' का जुमला ही अपने आप में इस बात का सबूत है कि 'सिंगल इंजन सरकारें'- जिसे केंद्र का सहयोग नहीं है- नुकसान में ही रहेंगी। यह सोच लोकतांत्रिक संघवाद के लिए खतरा है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

बिहार चुनावों पर कड़ी नजर रखने जा रहे हैं विपक्षी दल

राहुल गांधी ने पिछले साल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को

'फिक्स' बताकर राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। उस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने महा विकास अघाड़ी पर भारी जीत दर्ज कर सबको चौंका दिया था। शरद पवार की एनसीपी का तो उनके गढ़ पश्चिमी महाराष्ट्र में लगभग सफाया ही हो गया था, वहीं कांग्रेस 16 सीटों पर सिमटकर रह गई थी।राहुल ने कहा कि यह 'छोटे स्तर की धोखाधड़ी' नहीं थी, यह 'हमारे राष्ट्रीय संस्थानों पर कब्जा करने वाली औद्योगिक पैमाने की धांधली' थी। उन्होंने पांच बिंदुओं में बताया कि चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर परिणामों की पटकथा लिखी थी।भाजपा और उसके सहयोगियों ने उलटे राहुल पर आरोप लगाते हुए बयानों और ट्वीट्स की बौछार कर दी। महाराष्ट्र के भाजपा के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी के लेख पर एक जवाबी लेख लिखकर अद्भुत कौशल का परिचय दिया।वहीं चुनाव आयोग ने राहुल के दावों को बेतुका बताकर खारिज कर दिया, हालांकि उनके आरोपों का बिंदुवार खंडन करने से इनकार कर दिया। आयोग ने कहा कि वह ऐसा तभी करेगा, जब कांग्रेस नेता आयोग के पास आकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराएंगे। महाराष्ट्र चुनाव समाप्त हो चुके हैं और अब औपचारिक शिकायत का कोई मतलब नहीं है। चुनाव आयोग यह बात जानता है।लेकिन राहुल के आरोपों की चुनाव आयोग द्वारा जांच से भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के उसके सहयोगी दल भविष्य के चुनावों में हार से बचने के लिए क्या सावधानी बरतेंगे। कहते हैं जो पहले से ही चौकन्ना होता है, वो कम गलतियां करता है। तो क्या राहुल और उनके सहयोगी चुनाव प्रक्रिया की बारीकी से जांच करेंगे, ताकि सभी को समान अवसर मिल सकें?क्या उनके पास मतदाता सूची से लेकर उन निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान करने जहां वे कमजोर ?हालत में हैं, ईवीएम की सुरक्षा के लिए 24 घंटे नजर रखने और मतगणना प्रक्रिया की निगरानी करने की दृढ़ता, कठोरता और कार्यकर्ताओं की संख्या है?यह महत्वपूर्ण है कि राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनावों में धांधली सम्बंधी आरोप लगाने के बाद एक ट्वीट करते हुए आशंका व्यक्त की थी कि बिहार में होने जा रहे आगामी विधानसभा चुनावों में भी कुछ ऐसा ही हो सकता है। यह भी दिलचस्प है कि उन्हें एक अप्रत्याशित नेता से समर्थन मिला।चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर- जिनकी नवगठित जन सुराज पार्टी बिहार में अपना पहला चुनाव लड़ रही है- ने कहा कि राहुल के तर्कों में दम है। पीके का हस्तक्षेप इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वे 2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के प्रमुख रणनीतिकार थे।यह उभरता हुआ परिदृश्य बिहार के चुनावों को एक नया मोड़ देने वाला हो सकता है। पीके के समर्थन से उत्साहित राहुल की आक्रामक मुद्रा बताती है कि चुनाव आयोग की गतिविधियों की कड़ी निगरानी की जाएगी। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, राहुल की टीम इन दिनों बिहार में ही है और पूरे चुनाव के दौरान वहीं रहेगी।वह तेजस्वी यादव के राजद कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बिहार के निर्वाचन क्षेत्र-दर-निर्वाचन क्षेत्र, मतदान केंद्र-दर-मतदान केंद्र, मतदाता सूची-दर-मतदाता सूची का खाका तैयार कर रही है। प्रशांत किशोर की टीम तो इस तरह के विस्तृत चुनाव प्रबंधन में पहले से ही अनुभवी है।अगर महाराष्ट्र की तरह बिहार चुनाव परिणामों को लेकर भी सवाल उठते हैं तो चुनाव आयोग को प्रमाणों के साथ अपना बचाव करना होगा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि मई 2024 में हुए लोकसभा चुनाव और उसके महज पांच महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव के बीच महाराष्ट्र के मतदाताओं की संख्या में एक अजीबोगरीब उछाल आया था।दो लोकसभा चुनावों के बीच के पांच वर्षों में जहां यह संख्या 31 लाख बढ़ी थी, वहीं लोकसभा-विधानसभा चुनाव के पांच महीनों के अंतराल में यह 41 लाख बढ़ गई। राहुल ने चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदान के आंकड़ों पर भी संदेह जताया।उन्होंने कहा कि शाम 5 बजे के बाद से मतदान में अचानक उछाल आया था। मतदान केंद्रों के वीडियो फुटेज साझा करने की मांग की गई तो इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक पहुंच को प्रतिबंधित करने के लिए नियमों में संशोधन कर दिया गया। महाराष्ट्र के बारे में तो अब ज्यादा कुछ नहीं हो सकता। लेकिन लग रहा है बिहार चुनाव बहुत तनावपूर्ण होगा और चुनाव आयोग के हर कदम पर कड़ी नजर रखी जाएगी।यह महत्वपूर्ण है कि राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनावों में धांधली सम्बंधी आरोप लगाने के बाद एक ट्वीट करते हुए आशंका व्यक्त की थी कि बिहार में होने जा रहे आगामी विधानसभा चुनावों में भी कुछ ऐसा ही हो सकता है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं) 'आरती जेरथ'

पूर्वोत्तर के हमारे देशवासियों के साथ भेदभाव कब तक?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 मई, 2025 को कहा था कि 'आज गणेश-प्रतिमाएं भी विदेशों से आती हैं। छोटी आंख वाली प्रतिमाएं, जिनकी आंखें ठीक से खुलती भी नहीं।' पूर्वोत्तर के निवासी लंबे समय से नस्ली पूर्वग्रह और हिंसा झेल रहे हैं।2014 में दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश के एक किशोर की हत्या के बाद बेजबरुआ कमिटी बनी थी। कमिटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारतीय महानगरों में पूर्वोत्तर के 10 में से 9 लोगों को नस्ली भेदभाव का सामना करना पड़ता है। एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया कि पूर्वोत्तर की हर तीन में से दो महिलाएं किसी ना किसी प्रकार के भेदभाव की शिकार होती हैं।सबसे ताजा उदाहरण मेघालय हनीमून कांड का है, जो सुर्खियों में छाया रहा है। सोशल मीडिया पर मनगढ़ंत खबरों के जरिए एलीफेंट फॉल्स, डबल-डेकर लिविंग रूट ब्रिज, माव्स्माई गुफा जैसे दर्शनीय स्थलों वाले राज्य की छवि धूमिल की गई। न केवल मेघालय, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर को बदनाम करने का अभियान चलाया गया। वहां के निवासियों के खानपान से लेकर उनकी कद-काठी और भाषा को भी नहीं बख्शा

गया।सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसा बहुत कम आधिकारिक डेटा है, जो पूर्वोत्तर के निवासियों के योगदान को बताता हो, खासतौर पर हॉस्पिटैलिटी, विमानन और स्वास्थ्य क्षेत्र में। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के 2020 के सर्वेक्षण के अनुसार पूर्वोत्तर के राज्यों की प्रत्येक चार में से एक प्रवासी महिला हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में कार्यरत है। पांच साल बाद यह आंकड़ा और बढ़ा ही होगा। सर्वे में सामने आया कि इनमें से अधिकतर महिलाएं अनौपचारिक, कम वेतन और बगैर सामाजिक सुरक्षा वाली नौकरियों में हैं।मेरा पूर्वोत्तर से पुराना नाता और विशेष लगाव है। 1991 में मैंने एडवरटाइजिंग की नौकरी छोड़कर क्विज शो करना शुरू किया। शुरुआती सालों में ये क्विज गुवाहाटी, शिलॉन्ग, कोहिमा, इम्फाल, दीमापुर समेत पूर्वोत्तर के कई शहरों में हुए थे। ये शो एक इंस्टैंट नूडल्स ब्रांड के प्रचार के लिए थे, जिसका उन क्षेत्रों में एक बड़ा बाजार था।हर शो के लिए मुझे 2500 रुपए मिलते थे। लेकिन साथ ही वह पूर्वोत्तर की यात्रा करने और उसे अच्छी तरह से समझने का बेहतरीन अवसर भी था। मैंने वहां के लोगों को हमेशा अपने स्वागत के लिए तत्पर पाया। जब भी कोई उनका गलत चित्रण करता है तो मुझे बेहद तकलीफ होती है।इस लेख को लिखते समय मैंने मणिपुर की 30 वर्षीय महिला तोंशिमला लीसन से बात की। वो एक प्रतिष्ठित एयरलाइन के केबिन क्रू में कार्यरत हैं। उन्होंने मुझे बताया कि एक वर्ष पहले दिल्ली मेट्रो में कुछ युवा उन्हें और मेरी मां को घूरे जा रहे थे।उन्होंने उन्हें देखकर 'चाइनीज', 'चिंकी' जैसी फब्तियां भी कसीं। उनके सहकर्मी भी उनके नामों को लेकर मजाक बनाते हैं। जहां कई या?त्री उनकी कड़ी मेहनत की तारीफ करते हैं, वहीं कई अन्य उन्हें अकसर नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं।हाल ही में हादसे के शिकार हुए एअर इंडिया विमान के केबिन क्रू की दो सदस्य भी मणिपुर से थीं। एक कुकी और दूसरी मैतेई समुदाय से थीं। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। दुःख की घड़ी में पूरा मणिपुर एकजुट था।

आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन पर एफआईआर,उनकी कार ने रोड शो में एक व्यक्ति को कुचला था,वीडियो सामने आने पर कार्रवाई

नयी दिल्ली। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के पिछले साल पुलिस प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या कर ली मृतक सिंघैया को कुचला था। यह गाड़ी पूर्व सीएम के काफिले का

खिलाफ हिट एंड रन मामले में एफआईआर दर्ज हो गई है। यह जानकारी गुंटूर जिले के एसपी एस सतीश कुमार ने रविवार देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसपी ने बताया कि पूर्व सीएम की कार ने 5 दिन पहले रोड शो के दौरान 53 साल के व्यक्ति को कुचल दिया था। अस्पताल ले जाते वक्त उनकी मौत हो गई। मृतक का नाम चीली सिंघैया है। वह जगन की पार्टी वाईएसआरसीपी के कार्यकर्ता थे। वीडियो सामने आने के बाद कार्रवाई हुई।घटना 18 जून की है। जगन पालनाडु जिले के रेंटापल्ला गांव में पार्टी के एक कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रहे थे। कार्यकर्ता ने थी। जगन मोहन उसी के समर्थन में रोड शो कर रहे थे। जब काफिला एतुकुरु बाइपास से गुजर रहा था, तब यह हादसा हुआ।एसपी सतीश कुमार ने 18 जून की शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि सिंघैया काफिले पर फूल फेंकते समय गिर गए और गाड़ी की चपेट में आ गए। गाड़ियां बिना रुके आगे बढ़ गईं। हाईवे पेट्रोलिंग पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पहले पुलिस ने कहा था कि हादसा जगन की कार से नहीं हुआ।मामले का खुलासा वीडियो से हुआ पुलिस ने 18 जून को दावा किया था कि एक प्राइवेट व्हीकल (एपी 26 सीई 0001) ने हिस्सा नहीं थी, लेकिन वीडियो सामने आने के बाद मामले का खुलासा हुआ और पुलिस ने एफआईआर में अन्य धाराएं बढ़ाईं। एसपी ने यह भी बताया था कि पूर्व सीएम के काफिले में सिर्फ तीन गाड़ियों की परमिशन दी गई थी, जबकि उनके काफिले में 30 से ज्यादा वाहन शामिल थे। इस मामले में मृतक की पत्नी की शिकायत पर लापरवाही से मौत की धारा 106 (1) के तहत केस दर्ज किया गया है। एफआईआर में कार ड्राइवर रमन्ना रेड्डी, रेड्डी के पीए नागेश्वर रेड्डी, पूर्व सांसद वाईवी सुब्बा रेड्डी, पूर्व विधायक पेरनी नानी और पूर्व मंत्री विदादला रजिनी का भी नाम है।

कौन हैं गोपाल इटालिया? पुलिस कांस्टेबल से बने गुजरात के विधायक, बीजेपी को नहीं खिलाने दिया कमल, जानें सबकुछ

नयी दिल्ली। गुजरात विधानसभा के उप चुनाव में आप नेता गोपाल इटालिया ने मजबूती विभागीय मजिस्ट्रेट के कार्यालय में एक राजस्व क्लर्क के रूप में तैनात हुए। इटालिया पाटीदार इसुदान गढ़वी को सौंप दी।गोपाल इटालिया इस बीच वकालत में सक्रिय हुए। वे कई

वापसी करते हुए विसावदर की सीट से जीत दर्ज की है। इसके साथ ही गोपाल इटालिया आप की टिकट पर गुजरात में विधायक बनने वाले छठवें नेता हो गए हैं। 2022 मे भूपत भायाणी के बीजेपी में जाने से विसावदर की सीट खाली हुई थी। कभी अहमदबाद पुलिस के मधुपुरा थाने में महज एक पुलिस कांस्टेबल की नौकरी करने वाले गोपाल इटालिया ने गुजरात विधानसभा उप चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करके चौंका दिया है। 30 महीने पहले गोपाल इटालिया 2022 के विधानसभा चुनावों मे सूरत की कतारगाम विधानसभा सीट से चुनाव हार गए थे लेकिन अब उन्होंने विसावदर उप चुनाव में जीतकर विधानसभा में एंट्री कर ली है। 35 साल के गोपाल इटालिया जहां कई विवादों में आ चुके हैं तो वहीं वे कई भूमिका भी निभा चुके हैं। राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि गोपाल इटालिया की वजह से विसावदर में बीजेपी एक बार फिर हार गई। बीजेपी इस सीट पर 2007 में आखिरी बात जीती थी।गोपाल इटालिया का जन्म 21 जुलाई 1989 को गुजरात बोटाद में हुआ था। इसके बाद उन्होंने भावनगर जिले के उमराला तालुका के टिम्बी गांव में अपनी प्राथमिक पढ़ाई पूरी की। ढोला गांव में अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। गोपाल इटालिया अपनी मां के साथ ननिहाल में बड़े हुए। गोपाल इटालिया ने 2013 में 25 साल की आयु में गुजरात पुलिस में कांस्टेबल की नौकरी हासिल की।इसके बाद इटालिया ने जनवरी 2013 से, इटालिया ने 2016 तक अहमदाबाद पुलिस के मधुपुरा पुलिस स्टेशन में एक कांस्टेबल के रूप में काम किया। इटालिया का जल्द ही इस नौकरी से मोहभंग हो गया। फिर 2014 में वह अहमदाबाद कलेक्ट्रेट के तहत धंधुका तालुका उप-(पटेल) हैं। वह बेहद गरीब परिवार से आते हैं।मार्च 2017 में गृह राज्य मंत्री प्रदीप सिंह जडेजा पर कथित तौर पर जूता फेंकने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद इटालिया ने सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया। इससे पहले उन्हें बतौर पुलिसकर्मी भी एक मामले में शराबबंदी से जुड़े मामले में बोलने के लिए कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा। उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई। इटालिया और अन्य ने एक मामले में 10 दिन जेल में भी बिताए, जहां उन्होंने एक भाजपा नेता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इससे पहले वह बोटाद पाटीदार अनामत आंदोलन समिति के सदस्य के रूप में हार्दिक पटेल के साथ भी जुड़े। हालांकि जून 2020 में इटालिया आम आदमी पार्टी (आप) की गुजरात राज्य इकाई में राज्य उपाध्यक्ष के रूप में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने राज्य में युवा जोड़ो यात्रा निकाली और केजरीवाल का ध्यान खींचा। इसके बाद उन्हें 12 दिसंबर 2020 को राज्य अध्यक्ष नियुक्त किया गया।फरवरी 2021 के गुजरात स्थानीय निकाय चुनावों के बाद में इटालिया की अगुवाई में आप ने सूरत नगर निगम में 27 सीटें जीतीं। 2022 में इटालिया को फिर आप गुजरात के अध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त किया गया। 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 5 सीटों के साथ 12.92फीसदी वोट हासिल किए। पार्टी पांच सीटों पर विजयी हुई। हालांकि खुद कतारगाम से हार गए। इन चुनावों में यह माना गया कि इटालिया के पुराने कुछ विवाद पार्टी को भारी पड़े। इसमें पीएम मोदी पर टिप्पणी भी शामिल थी। पार्टी ने उन्हें अध्यक्ष पद से हटा महाराष्ट्र का प्रभारी बना दिया और प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मामले में बतौर वकील कोर्ट में पेश हुए इटालिया 2016 में गुजरात विश्वविद्यालय से संबद्ध एक कॉलेज से राजनीति विज्ञान में बीए की डिग्री ली है। इसके बाद सौराष्ट्र विश्वविद्यालय से एलएलबी की पढ़ाई की। वह 2020 में पास हुए। इसके बाद इटालिया ने एल एल एम की डिग्री ली। विसावदर से जीते भूपत भायाणी ने जब इस्तीफा दे दिया और आप में चले गए तो पार्टी के सामने विसावदर की सीट बचाने की चुनौती थी। लंबे इंतजार के बाद जब मई में चुनाव घोषित हुए थे। तो आप गोपाल इटालिया को दिल्ली चुनावों के बाद ही कैंडिडेट बना चुकी थी। इटालिया ने इस चुनाव में बीजेपी के किरीट पटेल को शिकस्त दी।फुल टाइम पॉलिटिक्स करने वाले गोपाल इटालिया आप के सबसे युवा प्रदेश अध्यक्ष हैं। उनके परिवार में मां के अलावा पत्नी और एक बेटी है। गोपाल इटालिया को कविताएं लिखने का शौक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए विवादित शब्द का प्रयोग करने पर इटालिया को दिल्ली पुलिस और फिर बाद में राष्ट्रीय महिला आयोग की कार्रवाई का सामना करना पड़ा था। इटालिया के खिलाफ यह कार्रवाई एक पुराने वीडियो के लिए हुई थी। जो 2022 के गुजरात विधानसभा चुनावों में सामने आया था। बीजेपी ने इस मुद्दे पर काफी तूल दिया था। तब दिल्ली पुलिस ने गोपाल इटालिया को ढ़ाई घंटे हिरासत में रखा था। विसावदर के चुनावों में अरविंद केजरीवाल ने इटालिया को हीरो बताकर पेश किया था। केजरीवाल ने चैलेंज किया था कि बीजेपी ने भूपत भायाणी (पिछले विधायक) को तोड़ लिया। अगर बीजेपी गोपाल इटालिया को खरीद ले तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। इटालिया केजरीवाल के भरोसेमंद माने जाते हैं।

पेट्रोल रु120 लीटर तक पहुंच सकता है:वजह- तेल सप्लाई का सबसे बड़ा रास्ता बंद कर सकता है ईरान; क्रूड ऑयल 80 डॉलर हुआ

नयी दिल्ली। ईरान की संसद ने हाल ही में अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया है। अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होता है तो इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम पर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये तेल सिक्योरिटी काउंसिल की मंजूरी चाहिए। ईरान का कहना है कि अगर उसे और परेशान किया गया, तो वो इस रास्ते को बंद करके वैश्विक तेल सप्लाई को बाधित कर सकता है।अगर ये रास्ता बंद होता है, तो तेल की सप्लाई में दिक्कत आएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि है। अगर स्ट्रेट बंद हुआ तो वैकल्पिक रास्तों जैसे केप ऑफ गुड होप से तेल लाना पड़ेगा, जो 7-13 दिन ज्यादा लेता है और प्रति यात्रा 1 मिलियन डॉलर (8.66 करोड़) अतिरिक्त खर्च होगा।भारत सरकार इस मसले पर पूरी नजर रखे हुए है। हरदीप सिंह पुरी ने आश्वासन

व्यापार का अहम रास्ता है।इस खबर के सामने आने के बाद क्रूड ऑयल के दाम बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गए हैं। भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा इम्पोर्ट करता है। अगर क्रूड ऑयल के दाम लंबे समय तक बढ़े रहते हैं, तो तेल कंपनियों को पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने पड़ सकते हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक तंग समुद्री रास्ता है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। ये सिर्फ 33 किलोमीटर चौड़ा है, लेकिन दुनिया का 20-25फीसदी कच्चा तेल और 25फीसदी नेचुरल गैस इसी रास्ते से गुजरती है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर जैसे देशों से तेल के टैंकर इसी रास्ते से दुनियाभर में जाते हैं। भारत के लिए ये रास्ता इसलिए खास है, क्योंकि हमारा 40फीसदी से ज्यादा तेल इसी रास्ते आता है। अगर ये बंद हो जाए, तो तेल की सप्लाई में रुकावट आ सकती है। ईरान और इजराइल के बीच तनाव पहले से चल रहा था, 22 जून को अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों- नतांज, फोर्डो और इस्फहान पर हवाई हमले किए। इससे नाराज ईरान की संसद ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया। हालांकि, इस फैसले को लागू करने के लिए ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई और नेशनल कच्चे तेल की कीमतें 30-50फीसदी तक बढ़ सकती हैं। अभी ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है, लेकिन ये 120-150 डॉलर तक जा सकता है। इसका असर भारत पर भी हो सकता है:पेट्रोल-डीजल महंगाः तेल महंगा होने से पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। माना जा रहा है कि पेट्रोल 120 रुपए प्रति लीटर या उससे ज्यादा हो सकता है। महंगाई का बढ़नाः पेट्रोल-डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट का खर्च बढ़ेगा, जिससे खाने-पीने की चीजें, दवाइयां और दूसरी जरूरी चीजें भी महंगी हो जाएंगी।नहीं, भारत ने हाल के वर्षों में अपनी तेल सप्लाई को काफी हद तक डायवर्सिफाई किया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मुताबिक, भारत में रोजाना 5.5 मिलियन बैरल तेल की खपत है, जिसमें से सिर्फ 1.5-2 मिलियन बैरल ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से आता है। बाकी 4 मिलियन बैरल रूस, अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका और ब्राजील जैसे देशों से आता है। भारत ने जून 2025 में रूस से 2.16 मिलियन बैरल तेल प्रतिदिन आयात किया। ईरान से भारत ने 2019 के बाद तेल आयात लगभग बंद कर दिया है, क्योंकि अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगाए हैं। लेकिन इराक, सऊदी अरब, यूएई और कुवैत जैसे देशों से 40फीसदी तेल इस रास्ते से आता दिया है कि भारत के पास कई हफ्तों का तेल भंडार है और तेल कंपनियां कई रास्तों से सप्लाई ले रही हैं। उन्होंने कहा- 'हम पिछले दो हफ्तों से मिडिल ईस्ट के हालात पर नजर रख रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने तेल सप्लाई को डायवर्सिफाई किया है, और अब हमारा बड़ा हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से नहीं आता। हमारी तेल कंपनियों के पास कई हफ्तों का स्टॉक है, और हम नागरिकों को ईंधन की स्थिर सप्लाई सुनिश्चित करेंगे।' रणनीतिक भंडारः भारत के पास पुडुर (2.25 मिलियन मीट्रिक टन), विशाखापट्टनम (1.33 मिलियन मीट्रिक टन) और मेंगलुरु (1.5 मिलियन मीट्रिक टन) में रणनीतिक तेल भंडार हैं।नहीं, इसे पूरी तरह बंद करना आसान नहीं। स्ट्रेट में दो-दो मील की शिपिंग लेन हैं, और इसे बंद करने के लिए ईरान को बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करनी होगी, जैसे टैंकरों पर हमला करना या समुद्र में माइंस बिछाना। अमेरिका और सऊदी अरब जैसे देश इसे खुला रखने के लिए तुरंत जवाबी कार्रवाई कर सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान शायद इसे पूरी तरह बंद न करे, क्योंकि इससे उसके दोस्त देश जैसे चीन को भी नुकसान होगा। फिर भी, आंशिक रुकावट भी कीमतों को बढ़ा सकती है।

वंदेभारत ट्रेन में गुंडई कर विधायक जी बुरा फंसे, बीजेपी ने राजीव पारीछा को नोटिस में 7 दिनों का अल्टिमेटम दिया

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में विधायक राजीव सिंह पारीछा को गुंडागर्दी की वारदात भारी दिखाई दे रहा है कि ट्रेन में 6-8 लोग घुसते हैं और विंडो सीट पर बैठे पैसेंजर की पिटाई शुरू

पड़ती नजर आ रही है। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में विंडो सीट के विवाद में सहयात्री को पिटवाने के मामले में अब भाजपा ने उन्हें नोटिस थमाया है। पार्टी ने विधायक की हरकत को अनुशासनहीनता की श्रेणी में मानते हुए 7 दिनों के अंदर जवाब देने का निर्देश दिया है।भाजपा के प्रदेश महामंत्री और मुख्यालय प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला के हस्ताक्षर से जारी लेटर में बबीना सीट से विधायक राजीव पारीछा को नोटिस भेजा गया है। ट्रेन में लोगों को बुलवाकर यात्री से मारपीट की घटना को अनुशासनहीनता और इस कृत्य से पार्टी की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव की बात करते हुए 7 दिनों के अंदर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के हवाले से जारी नोटिस में कहा गया है कि समय से स्पष्टीकरण या संतोषजनक उत्तर नहीं प्राप्त होने पर पार्टी की तरफ से कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि ट्रेन में हुई मारपीट की घटना सीसीटीवी फुटेज में भी कैद हो गई। यह पूरा हंगामा केवल इसीलिए हुआ कि विधायक ने विंडो सीट बदलने की डिमांड बगल वाले यात्री ने खारिज कर दी थी।ट्रेन में लगी इस सीसीटीवी फुटेज में साफ कर देते हैं, जिससे विधायक का विवाद हुआ था। फुटेज में दिख रहा है कि पिटाई के दौरान विधायक राजीव सिंह पारीछा एक ओर खड़े हैं। बताया जा रहा है कि पिटाई करने वाले सभी लोग विधायक के समर्थक हैं और इनमें से एक उनका एक सुरक्षाकर्मी रहा है।पिटाई की यह घटना 19 जून को हुई थी जब दिल्ली से चलकर वंदे भारत ट्रेन झांसी से होते हुए भोपाल की ओर जा रही थी। इस ट्रेन में विधायक अपने परिवार के साथ सवार थे। एक सीट दूसरी जगह होने के कारण विधायक ने विंडो सीट पर बैठे पैसेंजर से दूसरी जगह जाने को कहा और इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। दिल्ली से शुरू हुआ विवाद झांसी तक बढ़ता गया और आरोपों के अनुसार ट्रेन के झांसी पहुंचने पर विधायक समर्थक ट्रेन में पहुंचे और उस पैसेंजर की पिटाई कर दी।इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से केस दर्ज कराया गया है और जांच की जा रही है। भाजपा विधायक ने पैसेंजर पर बदसलूकी का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है, जबकि पैसेंजर ने विधायक और उनके समर्थकों पर मारपीट का केस दर्ज कराया है।

झाड़-फूंक के चक्कर में दौड़ते रहे परिजन, धीरे- धीरे फैल गया जहर, बिच्छू के डंक मारने से बांका में दो लोगों की मौत

बांका। जिले के आनंदपुर थाना क्षेत्र में बिच्छू डंक की दो अलग-अलग घटनाओं में एक देखते हुए देवघर रेफर कर दिया। देवघर पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस खबर

मासूम और एक किशोर की मौत हो गई। पहली घटना असुढा पंचायत के गोंदरा गांव की है, जहां झाड़-फूंक के चक्कर में चार वर्षीय मासूम हैप्पी कुमार की जान चली गई। मृतक अमित कुमार यादव और जूली कुमारी का इकलौता पुत्र था।देर शाम खेल के दौरान हैप्पी को बिच्छू ने पैर में डंक मार दिया। परिजन उसे अस्पताल ले जाने की बजाय पहले गांव के एक मंदिर में झाड़-फूंक के लिए ले गए, जहां नीर पिलाकर घरेलू उपचार किया गया। जब बच्चे की हालत बिगड़ने लगी, तो उसे कटोरिया रेफरल अस्पताल ले जाया गया।वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक डॉ. अमित महाजन ने गंभीर स्थिति के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मां जूली कुमारी सदमे में बार-बार बेहोश हो रही थीं, जबकि पिता अमित यादव और नाना सुरेश यादव का रो-रोकर बुरा हाल था। परिवार की दो छोटी बेटियां भी मां के साथ बिलखती रहीं।दूसरी घटना विदाई डीह गांव की है, जहां 12 वर्षीय किशोर मो. इरशाद की भी बिच्छू डंक से मौत हो गई। दोनों घटनाओं ने क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है। ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने समय पर इलाज के महत्व पर जोर देते हुए झाड़-फूंक जैसी अंधविश्वास की प्रथाओं पर चिंता जताई है। ध्यान रहे कि समय पर इलाज मिलने से दोनों की जिंदगी बच सकती थी।

केदारनाथ दर्शन नहीं, भोलेनाथ से सवाल पूछने गया था: जीतन राम मांझी बोले- मैं पूजा नहीं करता, फिर भी...

गया। बिहार के गयाजी जिले में 'कुमकुममार्चन यज्ञ' आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के दर्शन के बाद एक हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हुआ था। इसमें कुछ लोगों की मौत हो गई थी। लेकिन

उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय मंत्री और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के नेता जीतन राम मांझी ने एक भावुक और चौंकाने वाला बयान दिया। जीतन राम मांझी ने कहा कि वे केदारनाथ भगवान शंकर की पूजा करने नहीं, बल्कि उनसे यह पूछने गए थे कि वे इतना आशीर्वाद क्यों देते हैं, जबकि वे नियमित पूजा-पाठ भी नहीं करते हैं।केंद्रीय मंत्री मांझी ने कहा, 'हम केदारनाथ पूजा करने नहीं, बाबा से पूछने गए थे कि आप इतनी कृपा काहे करते हैं। हमारा पूजा पाठ में आस्था तो है, लेकिन हम करते नहीं हैं। फिर भी आप सब कुछ पूरा कर देते हैं।' उन्होंने बताया कि केदारनाथ में उनके ये संयोग है कि हादसा उनके दर्शन करके जाने के बाद हुआ।' मांझी का मानना है कि यह भी भगवान की कृपा का ही परिणाम है।जीतन राम मांझी ने मंच से कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं मुख्यमंत्री बनूंगा, लेकिन बाबा ने बना दिया। सांसद, केंद्रीय मंत्री भी बना दिया। भोलेनाथ मेरे लिए सबका दिमाग बदल देते हैं।'इस कार्यक्रम में कई बड़े नेता भी शामिल रहे। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन, धनबाद विधायक राज सिन्हा, एमएलसी जीवन कुमार और राज्यसभा सांसद नीरज शेखर जैसे कई गणमान्य अतिथि भी मौजूद थे।

फतेहपुरः एक-दो नहीं महिला ने रचाई 5 शादियां... अब देवर के इश्क में गिरफ्तार! पति को कई बार पिटवाया

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले से एक अजब-गजब कारनामा सामने आया है। यहां एक महिला ने एक-दो नहीं बल्कि 5 युवकों से शादियां रचाई। इतना ही नहीं अब अपने देवर के इश्क में दीवानी है। पीड़ित पति का आरोप है कि महिला कई बार बाहरी व्यक्तियों से उसकी पिटाई भी करा चुकी है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।जानकारी के मुताबिक राधानगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पंकज अग्रहरी नामक युवक की शादी 16 अप्रैल को बांदा जिले के मरका थाना के रहने वाली एक महिला से हुई थी। महिला की यह पांचवीं शादी थी। बताया जा रहा है कि शादी के बाद कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा। पति पंकज का आरोप है कि अचानक कुछ ही महीनों बाद ही उसके छोटे भाई (सगे देवर) से पत्नी का अफेयर शुरू हो गया। इतना ही नही महिला ने पंकज से शादी रचाने के पहले चार शादियां कर चुकी है। पंकज उसका पांचवां पति है।आरोप कि महिला ने पति पंकज के घर से जेवर और नकदी अपने मायके भेज दी है। साथ ही अत्याचार की हदें पार करते हुए महिला ने सास-ससुर को बेघर करने के साथ महिला ने बाहरी लड़कों को बुलाकर कई बार पति की पिटाई भी करवाई।पीड़ित ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि पत्नी से जान का खतरा है। थानाध्यक्ष ने बताया कि युवक के शिकायती पत्र के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

मैं जिम्मेदारी लेता हूं... गुजरात उपचुनाव में कांग्रेस की करारी हार, प्रदेश अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने दिया इस्तीफा

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा उपचुनावों के कांग्रेस के शर्मनाक प्रदर्शन पर प्रदेश अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिला ने इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने चुनाव नतीजे घोषित होने के बाद कहा कि आज गुजरात में हमारे उपचुनाव के नतीजे आए हैं। जहां हम पिछले 30 सालों से सत्ता में नहीं हैं। वहां हमारे कार्यकर्ताओं ने बब्बर शेर की तरह चुनाव लड़ा लेकिन नतीजे बहुत बुरे आए। मैं प्रदेश अध्यक्ष हूं और इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मैंने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को अपना इस्तीफा भेज दिया है। गोहिल 2022 विधानसभा चुनावों के बाद प्रदेश अध्यक्ष बने थे। वह राज्यसभा के भी सदस्य हैं।राज्य सभा के सदस्य शक्ति सिंह गोहिल कांग्रेस आलाकमान में राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं। उनके इस्तीफे से गुजरात की राजनीति गरमा गई है, तो वहीं कांग्रेस के अंदर सरगर्मी बढ़ गई कि गोहिल का इस्तीफा अगर स्वीकार होता है तो फिर नया अध्यक्ष कौन होगा? गोहिल के इस्तीफे के बाद अहमदाबाद की दाणीलीमड़ा सीट से विधायक शैलेष परमार को अंतरिम अध्यक्ष का चार्ज सौंपा है।ऐसी चर्चा है कि स्थायी अध्यक्ष की नियुक्ति होने पर परमार चार्ज संभाल सकते हैं। गोहिल मूलरूप से भावनगर के रहने वाले हैं। वे गुजरात में कांग्रेस की आखिरी सरकार में मंत्री रह चुके हैं।शक्तिसिंह गोहिल ने कार्यभार संभालने के महज दो साल के भीतर ही गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया है। उन्होंने जून 2023 में जगदीश ठाकोर के इस्तीफे के बाद बागडोर संभाली थी। ठाकोर ने 2022 के विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद पद छोड़ दिया था। कांग्रेस 1995 से गुजरात में सत्ता से बाहर है। तब से हर विधानसभा चुनाव में उसे हार का सामना करना पड़ा है। गुजरात में कांग्रेस 1995, 1998, 2002, 2007, 2012, 2017 और 2022 के चुनाव हार चुकी है।गोहिल का इस्तीफा ऐसे वक्त पर सामने आया है जब राज्य में सभी 40 नए जिला/शहर अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। कुछ सूत्र कह रहे हैं। इस सूची में उनके लोगों को दरकिनार किया जाना भी इस्तीफे की वजह हो सकती है। इससे पहले राज्य में दलित नेता और विधायक जिग्नेश मेवाणी ने तीखा विरोध करते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। ऐसा उन्होंने इसलिए किया था क्योंकि राज्य में आलाकमान ने पार्टी के लिए मजबूती से काम नहीं करने वाले नेताओं पर कार्रवाई नहीं की थी। गुजरात कांग्रेस में यह सब ऐसे वक्त पर हुआ है जब राहुल गांधी 2027 में बीजेपी को हराने की तैयारी कर रहे हैं।

राज बब्बर हुए 73 के, रेखा से नजदीकियां बढ़ीं:अमिताभ की फिल्मों से निकाले गए, रेप सीन देखकर जनता बोली- गोली मार दो; खलनायक से बने जननायक

नयी दिल्ली। एक्टर से राजनेता बने राज बब्बर की गिनती फिल्म इंडस्ट्री के बेहतरीन एक्टर्स में की जाती है।

हालांकि करियर की शुरुआत में उन्हें कई फिल्मों में छोटी-मोटी भूमिकाएं करनी पड़ीं। सबसे बड़ा मौका उन्हें दिलीप कुमार की फिल्म 'शक्ति' में मिला था, लेकिन बाद में इस फिल्म में उनकी जगह अमिताभ बच्चन की एंट्री हुई।इतना ही नहीं, अमिताभ बच्चन की वजह से राज बब्बर डायरेक्टर प्रकाश मेहरा की फिल्म 'नमक हलाल' भी नहीं कर पाए। बी आर चोपड़ा की फिल्म 'इंसाफ का तराजू' राज बब्बर के करियर की सबसे यादगार फिल्मों में से एक है।एक्टर ने इस फिल्म में नेगेटिव रोल निभाया था। जिसे करने से कई स्टार्स पहले मना कर चुके थे। राज बब्बर ने नेगेटिव रोल को इतनी शिद्दत से निभाया था कि दर्शक उनसे नफरत करने लगे थे।करियर की शुरुआत में राज बब्बर ने लगभग 14 फिल्मों में छोटी-मोटी भूमिकाएं कीं। उनमें से कुछ फिल्में रिलीज हुई थीं। जिसमें से एक फिल्म 'शारदा' है। लेख टंडन के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में जितेंद्र और रामेश्वरी लीड भूमिका में

थे।इंडिया टीवी को दिए इंटरव्यू में राज बब्बर ने कहा था- 'शारदा' में मुझे सिर्फ 500 रुपए मिले थे। कहने को तो सारिका के सामने सेकेंड हीरो की भूमिका थी, लेकिन फिल्म के एंड में चेहरा नजर आता है। जितेंद्र जब पकड़ते हैं तब सिर्फ इतना ही डायलॉग था कि 'नहीं पहचाना मुझे..'सारिका कहती हैं वही है। बस इतनी सी लाइन फिल्म में थी।राज बब्बर के करियर की 'इंसाफ का तराजू' ऐसी फिल्म थी, जिससे बतौर एक्टर वे फिल्म इंडस्ट्री में स्थापित हो गए। इस फिल्म में राज बब्बर ने एक बलात्कारी की भूमिका निभाई थी। इस किरदार को निभाने से कई स्टार्स ने पहले मना कर दिया था।राज बब्बर ने अपने किरदार को परदे पर ऐसा जीवंत किया था कि लोग उनसे नफरत करने लगे थे। फिल्म में रेप सीन को देखकर दर्शक कहने लगे थे कि ऐसे एक्टर को गोली से मार देनी चाहिए।राज बब्बर ने बताया था- जब बीआर चोपड़ा के ऑफिस पहुंचा तो चोपड़ा साहब ने कहा कि वह एक फिल्म बना रहे हैं। जीनत से बात हो गई है। जब उन्होंने कहानी सुनाई गई तो मेरा दिमाग रमेश के किरदार पर अटक गया। मैं थिएटर के बैकग्राउंड से आया था। मेरे दिमाग में हीरो और विलेन वाली बात नहीं थी। बस मुझे अच्छे किरदार करने थे। मैं मन ही मन प्रार्थना कर रहा था कि रमेश का किरदार मिल जाए। कहानी सुनाने के बाद चोपड़ा साहब ने खुद कहा कि तुम रमेश का किरदार कर रहे हो।जैसे आजकल शादी के लिए लड़कियां देखी जाती हैं। वैसे बड़ी हीरोइनें किसके साथ काम करेंगे, ये देखती थीं। पहली मुलाकात में ही जीनत जी ने मेरे साथ काम करने के लिए हामी भर दी थी। उन्होंने मुझसे कहा, तुम्हें कोई दिक्कत तो नहीं है ना, मेरा रोल बढ़िया, मैं तो करूंगी।जब फिल्म के लिए फोटो शूट रखा गया तब मेरे पास अच्छी शर्ट नहीं थी। तब रेनू भाभी (रवि चोपड़ा की पत्नी) ने रवि जी का शर्ट दिया था। उसी शर्ट में मेरा फोटो शूट जीनत अमान और दीपक पाराशर के साथ हुआ था। फिल्म के पोस्टर में जो शर्ट दिखता है, वही है।राज बब्?बर फिल्म में काम करने के लिए तैयार हो गए, लेकिन अपनी इमेज को लेकर सबसे ज?यादा डरे हुए थे। राज बब्बर ने कहा था- मैंने चोपड़ा साहब से यह गुजारिश की थी कि रेप सीन में कुछ बदलाव करें। इसे वीभत्स और खौफनाक बनाने की बजाय थोड़ा नरम रुख अपनाएं, लेकिन चोपड़ा साहब अपनी फिल्म और स्क्रिप्ट को लेकर स्पष्ट थे। वह ऐसा कोई बदलाव नहीं चाहते थे।वह यही चाहते थे कि यह सीन इस कदर भयानक हो कि जब अंत में एक?ट्रेस अपने रेपिस्ट को गोली मारे तो वह गुस्सा दर्शकों को भी महसूस होना चाहिए। खास बात ये है कि ऐसा हुआ भी।फिल्म देखने के बाद मां फूट-फूटकर रोई थीफिल्म में रेप सीन की वजह से लोगों ने राज बब्बर को खूब खरी-खोटी सुनाई थी। राज बब्बर ने आप की अदालत में बताया था- मैं अपनी मां के साथ फिल्म देखने गया था। इंटरवल में हर आदमी गाली दे रहा था। खासकर औरतें बहुत गालियां दे रही थीं। मेरी मां को बहुत बुरा लगा। जब हम फिल्म देखकर टैक्सी में बैठ गए तो मेरी मां ने रोना शुरू कर दिया।राज बब्बर को पहले रमेश सिप्पी की फिल्म 'शक्ति' में अमिताभ बच्चन की जगह साइन किया गया था। राज बब्बर ने 'आपकी अदालत' में फिल्म 'शक्ति' से जुड़ा किस्सा शेयर किया था। राज ने कहा था- उन दिनों मैं दिल्ली में नाटकों में काम करता था। फिल्म के राइटर सलीम-जावेद साहब ने मुझे वहीं से फाइनल किया था। मेरा स्क्रीन टेस्ट दिलीप साहब को दिखाया गया था। उन्हें मेरा स्क्रीन टेस्ट पसंद भी आया। सब कुछ फाइनल था, लेकिन कॉमर्शियल कारणों से मुझे फिल्म से हटा दिया गया।राज बब्बर ने बताया था- मैंने कभी भी इस बारे में चर्चा नहीं की, लेकिन जब जावेद साहब ने एक इंटरव्यू के दौरान इस बारे में खुलासा किया, तब मैं यह बात कर रहा हूं।राज बब्बर ने कहा था- मेरे साथ ऐसे हादसे होते रहे। जो मुझे मिलना चाहिए था वो छीनकर कोई और ले जाता था। प्रकाश मेहरा ने मुझे दो फिल्मों के लिए साइन किया था। उनमें से एक फिल्म 'नमक हलाल' थी। उस समय मैं दिल्ली में रहता था। मैंने प्रकाश मेहरा से कहा कि मेरे पास मुंबई में रहने की कोई जगह नहीं है, आपको मुझे एक घर देना होगा।प्रकाश मेहरा ने मुझे एक साल तक रहने की जगह दी, लेकिन बाद में जब उन्होंने कहा कि मैं तुम्हें ये रोल

नहीं दे सकता, तो मैंने कहा कि मैं अभी एक साल और इस घर में रहूंगा। ठीक एक साल के बाद मैंने प्रकाश मेहरा का घर छोड़ दिया, लेकिन उसी घर की बदौलत मुंबई में अपना घर बना पाया।न्यूज 18 में छपी खबर के मुताबिक 'नमक हलाल' में अमिताभ बच्चन, राज बब्बर के साथ काम करने को इच्छुक नहीं थे। वे राज बब्बर के बदले किसी बड़े लोकप्रिय कलाकार को अपने साथ चाहते थे। अमिताभ के दबाव के कारण प्रकाश मेहरा ने राज बब्बर की जगह शशि कपूर को फिल्म में लिया, लेकिन अमिताभ की यह जिद प्रकाश मेहरा को बुरी लगी।अमिताभ बच्चन की वजह से भले ही प्रकाश मेहरा, राज बब्बर के साथ 'नमक हलाल' में काम नहीं कर पाए, लेकिन बाद में उन्होंने राज बब्बर को अपनी अगली फिल्म 'मुकद्दर का फैसला' में राज कुमार, राखी, मीनाक्षी शेषाद्रि और टीना मुनीम के साथ कास्ट किया। यह फिल्म 31 जुलाई 1987 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म का निर्माण करण जौहर के पिता यश जौहर ने किया था।राज बब्बर और रेखा के बीच नजदीकियों के भी खूब चर्चे रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो स्मिता पाटिल के निधन के बाद राज बब्बर पूरी तरह से टूट गए थे। उस गम से बाहर निकलने में राज बब्बर को कई साल लगे। उसी दौरान उनकी दोस्ती रेखा से हो गई। बताया जाता है उसी वक्त रेखा और अमिताभ बच्चन का रिश्ता भी टूटा था। ऐसी स्थिति में राज और रेखा एक-दूसरे का सहारा बन गए थे। राज बब्बर और रेखा के रिश्ते की काफी चर्चा होने लगी थी।जब दोनों के रिश्ते की खबरें बॉलीवुड में फैलने लगी तब रेखा ने राज बब्बर से शादी की बात की। जैसे ही रेखा ने उन्हें शादी के लिए अप्रोच किया तो वह उन्हें छोड़कर वापस अपनी पहली पत्नी नादिरा के पास लौट गए। इस वजह से रेखा टूट गई थीं।राज बब्बर से ब्रेकअप के बाद रेखा ने उनके खिलाफ पुलिस स्टेशन में शिकायत करने की कोशिश की थी। उन्होंने स्थानीय पुलिस स्टेशन में राज बब्बर के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया था। हालांकि अधिकारियों ने इस घटना को प्रेमी का झगड़ा बताकर खारिज कर दिया था और एक्ट्रेस को वापस घर भेज दिया था।घ्ँऊगसे को दिए एक इंटरव्यू में राज बब्बर ने कहा था- रेखा ने उस तरह से मेरी मदद की थी जैसे हालातों में मैं था। रेखा भी अपने लंबे रिलेशनशिप के टूटने के बाद बिखरी हुई थीं। वह भी उस दुख से बाहर निकलना चाहती थीं। मेरी भी ऐसी ही हालत थी। उस वक्त हम दोनों साथ में काम भी कर रहे थे। ऐसे में हम दोनों एक दूसरे के इमोशनल सपोर्ट बन कर उभरे क्योंकि हम एक दूसरे की परेशानी और दुख को समझ पा रहे थे।फिल्म 'भीगी पलकें' में काम करने के दौरान ही राज बब्बर को एक्ट्रेस स्मिता पाटिल से प्यार हो गया। बताया जाता है कि स्मिता पाटिल के साथ काम करने के लिए राज बब्बर अपनी फीस आधी कर देते थे। दोनों के बीच प्रेम इस कदर परवान चढ़ा कि समाज की परवाह किए बगैर लंबे समय तक लिव इन रिलेशनशिप में रहे। जिसकी काफी आलोचना हुई थी, इसके कुछ समय बाद उन्होंने शादी कर ली थी।स्मिता पाटिल यह जानती थीं कि राज बब्बर पहले से ही शादीशुदा और दो बच्चों के पिता हैं। स्मिता पाटिल की बायोग्राफी में लेखिका मैथिली राव ने लिखा है कि स्मिता पाटिल ये जानते हुए भी कि उनके प्रेम की वजह से किसी का घर बर्बाद हो रहा है, अपने कदम पीछे नहीं खींच पा रही थीं।करियर के पीक पर राज बब्बर फिल्में छोड़कर राजनीति में चले गए। उनकी फिल्म 'दलाल' हिट रही, इस फिल्म में राज बब्बर ने निगेटिव किरदार निभाया था। इस किरदार में न सिर्फ राज बब्बर की खूब सराहना हुई थी, बल्कि इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट निगेटिव रोल के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड में नामांकन मिला था। इस फिल्म के बाद राज बब्बर पूरी तरह से राजनीति में सक्रिय हो गए।इंडिया टीवी को दिए इंटरव्यू में राज बब्बर ने कहा था- जब मुझे पहली बार राज्यसभा में सांसद बनाया गया, तब मेरे पास 63 फिल्में थीं। जब राज्यसभा के अंदर आया तो मुझे लगा कि यह तो बड़ी जिम्मेदारी का काम है। वहां ऐसा सक्रिय हुआ कि 63 फिल्में छोड़ दीं।राज बब्बर ने 1989 में जनता दल के साथ राजनीति की शुरुआत की थी। 1994-99 तक वो राज्यसभा के सांसद थे। फिर उन्होंने गुरुग्राम लोकसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा।2014 में भी उन्होंने गाजियाबाद सीट से चुनाव लड़ा और तब भी उनकी हार ही हुई। राज बब्बर यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वो साल 2004 में फिरोजाबाद सीट से सपा के टिकट पर लोकसभा का चुनाव जीतकर संसद में पहुंचे थे। साल 2009 में उन्होंने डिंपल यादव को फिरोजाबाद सीट पर हुए चुनाव में हराया था। हालांकि दो साल बाद ही सपा से निकाले जाने के बाद वो कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

'भागकर शादी की, अब वो भी भाग गई':कपिल के शो पर सलमान खान ने उड़ाया सोहेल की पूर्व पत्नी सीमा सजदेह का मजाक

नयी दिल्ली। एक्टर सलमान खान ने हाल ही में नेटफ्लिक्स के शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में पहुंचे। शो में सलमान ने

अपने भाई सोहेल खान और उनकी एक्स वाइफ सीमा सजदेह पर मजाक किया है।दरअसल, शो में सलमान ने बताया कि उनके घर के दरवाजे हमेशा मेहमानों के लिए खुले रहते हैं। उन्होंने फोटोग्राफर अविनाश गोवारीकर का किस्सा सुनाया। सलमान ने बताया कि अविनाश कुछ दिनों के लिए उनके घर गैलेक्सी अपार्टमेंट्स में रहने आए थे। उन्होंने कहा था कि वो जल्द ही किराए का घर ढूंढ लेंगे, लेकिन इसके बाद वो कई सालों तक वहीं रहे।सलमान बोले- सोहेल ने भागकर शादी की थी सलमान ने कहा कि जब उन्होंने अविनाश से पूछा कि घर मिला या नहीं, तो अविनाश ने बताया कि उन्हें कुछ ही दिन बाद घर मिल गया था, लेकिन उन्होंने उसे सबलीज पर दे दिया और सलमान के घर में ही रहने लगे क्योंकि वहां का माहौल अच्छा था।ये किस्सा बताते हुए सलमान ने सोहेल और सीमा के पुराने रिश्ते का भी जिक्र किया। सलमान ने कहा कि उसी दौरान सोहेल ने भागकर शादी कर ली थी। अब वह भी भाग गई है।बता दें कि सोहेल और सीमा ने 1998 में आर्य समाज रीति से शादी की थी, फिर निकाह किया। उनका पहला बेटा निर्वाण 2000 में और दूसरा बेटा योहान 2011 में हुआ। दोनों 2022 में अलग हो गए।वहीं, शो में सलमान खान ने फिल्म 'तेरे नाम' के चर्चित हेयरस्टाइल को लेकर बताया कि यह लुक उन्होंने भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से प्रेरित होकर अपनाया था। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो सीजन 3' के पहले एपिसोड में पहुंचे सलमान ने कहा, 'ये 'तेरे नाम' का जो लुक है, वो अब्दुल कलाम साहब से इंस्पायर्ड था।' सलमान ने ये भी बताया कि फिल्म 'आशिकी' में एक्टर राहुल रॉय का हेयरस्टाइल भी कुछ ऐसा ही था। उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा कि छोटे शहरों का हीरो लंबे बालों वाला होता है। पुराने जमाने के ज्यादातर हीरो भी लंबे बाल रखते थे। वहीं से मुझे आइडिया मिला।'सलमान खान की फिल्म तेरे नाम में उनके रोल को आज भी उनके सबसे दमदार रोल्स में गिना जाता है। यह फिल्म 1999 की तमिल मूवी 'सेथु' की रीमेक थी, जिसमें विक्रम लीड रोल में थे। इस फिल्म से एक्ट्रेस भूमिका चावला ने हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था।वहीं शो में जब कपिल ने आमिर खान का उदाहरण देते हुए सलमान से पूछा कि वह कब शादी करेंगे, जिसका सलमान ने बड़े मजेदार अंदाज में जवाब दिया।कपिल शो में सलमान से पूछते नजर आ रहे हैं कि आमिर भाई ने सबको अपनी गर्लफ्रेंड गौरी से मिलवा दिया, वो रुके ही नहीं और आप हैं कि कर ही नहीं रहे। इसका जवाब देते हुए सलमान ने कहा, 'आमिर की बात ही अलग है। वो परफेक्शनिस्ट है। जब तक शादी को वो एकदम परफेक्ट नहीं बना लेगा।' सलमान के इस जवाब से वहां मौजूद सभी लोग हंस पड़े।द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो का नया सीजन 21 जून को नेटफ्लिक्स पर शुरू हो गया है। इस बार शो में कपिल के साथ सुनील ग्रोवर, अर्चना पूरन सिंह, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा के साथ नवजोत सिंह सिद्धू भी नजर आ रहे हैं।बता दें कि यह शो 30 मार्च 2024 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है। पहला सीजन 13 एपिसोड के साथ 22 जून 2024 को खत्म हुआ। दूसरा सीजन 21 सितंबर से 14 दिसंबर 2024 तक चला। अब 21 जून से तीसरा सीजन शुरू हुआ।

पिता ने फिल्मों में लाने से किया इनकार:तो घर छोड़ चले गए थे विजय, जाते वक्त छोड़ी चिट्ठी में लिखा था- उन्हें ढूंढा न जाए

नयी दिल्ली। 'जना नायकन' तमिल स्टार थलापति विजय की आखिरी फिल्म मानी जा रही है, इसके बाद वे पूरी तरह राजनीति में सक्रिय हो जाएंगे। विजय 'तमिलगा वेट्ट्री कझगम' के संस्थापक अध्यक्ष हैं। अगर उनकी पार्टी को अगले साले वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में जीत मिलती है, तो वह राजनीति में पूरी तरह से एक्टिव हो सकते हैं। बता दें कि विजय ने 1992 में अपने पिता एस. ए. चंद्रशेखर की फिल्म नालैया थीरपू से बतौर लीड एक्टर डेब्यू किया था। इससे पहले उन्होंने कुछ फिल्मों में बाल कलाकार के तौर पर भी काम किया था। 2015 की फिल्म पुली के बाद से उनकी कोई भी फिल्म फ्लॉप नहीं हुई। बीस्ट (2022), वारिसु (2023) और द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम जैसी फिल्मों को मिले-जुले रिव्यूज मिले, लेकिन कमाई अच्छी रही।1984 में फिल्म वेट्री में बाल कलाकार के रूप में फिल्मों काम करना शुरू किया

था। फिल्म को उनके पिता चंद्रशेखर ने डायरेक्ट किया था। बाद में जब उन्होंने फिल्मों में हीरो बनने की इच्छा जताई, तो उनके पिता ने शुरुआत में मना कर दिया।स्टार विजय चैनल के शो 'कॉफी विद अनु' में विजय ने बताया था कि वे पढ़ाई में अच्छे नहीं थे और जीवन में कुछ करना चाहते थे। इसलिए बार-बार अपने पिता से फिल्मों में लाने की बात करते थे। जब पिता ने बार-बार इनकार किया, तो विजय नाराज होकर घर छोड़कर उधयम थिएटर चले गए। जाते वक्त उन्होंने एक चिट्ठी छोड़ दी कि उन्हें ढूंढा न जाए।उनका प्लान था कि दो घंटे में फिल्म देखकर लौट आएंगे, लेकिन तभी उनके पिता को थिएटर में उनके होने की जानकारी मिल गई। वे थिएटर पहुंचे और विजय को घर ले आए।इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, विजय के पिता ने भी यह किस्सा शेयर किया था। उनके अनुसार, विजय सुबह 10 बजे घर से निकले और शाम तक नहीं लौटे। बाद में उधयम थिएटर में उन्हें खोजा गया, जहां एक वॉचमैन ने बताया कि विजय फिल्म देख रहे हैं।चंद्रशेखर ने यह भी बताया था कि वे चाहते थे कि विजय डॉक्टर बनें। खासकर इसलिए कि विजय की छोटी बहन, जो सिर्फ दो साल की थी, ब्लड कैंसर की वजह से गुजर गई थी। उस वक्त विजय सिर्फ दस साल के थे।

विजय देवरकोंडा के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत शिकायत दर्ज:आदिवासी समुदाय पर की थी टिप्पणी, माफी भी मांग चुके हैं एक्टर; पहले भी हुई थी शिकायत

नयी दिल्ली। रविवार को विजय देवरकोंडा के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत दूसरी शिकायत दर्ज की गई है। आरोप हैं कि मई में रेट्रो के प्री-रिलीज इवेंट में उन्होंने एक बयान में आदिवासी समुदाय पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद ट्राइबल कमेटी ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है।ट्राइबल कमेटी के स्टेट प्रेसिडेंट नेनावता अशोक कुमार नायक द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत में आरोप हैं कि विजय देवरकोंडा ने फिल्म रेट्रो के प्री-रिलीज इवेंट में आपत्तिजनक कमेंट कर आदिवासी समुदाय का अपमान किया है। ये शिकायत साइबराबाद के रायदुग्राम पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई है।इससे पहले भी मई में विजय के खिलाफ एडवोकेट लाल चौहान ने एसआर नगर पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज करवाई थी। उन्होंने कॉपी में रेट्रो के प्री-रिलीज इवेंट के वीडियो के स्क्रीनशॉट भी अटैच किए थे।

शिकायत में सबूत के तौर पर मीडिया द्वारा उनके बयान पर पब्लिश हुईं खबरों की भी कॉपी हैं।इवेंट के दौरान विजय ने पहलगाम आतंकी हमले पर बात की थी। इस दौरान उन्होंने कहा- 'कश्मीर में जो रहा है उसका समाधान ये है कि आतंकवादियों को पढ़ाया जाए और ये सुनिश्चित किया जाए कि उनका ब्रेनवॉश न हो। वो क्या हासिल करेंगे। कश्मीर भारत का है कश्मीर हमारा है। भारत को पाकिस्तान पर हमला करने की भी जरूरत नहीं है क्योंकि पाकिस्तानी अपनी सरकार से खुद ही तंग आ चुके हैं। अगर ये सब चलता रहा तो वो खुद ही उन पर हमला करेंगे। असल में 500 साल पहले जैसे आदिवासी लड़ते थे, ये लोग बिना बुद्धि और समझ के वैसे ही काम कर रहे हैं।' इवेंट से विजय का बयान सामने आने के बाद उनकी जमकर आलोचना हुई। विवाद बढ़ने पर एक्टर ने सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किए गए माफीनामे में लिखा, 'मेरी जानकारी में आया है कि रेट्रो ऑडियो लॉन्च इवेंट के दौरान मैंने जो टिप्पणी की उस पर कुछ लोगों ने अपनी चिंता जाहिर की है। मैं ईमानदारी से कहना चाहता हूं कि किसी भी समुदाय, खासकर के अनुसूचित जनजातियों को चोट पहुंचाने या निशाना बनाने का कोई इरादा नहीं था। मैं उनका गहरा सम्मान करता हूं और हमारे देश का अभिन्न अंग मानता हूं।''मैं एकता के बारे में बोल रहा था कि कैसे भारत एक है। हमारे लोग एक हैं और कैसे हमें एक साथ मिलकर आगे बढ़ना चाहिए।'उन्होंने लिखा, 'मैं किस दुनिया में ऐसा करूंगा, जब हम सभी को एक देश के रूप में एकजुट रहने का आग्रह करते हुए, भारतीयों के किसी भी समूह के खिलाफ जानबूझकर भेदभाव करूं, जिन्हें मैं अपना परिवार, अपने भाई की तरह मानता हूं। मैंने 'जनजाति' शब्द का इस्तेमाल ऐतिहासिक और डिक्शनरी सेंस में किया था।

सलमान ने बताया कैसे गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसी थी महिला:सिक्योरिटी को चकमा देकर अंदर पहुंची, सर्वेंट से कहा था- सलमान ने बुलाया है

नयी दिल्ली। मई में सलमान खान की कड़ी सिक्योरिटी में तब चूक हुई, जब एक महिला उनसे मिलने के लिए उनके गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुस आई। वो महिला सलमान खान के अपार्टमेंट तक पहुंच चुकी थी, जिसे बाद में पुलिस के हवाले कर दिया गया था। अब हाल ही में सलमान ने इस घटना का खुलासा कर बताया है कि महिला ने उनसे मिलने के लिए किस तरह के झूठ बोले।द कपिल शर्मा शो में पहुंचे सलमान खान से कपिल ने कहा कि आपके साथ तो बहुत ऐसा हुआ होगा कि कोई सूटकेस लेकर घर पर आ जाए। इस पर सलमान ने उस घटना का जिक्र किया, जब उनकी सिक्योरिटी में चूक हो गई थी। एक्टर ने कहा, 'हां अभी हाल ही में ऐसा हुआ। सिक्योरिटी है तो उसने कहा कि मैं चौथे माले पर जा रही हूं। तो वो आ गईं। उसने नीचे घंटी बजाई तो हमारे सर्वेंट ने भी दरवाजा खोला। उन्हें देखकर वो शॉक हो गए। उसने कहा- मुझे सलमान ने बुलाया है। उनको देखकर समझ आ गया कि

सलमान ने तो कभी बुलाया नहीं होगा।'इस बीच जब अर्चना पूरन सिंह ने आगे की कहानी पूछी तो सलमान ने कहा कि वो फैन थी, उसे भेज दिया गया था।बताते चलें कि ये घटना 19-20 मई की है। गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसने वाली महिला का नाम ईशा छाबड़ा था। इस घटना के ठीक एक दिन बाद छत्तीसगढ़ का रहनेवाला 23 साल का लड़का जीतेंद्र कुमार भी गैलेक्सी अपार्टमेंट में चोरी-छिपे घुस गया था।सलमान की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी संदीप नारायण की शिकायत पर बांद्रा पुलिस ने इंर्ढ दर्ज की है। संदीप ने बताया कि 20 मई की सुबह 09:45 बजे एक अज्ञात व्यक्ति को गैलेक्सी अपार्टमेंट बिल्डिंग के आसपास घूमते देखा गया। मैंने उसे समझाया और उसे चले जाने को कहा। इस पर आरोपी ने अपना मोबाइल फोन जमीन पर फेंककर तोड़ दिया।संदीप ने कहा कि वह शख्स शाम करीब 7:15 बजे फिर गैलेक्सी अपार्टमेंट के मुख्य द्वार पर वापस आया। इसके बाद इमारत में रहने वाले एक व्यक्ति की कार से गेट के अंदर एंट्री कर गया। मौके पर मौजूद पुलिस कॉन्स्टेबल सुर्वे, महेत्रे, पवार और सुरक्षा गार्ड कमलेश मिश्रा ने तुरंत उसे हिरासत में लिया और बांद्रा पुलिस के हवाले कर दिया। हालांकि बाद में उसे छोड़ दिया गया।2023 में लॉरेंस गैंग से धमकी मिलने के बाद ही सलमान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। उन्हें महाराष्ट्र सरकार की तरफ से ङ्घ कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। 11 जवान हर समय साथ रहते हैं, इसमें एक या दो कमांडो और 2 पीएसओ भी शामिल होते हैं।सलमान की गाड़ी के आगे और पीछे एस्कॉर्ट करने के लिए दो गाड़ियां हमेशा रहती हैं। इसके साथ-साथ सलमान की गाड़ी भी पूरी तरह बुलेटप्रूफ है।गैलेक्सी अपार्टमेंट पर हुई फायरिंग के बाद जनवरी में सलमान के अपार्टमेंट की बालकनी बुलेटप्रूफ कर दी गई है। साथ ही हाई रेजोल्यूशन कैमरे भी चारों तरफ लगाए गए हैं।

नवीना का आरोप- साजिद ने घर बुलाकर कपड़े उतारने कहा:भड़ककर बख्तियार बोले- तुम घर गई ही क्यों, मीटिंग ऑफिस में होती है, एक्ट्रेस ने लताड़ लगाई

नयी दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस नवीना बोले ने कुछ समय पहले ही साजिद खान पर हैरेसमेंट के आरोप लगाए थे। एक्ट्रेस ने कहा था साजिद ने काम देने के बहाने उन्हें घर बुलाया और उनसे कपड़े उतारने को कहा। अब बख्तियार ने साजिद का सपोर्ट करते हुए नवीना को जमकर फटकार लगाई है। उन्होंने कहा कि वो काम मांगने के लिए घर क्यों गई थीं। और

अगर ऐसा कुछ हुआ था तो वो सालों बाद इसका जिक्र क्यों कर रही हैं। इस पर अब नवीना ने बख्तियार को फटकार लगाई है।बख्तियार ने सोशल मीडिया पर नवीना के लिए लिखा है, 'सॉरी लेकिन तुम मीटिंग के लिए घर क्यों गईं। आमतौर पर मीटिंग ऑफिस या पब्लिक प्लेस पर होती हैं। 1980 और 2025 की भी महिलाएं बेसिक जानती हैं। माफ करिए, लेकिन आसान टारगेट बनाना बंद करिए। ये कब हुआ, तब आपने कुछ क्यों नहीं कहा। पूरी इज्जत के साथ महिलाओं के कहना चाहूंगा कि आप कुछ होने के 30 बाद इंटरव्यू मत दीजिए। इतना टाइम दिमाग लगाने और हिम्मत जुटाने के लिए काफी है।'बख्तियार की पोस्ट पर नवीना ने पलटवार कर कहा है, 'सबसे पहले ये बेहद दिल दुखाने वाला है कि आप मेरे कलीग होने के बावजूद मेरी सच्चाई पर सवाल उठा रहे हैं। वो इंटरव्यू शुरू ही मैंने साफ कहा कि मुझे लगा था कि वो ऑफिस है, जो बाद में पता चला कि उनका घर है। ये 2006 में हुआ था, पूरी जानकारी के लिए पॉडकास्ट देख लीजिए। ऐसा नहीं है कि मेरी आप जैसे किसी शख्स को जवाबदेही है। और ये उस बात का जवाब था जब इंटरव्यू में मुझसे कास्टिंग काउच के एक्सपीरियंस पर सवाल किया गया। मैंने प्रेस को कॉल कर इस मुद्दे पर बात शुरू नहीं की। तो प्लीज अगली बार किसी पर शक करने से पहले 2 बार जरूर सोचिए। मेरे पास दिमाग और हिम्मत दोनों है, इसलिए मैंने सच्चाई बताई और मैं अपनी बात पर कायम हूं।'कुछ समय पहले ही सुभोजीत घोष को दिए एक इंटरव्यू में नवीना ने कास्टिंग काउच का खुलासा कर कहा था, 'उनका नाम बहुत कंट्रोवर्सी में रहा है। मुझे नहीं पता मुझे उनका नाम लेना चाहिए या नहीं, वो बहुत बड़े डायरेक्टर हैं। वो एक डरावने इंसान हैं, मैं उनसे जिंदगी में कभी नहीं मिलना चाहती। उनका नाम साजिद खान है। ग्लेडरेग्स (ब्यूटी पेजेंट) के बाद हम में से कई लोगों के पास आए। उन्होंने महिलाओं का अपमान करने में कई सीमाएं पार कीं। जब उन्होंने मुझे कॉल किया, मैं बहुत एक्साइटेड थी।' आगे नवीना ने बताया था कि घर बुलाकर साजिद ने उनसे कपड़े उतारने को कहा था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।